रोजगार के अवसर व बदलाव को समझने के लिए तैयार रहें विद्यार्थी

हकेंवि में 'उडान' कार्यक्रम का आयोजन, मॉक इंटरव्यू व टेस्ट के माध्यम से दिया जाएगा प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा उडान कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को सुनहरे भविष्य निर्माण में आवश्यक विभिन्न विषयों की जानकारी, प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

इसके अंतर्गत विशेष रूप से विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के विशेषज्ञों द्वारा मॉक इंटरव्यू व टेस्ट के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यह प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिहाज से आवश्यक है कि विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र में रोजगार के लिए आवश्यक बदलावों को जाने-समझे और उनके लिए तैयार रहे।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने मुख्यातिथि फिडेस्टो प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विपुल गर्ग व विशिष्ट अतिथि स्काईलार्क इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के अमन गुप्ता का परिचय प्रतिभागियों से करवाया। विपुल गर्ग ने कार्यक्षेत्र की वर्तमान स्थिति और उससे संबंधित अपने ज्ञान व अनुभवों को साझा किया।

इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि अमन गुप्ता ने विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम में उसकी उपयोगिता से अवगत कराया। सॉफ्टवेयर के प्रति समझ और मौजूदा समय के अनुरूप कार्यक्षेत्र की जानकारी रोजगार अर्जित करने में सदैव मददगार साबित होती है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के आयोजन में सहायक आचार्य इंजीनियर दीपक राणा, डॉ. मोहित मित्तल सहित विभाग के छात्र अभिज्ञान बरकतकी ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम का संचालन विभाग के विद्यार्थी आयुष शर्मा ने किया जबकि कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मोहित मित्तल ने ज्ञापित किया।

'रोजगार के लिए आवश्यक बदलावों को छात्र जाने और समझे'

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा उड़ान कार्यक्रम की शुरूआत हो गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को करियर निर्माण में आवश्यक विभिन्न विषयों की जानकारी, प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इसके अंतर्गत विशेष रूप से विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के विशेषज्ञों द्वारा माक इंटरव्यू व टेस्ट के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यह प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिहाज से आवश्यक है कि विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र में रोजगार के लिए आवश्यक बदलावों को जाने-समझे और उनके लिए तैयार रहे। मुख्य अतिथि फिडेस्टो प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विपुल गर्ग ने अपने संबोधन में कार्यक्षेत्र की वर्तमान स्थिति और उससे संबंधित अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि साफ्टवेयर के प्रति समझ और मौजूदा समय के अनुरूप कार्यक्षेत्र की जानकारी रोजगार अर्जित करने में सदैव मददगार साबित होती है।

हकेंवि में उड़ान कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से उड़ान कार्यक्रम की शुरूआत हो गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को करियर निर्माण में आवश्यक विभिन्न विषयों की जानकारी, प्रशिक्षण व मागदर्शन प्रदान किया जाएगा। इसके अंतर्गत विशेष रूप से विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के विशेषज्ञों द्वारा मॉक इंटरव्यू व टेस्ट के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यह प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिहाज से आवश्यक है कि विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र में रोजगार हेतु आवश्यक बदलावों को जाने-समझे और उनके लिए तैयार रहे। ऑनलाइन माध्यम से

महेंद्रगढ़। उड़ान कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति।

आयोजित इस कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने आयोजन में उपस्थित मुख्यातिथि फिडेस्टो प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विपुल गर्ग व विशिष्ट अतिथि स्काईलार्क इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के अमन गुप्ता का परिचय प्रतिभागियों से करवाया। विपुल गर्ग ने अपने संबोधन में कार्यक्षेत्र की वर्तमान स्थिति और उससे संबंधित अपने ज्ञान व अनुभवों को सांझा किया। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि अमन गुप्ता ने विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम में उसकी उपयोगिता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर के प्रति समझ और मौजूदा समय के अनुरूप कार्यक्षेत्र की जानकारी रोजगार अर्जित करने में सदैव मददगार साबित होती है।

हकेवि में 'उड़ान' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'उड़ान' कार्यक्रम की शुरूआत हो गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को करियर निर्माण में आवश्यक विभिन्न विषयों की जानकारी, प्रशिक्षण व मागदर्शन प्रदान किया जाएगा। इसके अंतर्गत विशेष रूप से विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के विशेषज्ञों द्वारा मॉक इंटरव्यू व टेस्ट के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यह प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिहाज से आवश्यक है कि विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र में रोजगार हेतु आवश्यक बदलावों को जाने-समझे और उनके लिए तैयार रहे। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने आयोजन में उपस्थित मुख्य अतिथि फिडेस्टो प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विपुल गर्ग व विशिष्ट अतिथि स्काईलार्क इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के अमन गुप्ता का परिचय प्रतिभागियों से करवाया। विपुल गर्ग ने अपने संबोधन में कार्यक्षेत्र की वर्तमान स्थिति और उससे संबंधित अपने ज्ञान व अनुभवों को साझा किया। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि अमन गुप्ता ने विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम में उसकी उपयोगिता से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर के प्रति समझ और मौजूदा समय के अनुरूप कार्यक्षेत्र की जानकारी रोजगार अर्जित करने में सदैव मददगार साबित होती है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के आयोजन में सहायक आचार्य इंजीनियर दीपक राणा, डॉ. मोहित मित्तल सहित विभाग के छात्र अभिज्ञान बरकतकी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम का संचालन विभाग के विद्यार्थी आयुष शर्मा ने किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मोहित मित्तल ने ज्ञापित किया।

हकेंवि में 'उड़ान' कार्यक्रम की शुरूआत

महेंद्रगढ़, 1 मई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'उड़ान' कार्यक्रम की शुरूआत हो गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को करियर निर्माण में आवश्यक विभिन्न विषयों की जानकारी, प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

इसके अंतर्गत विशेष रूप से विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के विशेषज्ञों द्वारा मॉक इंटरव्यू व टैस्ट के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यह प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिहाज से आवश्यक है कि विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र में रोजगार हेतु आवश्यक बदलावों को जानें-समझें और उनके लिए तैयार रहें।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने आयोजन में उपस्थित मुख्यातिथि फिडेस्टो प्रोजैक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विपुल गर्ग व विशिष्ट अतिथि स्काईलार्क इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के अमन गुप्ता का परिचय प्रतिभागियों से करवाया।

विपुल गर्ग ने अपने संबोधन में कार्यक्षेत्र की वर्तमान स्थिति और उससे संबंधित अपने ज्ञान व अनुभवों को सांझा किया। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि अमन गुप्ता ने विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम में उसकी उपयोगिता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर के प्रति समझ और मौजूदा समय के अनुरूप कार्यक्षेत्र की जानकारी रोजगार अर्जित करने में सदैव मददगार साबित होती है।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के आयोजन में सहायक आचार्य इंजीनियर दीपक राणा, डॉ. मोहित मित्तल सहित विभाग के छात्र अभिज्ञान ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम का संचालन विभाग के विद्यार्थी आयुष शर्मा ने किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मोहित मित्तल ने ज्ञापित किया।

उड़ान कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

अमृतकाल के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम: प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

हकेवि में जी20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अमृतकाल की यात्रा विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी। आज समाज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को जी20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हकेवि व इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च एंड सस्टेनेबल डवलपमेंट (आईपीपीआरएसडी) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम्कुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी, महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार, श्री वेंकटेश्वरा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक मल्होत्रा व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय संस्कृति व पुरातन ज्ञान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सदैव समूचे विश्व का नेतृत्व करता रहा है और इस बार भी जी20 के माध्यम से भारत वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा का पोषण कर रहा है।

विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग स्थित सेमिनार कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय में जी20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट के नोडल ऑफिसर प्रो. गौरव सिंह ने अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरूआत में आईपीपीआरएसडी के सचिव संदीप आजाद ने संस्था के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए अमृतकाल में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि अवश्य ही जी20 सम्मेलन का आयोजन भारत के लिए अपनी संस्कृति व विकास यात्रा के पुनर्स्मरण व भविष्य की कार्ययोजना के निर्धारण हेतु महत्त्वपूर्ण आयोजन है। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत जी20 सम्मेलन को विश्व से प्राप्त करने नहीं बल्कि उसे देने के उद्देश्य से देख रहा है।

इस सम्मेलन के माध्यम से अवश्य ही वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। साथ ही विश्वविद्यालय स्तर पर इस तरह के आयोजनों से अमृतकाल की यात्रा में विश्वविद्यालयों की भूमिका सुनिश्चित होगी। कुलपति ने भारतीय ज्ञान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम इस विषय में समूचे विश्व में अग्रणी हैं बस आवश्यकता है उपलब्ध ज्ञान को प्रमाण के साथ प्रस्तुत करने की और इस कार्य में सभी सहभागियों को मिलकर योगदान देना होगा। इससे पूर्व में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अमृतकाल की यात्रा पर अपने विचार प्रतिभागियों के समक्ष रखते हुए कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं जो कोविड काल से सुरक्षित बचकर अमृतकाल को देखने व उसके लिए देशभर में जारी योजनागत बदलावों को जानने-समझने व निर्धारित करने में योगदान दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत पांच प्रण इसी दिशा में बढ़ाया गया कदम है और अमृतकाल से अर्थ शासन, नीति, शिक्षा, मानवीय संबंध, विश्व के साथ संबंध की वह यात्रा है जो कि उत्कृष्टता प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास के नियम का अनुसरण कर हम भविष्य की ओर बढ़ेंगे तो अवश्य ही विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता विकसित कर पाएंगे। युवा ही देश को संभालेंगे, सहेजेंगे और आगे ले जाएंगे। आयोजन में उपस्थित डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी ने वसुधैव कुटुम्बकम पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पुरातन संस्कृति और उसमें उपलब्ध गूढ़ ज्ञान पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि किस तरह से भारत आरंभ से ही श्रेष्ठता लिए हुए है। इस अवसर पर उन्होंने अध्यात्म की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसके बिना मानव पशु समान है। उन्होंने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानंद, भास्कराचार्य व तुलसीदास के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि अवश्य ही वह भारत के लिए उपलब्धि है कि वह जी20 सम्मेलन का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कोरोना काल का उल्लेख करते हुए भारत की सतत विकास आधारित व्यवस्था, पारिवारिक मूल्यों, पुरातन ज्ञान की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर उन्होंने मस्तिष्क के स्थायीत्व और डिजिटल वर्ल्ड के उत्तम उपयोग पर जोर देने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण के महत्त्व पर भी ध्यान आकर्षित किया। महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार ने जी20 सम्मेलन और भारतीय युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए अपनी बात प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि किस तरह से भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। आयोजन के अन्य वक्ता डॉ. अभिषेक मल्होत्रा ने जी20 की भूमिका और महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए उसके आर्थिक पक्षों और आयोजन के दौरान होने वाले विभिन्न आयोजनों का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से इस आयोजन की विभिन्न स्तर पर तैयारियां जारी हैं और उसके अंतर्गत चर्चा में आने वाले विषयों की ओर डॉ. अभिषेक ने ध्यान आकर्षित कराया। कार्यक्रम के अंत में हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

संस्कृति में विश्व का नेतृत्व कर रहा देश

हरियाणा केंद्रीय विद्यालय में जी-20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर कार्यक्रम आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को जी-20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हरियाणा केंद्रीय विद्यालय व इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईपीपीआरएसडी) के साझा प्रयासों से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय संस्कृति व पुरातन ज्ञान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सदैव समूचे विश्व का नेतृत्व करता रहा है और इस बार भी जी-20 के माध्यम से भारत वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा का पोषण कर रहा है। विवि के शिक्षा विभाग स्थित सेमिनार कक्ष में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत विवि के कुलगीत के साथ हुई।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट के नोडल ऑफिसर प्रो. गौरव सिंह ने अतिथियों का स्वागत और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरुआत में आईपीपीआरएसडी के सचिव संदीप आजाद ने संस्था के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए अमृतकाल में युवाओं की भूमिका पर अपना पक्ष रखा। अवश्य ही जी-20 सम्मेलन का आयोजन भारत के लिए अपनी संस्कृति व विकास यात्रा के पुनर्स्मण व भविष्य की कार्ययोजना के निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

जन-जन तक पहुंचेगी वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा : कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत जी-20 सम्मेलन को विश्व से प्राप्त करने नहीं बल्कि उसे देने के उद्देश्य से देख रहा है। सम्मेलन के माध्यम से अवश्य ही वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी, महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार, वेंकटेश्वरा कॉलेज, दिल्ली विवि के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक मल्होत्रा व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

भारतीय पुरातन संस्कृति में उपलब्ध है गूढ़ ज्ञान

आयोजन में उपस्थित डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी ने वसुधैव कुटुंबकम पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पुरातन संस्कृति और उसमें उपलब्ध गूढ़ ज्ञान पर बात रखी। उन्होंने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानंद, भास्कराचार्य व तुलसीदास के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व से अवगत कराया। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि अवश्य ही यह भारत के लिए उपलब्धि है कि वह जी-20 सम्मेलन का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने देश की सतत विकास आधारित व्यवस्था, पारिवारिक मूल्यों, पुरातन ज्ञान की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार ने जी-20 सम्मेलन और भारतीय युवा शक्ति का उल्लेख किया कि किस तरह से भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। डॉ. अभिषेक मल्होत्रा ने जी-20 की भूमिका और महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में हकेंवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

अमृतकाल के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम : प्रो. टंकेश्वर कुमार

- हमारा देश भारत सदैव समूचे विश्व का नेतृत्व करता रहा है
- अमृतकाल में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से अपना पक्ष रखा

हकेवि में जी 20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में मंगलवार को 'जी 20 एवं अमृतकाल की यात्रा' विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हकेंवि व इंस्टीट्यूट फार पब्लिक पालिसी रिसर्च एंड सस्टेनेबल डवलपमेंट (आइपीपीआरएसडी) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित डा. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी, महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार, श्री वेंकटेश्वरा कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डा. अभिषेक मल्होत्रा और भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय संस्कृति और पुरातन ज्ञान के महत्व पर कहा कि भारत सदैव समूचे विश्व का नेतृत्व करता रहा है और इस बार भी जी 20 के माध्यम से भारत वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा का पोषण कर रहा है। विश्वविद्यालय में जी 20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट के नोडल आफिसर प्रो. गौरव सिंह ने अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरूआत में आइपीपीआरएसडी के सचिव संदीप आजाद ने संस्था के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए अमृतकाल में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से अपना पक्ष रखा।

इस मौके पर कुलपति ने कहा कि देश जी 20 सम्मेलन को विश्व से प्राप्त करने नहीं, बल्कि उसे देने के उद्देश्य से देख रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत काल के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम है। कुलपति ने भारतीय ज्ञान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम इस विषय में समूचे विश्व में अग्रणी हैं। आयोजन में उपस्थित डा. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी ने वसुधैव कुटुंबकम पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पुरातन संस्कृति और उसमें उपलब्ध ज्ञान पर विस्तार से अपनी बात रखी। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि अवश्य ही यह भारत के लिए उपलब्धि है। महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार ने जी 20 सम्मेलन और भारतीय युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए अपनी बात प्रस्तुत की।

डा. अभिषेक मल्होत्रा ने जी 20 की भूमिका और महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसके आर्थिक पक्षों और आयोजन के दौरान होने वाले विभिन्न आयोजनों का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में जी-20 एवं अमृतकाल की यात्रा पर कार्यक्रम आयोजित

भारत सदैव समूचे विश्व का करता रहा है नेतृत्व: प्रो. टंकेश्वर कुमार

- विवि के शिक्षक शिक्षा विभाग स्थित सेमिनार कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत विवि के कुलगीत के साथ हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को जी-20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हकेंवि व इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च एंड सस्टेनेबल डवलपमेंट (आईपीपीआरएसडी) के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी, महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार, श्री वेंकटेश्वरा कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक मल्होत्रा व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय संस्कृति व पुरातन ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सदैव समूचे विश्व का नेतृत्व करता रहा है और इस बार भी जी-20 के माध्यम से भारत वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा का पोषण कर रहा है। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग स्थित सेमिनार कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट के नोडल ऑफिसर प्रो. गौरव सिंह ने अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरूआत में आईपीपीआरएसडी के सचिव संदीप आजाद ने संस्था के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए अमृतकाल में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि अवश्य ही जी-20 सम्मेलन का आयोजन भारत के लिए अपनी संस्कृति व विकास यात्रा के पुनर्स्मरण व भविष्य की कार्ययोजना के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण आयोजन है। कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत जी-20 सम्मेलन को विश्व से प्राप्त करने नहीं बल्कि उसे देने के उद्देश्य से देख रहा है। इस सम्मेलन के माध्यम से अवश्य ही वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। कुलपति ने भारतीय ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम इस विषय में समूचे विश्व में अग्रणी हैं इससे पूर्व में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अमृतकाल की यात्रा पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं जो कोविड काल से सुरक्षित बचकर अमृतकाल को देखने व उसके लिए देशभर में जारी योजनागत बदलावों को जानने-समझने व निर्धारित करने में योगदान दे पा रहे हैं।

जी-20 की भूमिका और महत्व पर डाला प्रकाश

एसडीएम हर्षित कुमार ने जी-20 सम्मेलन और भारतीय युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए अपनी बात प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि किस तरह से भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। आयोजन के अन्य वक्ता डॉ. अभिषेक मल्होत्रा ने जी-20 की भूमिका और महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसके आर्थिक पक्षों और आयोजन के दौरान होने वाले विभिन्न आयोजनों का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से इस आयोजन की विभिन्न स्तर पर तैयारियां जारी हैं और उसके अंतर्गत चर्चा में आने वाले विषयों की ओर डॉ. अभिषेक ने ध्यान आकर्षित कराया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

अमृतकाल के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम : प्रो. टंकेश्वर कुमार

■ ह.कें.वि. में जी-20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 1 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को जी-20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ह.कें.वि. व इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च एंड सस्टेनेबल डिवैल्पमैंट (आई.पी.पी. आर.एस.डी.) के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी, महेंद्रगढ़ के एस.डी.एम. हर्षित कुमार आदि उपस्थित रहे।

ह.कें.वि. में जी-20 एवं अमृतकाल की यात्रा विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय संस्कृति व पुरातन ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सदैव समूचे विश्व का नेतृत्व करता रहा है और इस बार भी जी-20 के माध्यम से भारत वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा का पोषण कर रहा है।

विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग स्थित सैमीनार कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनैक्ट के नोडल ऑफिसर प्रो. गौरव सिंह ने अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरूआत में आई.पी.पी.आर.एस.डी. के सचिव संदीप आजाद ने संस्था के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए अमृतकाल में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से अपना पक्ष रखा।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही जी-20 सम्मेलन का आयोजन भारत के लिए अपनी संस्कृति व विकास यात्रा के पुनर्स्मरण व भविष्य की कार्ययोजना के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण आयोजन है। अमृतकाल के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका है।

इससे पूर्व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अमृतकाल से अर्थशासन, नीति, शिक्षा, मानवीय संबंध, विश्व के साथ संबंध की वह यात्रा है जिसमें उत्कृष्टता प्राप्त हो।

अध्यात्म के बिना मानव पशु समान

आयोजन में उपस्थित डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी ने अध्यात्म की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसके बिना मानव पशु समान है। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मस्तिष्क के स्थायित्व और डिजिटल वर्ल्ड के उत्तम उपयोग पर जोर देने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण के महत्व पर भी ध्यान आकर्षित किया।

महेंद्रगढ़ के एस.डी.एम. हर्षित कुमार ने जी-20 सम्मेलन और भारतीय युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए अपनी बात प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के अंत में ह.कें.वि. के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में शेक्सपियर-डे पर कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग द्वारा प्रसिद्ध नाटककार विलियम शेक्सपियर के जन्म दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन हेतु विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए विभाग को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है ताकि विद्यार्थी इस तरह की गतिविधियों में सीधे तौर पर शामिल होकर भाषा कौशल में हो निपुण सके। आयोजन में विद्यार्थियों द्वारा किंग लियर के शुरूआती दृश्य, मैकबेथ के दृश्य, सॉलिलोकीज, नृत्य प्रदर्शन आदि सहित विभिन्न प्रस्तुतियां की गई। इस अवसर पर शेक्सपियर पर क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव कौशिक सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि की एनसीसी इकाई ने निकाली जागरूकता रैली

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान पर गांव जांट में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के गेट नम्बर दो से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट के लिए हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि बेटा व बेटी दोनों एक समान है और इसके लिए समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है और इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस तरह के आयोजन महत्त्वपूर्ण है।

विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई के एएनओ डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि इस जागरूकता रैली का आयोजन एनसीसी निदेशालय नई दिल्ली के निर्देश पर किया गया है और यह रैली ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित होगी। डिप्टी एएनओ नरेश कुमार ने बताया कि रैली में एनसीसी कैडेट्स और कक्षा 9वीं से 11वीं के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अमित कुमार, डॉ. रीना स्वामी सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांट के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'महिला सशक्तिकरण के लिए डिजिटल साक्षरता जरूरी'

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ में समाजशास्त्र विभाग द्वारा डिजिट ऑल लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के लिए समाजशास्त्र विभाग को बधाई दी है। कुलपति ने संदेश में कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए डिजिटल साक्षरता जरूरी है क्योंकि यह सभी भौतिक, भौगोलिक और आर्थिक बाधाओं को दूर करती है। सम्मेलन में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. अजीत कुमार पाण्डेय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अब्दुल मतीन, कल्याणी विश्वविद्यालय के डॉ. प्रबीर कुमार डे विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत में समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य व आयोजन की संयोजक डॉ. रीमा गिल व एडम्स यूनिवर्सिटी की प्रो. शालिनी मुखर्जी ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। इसी क्रम में एडम्स यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र नायक ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पल्लवी सिन्हा दास ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सम्मेलन में देश भर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से लगभग 102 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हकेंवि में शेक्सपीयर पर कार्यक्रम आयोजित

शेक्सपियर डे के अवसर पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी ● सौ. संस्था

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग द्वारा दुनिया के प्रसिद्ध नाटककार विलियम शेक्सपीयर की जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन के लिए विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए विभाग को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है। आयोजन में विद्यार्थियों द्वारा किंग लियर के शुरुआती दृश्य, मैकबेथ के दृश्य, सालिलोकीज, नृत्य प्रदर्शन आदि सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव, परीक्षा नियंत्रक डा. राजीव कौशिक सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'जलवायु परिवर्तन पर्यावरण और मानव को प्रभावित करते हैं'

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में एनआइएससीएआइआर, सीएसआइआर के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. संजय सेन गुप्ता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश ने कहा कि यह आयोजन जी 20 से जुड़े विभिन्न विषयों के संदर्भ में जारी जागरूकता के लिए पहल का एक हिस्सा है और इसका उद्देश्य हमारे ग्रह की रक्षा और जलवायु परिवर्तन से निपटने की आवश्यकता के विषय में विमर्श को बढ़ाना था। पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर्यावरण और मानव समाज दोनों को प्रभावित करते हैं। इन पर्यावरणीय प्रभावों से भोजन और पानी की कमी, प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोगों का विस्थापन और संक्रामक रोगों के वितरण में परिवर्तन जैसे सामाजिक और आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. संजय सेन गुप्ता ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन साक्ष्य एवं कारण पर अपना व्याख्यान देते हुए वैश्विक जलवायु परिवर्तन के पीछे वैज्ञानिक प्रमाणों का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया और जलवायु परिवर्तन के विभिन्न कारकों पर चर्चा की।

गांव जाट में निकाली जागरूकता रैली

जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान पर गांव जाट में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर दो से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाट के लिए हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। कुलपति ने कहा कि बेटा व बेटी दोनों एक समान हैं और इसके लिए समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है और इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस तरह के आयोजन महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई के एएनओ डा. रमेश कुमार ने कहा कि इस जागरूकता रैली का आयोजन एनसीसी निदेशालय नई दिल्ली के निर्देश पर किया गया है और यह रैली ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित होगी। डिप्टी एएनओ नरेश कुमार ने बताया कि रैली में एनसीसी कैडेट्स और कक्षा नौवीं से ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डा. सिद्धार्थ शंकर राय, डा. अमित कुमार, डा. रीना स्वामी सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाट के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'महिला सशक्तीकरण के लिए डिजिटल साक्षरता जरूरी'

हकेवि में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागियों को संबोधित करते विशेषज्ञ ● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में समाजशास्त्र विभाग द्वारा डिजिट आल लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के लिए समाजशास्त्र विभाग को बधाई दी है। कुलपति ने संदेश में कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए डिजिटल साक्षरता जरूरी है क्योंकि यह सभी भौतिक, भौगोलिक और आर्थिक बाधाओं को दूर करती है। सम्मेलन में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. अजीत कुमार पांडेय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अब्दुल मतीन, कल्याणी विश्वविद्यालय के डा. प्रबीर कुमार डे विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरूआत में समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य व आयोजन की संयोजक डा. रीमा गिल व एडम्स यूनिवर्सिटी की प्रो. शालिनी मुखर्जी ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। इसी क्रम में एडम्स यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र नायक ने स्वागत भाषण दिया। हकेवि में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य व सह संयोजक डा. युधवीर ने विशेषज्ञ वक्ता डा. अजीत कुमार पांडेय का परिचय प्रस्तुत किया।

इसके पश्चात डा. अजीत कुमार पांडेय ने सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागियों के समक्ष विषय से जुड़े विभिन्न पक्षों पर विचार व्यक्त किए। आयोजन में सम्मिलित वक्ता प्रो. अब्दुल मतीन व डा. प्रबीर कुमार डे ने भी विषय से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से अपनी बात रखी। कार्यक्रम के अंत में डा. पल्लवी सिन्हा दास ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सम्मेलन में देश भर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से लगभग 102 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हकेंवि में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

महेंद्रगढ़। हकेंवि में समाजशास्त्र विभाग द्वारा डिजिटऑलः लैंगिक समानता के लिए नवाचार व प्रौद्योगिकी विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। वीसी प्रो. टंकेश्वर ने राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन पर समाजशास्त्र विभाग को बधाई दी और महिला सशक्तिकरण के लिए डिजिटल साक्षरता जरूरी बताया है।

हकेंवि में शेक्सपियर डे पर कार्यक्रम का आयोजन

महेंद्रगढ़, 3 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग द्वारा प्रसिद्ध नाटककार विलियम शेक्सपियर के जन्मदिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शेक्सपियर डे के अवसर पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी। (मोहन)

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन हेतु विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए विभाग को बधाई दी।

कुलपति ने कहा कि भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है ताकि विद्यार्थी इस तरह की गतिविधियों में सीधे तौर पर शामिल होकर भाषा कौशल में हो निपुण सकें।

आयोजन में विद्यार्थियों द्वारा किंग लियर के शुरूआती दृश्य, मैकबेथ के दृश्य, सॉलिलोकीज, नृत्य प्रदर्शन आदि सहित विभिन्न प्रस्तुतियां की गईं। इस अवसर पर शेक्सपियर पर क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव कौशिक सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पर्यावरण व मानव समाज दोनों को प्रभावित करता है जलवायु परिवर्तन

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में प्रतिभागियों को संबोधित करते डॉ. संजय सेन गुप्ता। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 3 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में एन.आई.एस.सी.ए.आई.आर., सी.एस.आई.आर. के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय सेन गुप्ता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश ने कहा कि यह आयोजन जी20 से जुड़े विभिन्न विषयों के संदर्भ में जारी जागरूकता हेतु पहल का एक हिस्सा है और इसका उद्देश्य हमारे ग्रह की रक्षा और जलवायु परिवर्तन से निपटने की आवश्यकता के विषय में विमर्श को बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरूआत में पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर्यावरण और मानव समाज दोनों को प्रभावित करते हैं। इन पर्यावरणीय प्रभावों से भोजन और पानी की कमी, प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोगों का विस्थापन और संक्रामक रोगों के वितरण में परिवर्तन जैसे सामाजिक और आर्थिक परिणाम हो सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. संजय सेन गुप्ता ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन साक्ष्य एवं कारण पर अपना व्याख्यान देते हुए वैश्विक जलवायु परिवर्तन के पीछे वैज्ञानिक प्रमाणों का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया और जलवायु परिवर्तन के विभिन्न कारकों पर चर्चा की।

उन्होंने मुद्दों के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के परिणाम जटिल और परस्पर जुड़े हुए हैं इसलिए इस मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाना और ग्रीनहाऊस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए कार्रवाई करना और हमारे ग्रह को और नुक्सान को रोकने के लिए स्थायी प्रथाओं को अपनाना महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में जी20 पहलों और स्थिरता को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम के आयोजन में विभागीय सदस्य डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपिंद्र प्रताप, डॉ. दुष्यंत, डॉ. मनोज कुमार और डॉ. कल्प भूषण सहित विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

योजना बनाकर करे यूपीएससी की तैयारी: हर्षित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों हेतु प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) व सामाजिक समरता मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रेरक व्याख्यान में महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार मुख्य अतिथि तथा विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। साथ ही कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थित रही। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु हर संभव अवसर उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि उनको खुशी है कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिये यूपीएससी की तैयारी के लिये डाक्टर अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र का संचालन कर रहा है और आने वाले समय में हमें इसके बेहतरीन परिणाम देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार ने कहा कि युवा यदि एक बार पक्का इरादा कर ले तो फिर उसके सामने कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपीएसी की तैयारी के लिये हमें एक निश्चित समय सारणी बनानी होगी और तकनीक का उचित प्रयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें सबसे ज्यादा 12वीं तक की किताबों का गहन अध्ययन करना होगा और अपने आप को अपडेट रखना होगा। हर्षित कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को बधाई दी। इसी क्रम में कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि परीक्षाओं में सफलता के लिए विद्यार्थियों को दिमाग में स्थिरता रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें परीक्षा की तैयारी पूर्ण आत्मविश्वास के साथ करनी चाहिए। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति हेतु हमें अपनी क्षमताओं का ज्ञान होना चाहिए। अगर हम निश्चित इरादा कर ले तो फिर कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को पहचान कर लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार ने कहा कि परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विद्यार्थियों में धैर्य, त्याग, ताकत व सोचने-समझने की शक्ति का होना बहुत आवश्यक है। जिन विद्यार्थियों में ये चार चीजे मौजूद है वह असंभव को भी संभव कर सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लक्ष्य एक है विद्यार्थियों का विकास तथा उनको उन्नति के अधिकतम संसाधन उपलब्ध करवाना और इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन सदैव प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के सामाजिक समरसता मंच की छात्र इकाई के प्रभारी अक्षयकांत ने विशेषज्ञ वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा मौसम ने किया। सामाजिक समरसता मंच की केंद्रीय इकाई के संयोजक सहायक आचार्य मनीष कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य विश्वविद्यालय की उन्नति में सहयोग करना तथा विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम के अंत में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. राजेश कुमार दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेवि में होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन

- 12 मई को एकत्र होंगे विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कुलपति
- एनईपी कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर होगा विमर्श

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई 2023 को ह्यएनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखाः नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाहह्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे और इसकी अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विवविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुडे. विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे। यह कार्यशाला सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एनईपी 2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों (स्कूली शिक्षा उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा आदि) के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा, ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण, एकाधिक प्रविष्टि और एकाधिक निकास विकल्प, बहु-विषयक शिक्षा, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख उन्मुख उच्च शिक्षा, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्येतर गतिविधियों के बीच के सिलोस को तोड़ना, और भारत की समृद्ध विरासत के लिए युवाओं में गर्व की भावना विकसित करने के रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करेगी। कार्यशाला में हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के केंद्रीय, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति चर्चाकताओं के पैनल का गठन करेंगे।

हकेवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड से सम्मानित

- शिक्षा में उत्कृष्टता एवं नेतृत्व के लिए मिला सम्मान

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी द्वारा प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में अभी तक के उनके कार्यकाल में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती एवं पदोन्नति का कार्य पारदर्शिता के साथ निरंतर जारी है।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनागत रूप से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व उज्ज्वल भविष्य हेतु करियर गाइडेंस व प्लेसमेंट जैसी विद्यार्थी केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही संसाधनों के मोर्चे पर विश्वविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित केंद्रीय पुस्तकालय भवन एवं सभागार का निर्माण होने जा रहा है। जिससे अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य को गति मिलेगी। गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी ने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। प्रो. टंकेश्वर कुमार एक सच्चे लीडर के रूप में ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान व नेतृत्व क्षमता के लिए प्रो. टंकेश्वर कुमार को इस अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति की उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई दी।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अवार्ड प्रदान करते डॉ. संजीव गुलाटी।

योजना बनाकर यूपीएससी की तैयारी करें युवा

हकेंवि में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए प्रेरक व्याख्यान का हुआ आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) व सामाजिक समरता मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रेरक व्याख्यान में महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार मुख्य अतिथि तथा विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। साथ ही कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रही।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु हर संभव अवसर उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि उनको खुशी है कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी की तैयारी के लिए डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र का संचालन कर रहा है और आने वाले समय में बेहतरीन परिणाम देखने को मिलेंगे।

एसडीएम हर्षित कुमार ने कहा कि युवा यदि एक बार पक्का इरादा कर ले तो फिर उसके सामने कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपीएससी की तैयारी के लिए हमें एक निश्चित समय सारणी बनानी होगी और तकनीक का उचित प्रयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें सबसे ज्यादा 12वीं तक की किताबों का गहन अध्ययन करना होगा और अपने आपको अपडेट रखना होगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि परीक्षाओं में सफलता के लिए विद्यार्थियों को दिमाग में स्थिरता रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें परीक्षा की तैयारी पूर्ण आत्मविश्वास के साथ करनी चाहिए।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विद्यार्थियों में धैर्य, त्याग, ताकत व सोचने-समझने की शक्ति का होना बहुत आवश्यक है। जिन विद्यार्थियों में ये चार चीजें मौजूद है वह असंभव को भी संभव कर सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लक्ष्य एक है विद्यार्थियों का विकास तथा उनको उन्नति के अधिकतम संसाधन उपलब्ध करवाना और इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन सदैव प्रयासरत है। सामाजिक समरसता मंच की छात्र इकाई के प्रभारी अक्षयकांत ने विशेषज्ञ वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा मौसम ने किया। सामाजिक समरसता मंच की केंद्रीय इकाई के संयोजक सहायक आचार्य मनीष कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य विश्वविद्यालय की उन्नति में सहयोग करना तथा विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाना है।

एसडीएम हर्षित कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करतीं समकुलपति प्रो. सुषमा यादव। संवाद

हकेंवि में होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई को एक दिवसीय कार्यशाला की जाएगी। कार्यशाला का विषय एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखाः नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह रहेगा। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे और इसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार वाइस चांसलर अवॉर्ड से सम्मानित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में उन्हें यह अवॉर्ड प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी द्वारा प्रदान किया गया।विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवॉर्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में अभी तक के उनके कार्यकाल में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती एवं पदुदोन्नति का कार्य पारदर्शिता के साथ निरंतर जारी है। गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी ने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। प्रो. टंकेश्वर कुमार एक सच्चे लीडर के रूप में ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान व नेतृत्व क्षमता के लिए प्रो. टंकेश्वर कुमार को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जा रहा है।

हकेंवि में होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई को एक दिवसीय कार्यशाला की जाएगी। कार्यशाला का विषय एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह रहेगा। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे और इसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार वाइस चांसलर अवॉर्ड से सम्मानित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में उन्हें यह अवॉर्ड प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी द्वारा प्रदान किया गया।विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवॉर्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में अभी तक के उनके कार्यकाल में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती एवं पदोन्नति का कार्य पारदर्शिता के साथ निरंतर जारी है। गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी ने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। प्रो. टंकेश्वर कुमार एक सच्चे लीडर के रूप में ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान व नेतृत्व क्षमता के लिए प्रो. टंकेश्वर कुमार को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जा रहा है।

हकेवि में प्रेरक व्याख्यान का हुआ आयोजन

युवा यदि एक बार पक्का इरादा कर लें तो फिर उसके सामने कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं है : हर्षित कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों हेतु प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) व सामाजिक समरता मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रेरक व्याख्यान में एसडीएम हर्षित कुमार मुख्य अतिथि तथा विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। साथ ही कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थित रही।

एसडीएम हर्षित कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करतीं समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व अन्य अधिकारी

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु हर संभव अवसर उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि उनको खुशी है कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी की तैयारी के लिए डाक्टर अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र का संचालन कर रहा है। एसडीएम हर्षित कुमार ने कहा कि युवा यदि एक बार पक्का इरादा कर लें तो फिर उसके सामने कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपीएससी की तैयारी के लिए हमें एक निश्चित समय सारिणी बनानी होगी और तकनीक का उचित प्रयोग करना होगा। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति हेतु हमें अपनी क्षमताओं का ज्ञान होना चाहिए। अगर हम निश्चित इरादा कर लें तो फिर कुछ भी असंभव नहीं है। कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार ने कहा कि परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विद्यार्थियों में धैर्य, त्याग, ताकत व सोचने-समझने की शक्ति का होना बहुत आवश्यक है। सामाजिक समरसता मंच की छात्र इकाई के प्रभारी अक्षयकांत ने विशेषज्ञ वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा मौसम ने किया।

हकेवि में 12 मई को होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई 2023 को 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे और इसकी अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिक्केशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे। यह कार्यशाला सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एनईपी 2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा, तैयार करने पर मंथन होगा। विश्वविद्यालयों के कुलपति चर्चाकर्ताओं के पैनल का गठन करेंगे।

हकेवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड से सम्मानित

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी द्वारा प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में अभी तक के उनके कार्यकाल में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती एवं पदोन्नति का कार्य पारदर्शिता के साथ निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनागत रूप से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व उज्ज्वल भविष्य हेतु करियर गाइडेंस व प्लेसमेंट जैसी विद्यार्थी केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही संसाधनों के मोर्चे पर विश्वविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित केंद्रीय पुस्तकालय भवन एवं सभागार का निर्माण होने जा रहा है। जिससे अध्ययन- अध्यापन व शोध कार्य को गति मिलेगी।

गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी ने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ- साथ सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। प्रो. टंकेश्वर कुमार एक सच्चे लीडर के रूप में ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान व नेतृत्व क्षमता के लिए प्रो. टंकेश्वर कुमार को इस अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति की उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई दी।

योजना बना करें परीक्षा की तैयारी : हर्षित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बृहस्पतिवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) व सामाजिक समरता मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रेरक व्याख्यान में महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार मुख्य अतिथि तथा विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। साथ ही कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थित रही।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव अवसर उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि उनको खुशी है कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी की तैयारी के लिये डाक्टर अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र का संचालन कर रहा है और आने वाले समय में हमें इसके बेहतरीन परिणाम देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्रगढ़ के एसडीएम हर्षित कुमार ने कहा कि युवा यदि एक बार

एसडीएम हर्षित कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करती समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व अन्य अधिकारी ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

पक्का इरादा कर ले तो फिर उसके सामने कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपीएसी की तैयारी के लिये हमें एक निश्चित समय सारणी बनानी होगी और तकनीक का उचित प्रयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें सबसे ज्यादा 12वीं तक की किताबों का गहन अध्ययन करना होगा और अपने आप को अपडेट रखना होगा। हर्षित कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को बधाई दी। इसी क्रम में कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि परीक्षाओं में सफलता के लिए विद्यार्थियों को दिमाग में स्थिरता रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें परीक्षा की तैयारी पूर्ण आत्मविश्वास के साथ करनी चाहिए।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अपनी क्षमताओं का ज्ञान होना चाहिए। अगर हम निश्चित इरादा कर ले तो फिर कुछ भी असंभव नहीं है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार ने कहा कि परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विद्यार्थियों में धैर्य, त्याग, ताकत व सोचने-समझने की शक्ति का होना बहुत आवश्यक है। जिन विद्यार्थियों में ये चार चीजें मौजूद हैं, वह असंभव को भी संभव कर सकता है। विश्वविद्यालय के सामाजिक समरसता मंच की छात्र इकाई के प्रभारी अक्षयकांत ने विशेषज्ञ वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा मौसम ने किया। सामाजिक समरसता मंच की केंद्रीय इकाई के संयोजक सहायक आचार्य मनीष कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य विश्वविद्यालय की उन्नति में सहयोग करना है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड से सम्मानित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंडियन सोसायटी आफ नेफ्रोलाजी के अध्यक्ष डा. संजीव गुलाटी द्वारा प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में अभी तक के उनके कार्यकाल में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती एवं पदोन्नति का कार्य पारदर्शिता के साथ निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनागत रूप से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व उज्ज्वल भविष्य

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाईं ओर) को अवार्ड प्रदान करते डा. संजीव गुलाटी (दाईं ओर) ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार शिक्षा में उत्कृष्टता एवं नेतृत्व के लिए मिला सम्मान

के लिए करियर गाइडेंस व प्लेसमेंट जैसी विद्यार्थी केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही संसाधनों के मोर्चे पर विश्वविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित केंद्रीय पुस्तकालय भवन एवं सभागार का निर्माण होने जा रहा है। जिससे अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य को गति मिलेगी।

गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में इंडियन सोसायटी आफ नेफ्रोलाजी के अध्यक्ष डा. संजीव गुलाटी ने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान व नेतृत्व क्षमता के लिए प्रो. टंकेश्वर कुमार को इस अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति की उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई दी।

हकेंवि में 12 को होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई को 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नालेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे और इसकी अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नालेज सिस्टम, वेल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे। यह कार्यशाला सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एनईपी 2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों (स्कूली शिक्षा उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा आदि) के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा, पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण, एकाधिक प्रविष्टि और एकाधिक निकास विकल्प, बहु-विषयक शिक्षा, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख उन्मुख उच्च शिक्षा, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्येतर गतिविधियों के बीच के सिलोस को तोड़ना, और भारत की समृद्ध विरासत के लिए युवाओं में गर्व की भावना विकसित करने के रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करेगी। कार्यशाला में हरियाणा और एनसीआर के केंद्रीय, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति चर्चा कर्ताओं के पैनल का गठन करेंगे।

योजना बनाकर करें तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। एसडीएम हर्षित कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों हेतु प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) व सामाजिक समरता मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रेरक व्याख्यान में एसडीएम हर्षित कुमार मुख्यातिथि तथा विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। साथ ही कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी उपस्थित रही। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु हर संभव अवसर उपलब्ध करवा रहा है।

एसडीएम हर्षित कुमार ने कहा कि युवा यदि एक बार पक्का इरादा कर ले तो फिर उसके सामने कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपीएसी की तैयारी के लिए हमें एक निश्चित समय सारणी बनानी होगी और तकनीक का उचित प्रयोग करना होगा।

उन्होंने कहा कि हमें सबसे ज्यादा 12वीं तक की किताबों का गहन अध्ययन करना होगा और अपने आप को अपडेट रखना होगा।

12 मई को एकत्र होंगे विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कुलपति

हकेंवि में होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन

- कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई को एनईपी-2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखाः नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे और इसकी अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो: हरिभूमि

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे। यह कार्यशाला सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एनईपी-2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों (स्कूली शिक्षा उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा आदि) के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा, पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण, एकाधिक प्रविष्टि और एकाधिक निकास विकल्प, बहु-विषयक शिक्षा, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख उन्मुख उच्च शिक्षा, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्येतर गतिविधियों के बीच के सिलोस को तोड़ना और भारत की समृद्ध विरासत के लिए युवाओं में गर्व की भावना विकसित करने के रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करेगी। कार्यशाला में हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के केंद्रीय, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति चर्चाकर्ताओं के पैनल का गठन करेंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार को मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड-2023

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड-2023 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

अध्ययन-अध्यापन व शोध का मिली गति

विश्वविद्यालय में अभी तक के उनके कार्यकाल में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती एवं पद्दोन्नति का कार्य पारदर्शिता के साथ निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनागत रूप से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व उज्ज्वल भविष्य हेतु करियर गाइडेंस व प्लेसमेंट जैसी विद्यार्थी केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही संसाधनों के मोर्चे पर विश्वविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित केंद्रीय पुस्तकालय भवन एवं सभागार का निर्माण होने जा रहा है, जिससे अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य को गति मिलेगी।

■ इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी ने किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। अवार्ड प्राप्त करते कुलपति टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

CUH Vice Chancellor honored with 'Most Inspirational Vice Chancellor Award'

Simran Rawat
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : The Vice Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, Prof. Tankeshwar Kumar has been awarded the Most Inspirational Vice Chancellor Award 2023. He has been given this award at the Golden Aim Conference held in Delhi. Prof. Tankeshwar Kumar has been conferred with this award for excellence and leadership in the field of education. This honor was presented to the Vice-Chancellor by Dr. Sanjeev Gulati, President of the Indian Society of Nephrology. Prof. Tankeshwar Kumar said that Central University of Haryana is on the path of continuous progress with all the participants. During his tenure in the University till now, the work of recruitment and promotion of teachers and non-teaching staff is continuing with transparency. Continuous efforts are being made in the University to achieve the goals of the National Education Policy. Student centric activities like career guidance and placement are being organized for the all-round development and bright future of the students studying in the University. Along with this, on the front of resources, a central library building and auditorium equipped with modern facilities is going to be constructed in the University. Due to which teaching-learning and research work will gain momentum. Dr. Sanjeev Gulati, President of the Indian Society of Nephrology at the Golden Aim Conference said that under the leadership of Prof. Tankeshwar Kumar, Central University of Haryana is doing remarkable work in the field of education as well as social concern. Prof. Tankeshwar Kumar is working honestly as a true leader. For his outstanding contribution and leadership in the field of education, Prof. Tankeshwar Kumar is being honored with this award. All the teachers and employees of the University congratulated the Vice Chancellor for this achievement.

हकेंवि में होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन

12 को एकत्र होंगे विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कुलपति

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई 2023 को 'एन.ई.पी. 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नैशनल क्रैडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्यातिथि होंगे और इसकी अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

यह कार्यशाला सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एन.ई.पी. 2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रैडिट ढांचा, पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण, एकाधिक प्रविष्टि और एकाधिक निकास विकल्प, बहु-विषयक शिक्षा, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख उन्मुख उच्च शिक्षा, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्येतर गतिविधियों के बीच के सिलोस को तोड़ना और भारत की समृद्ध विरासत के लिए युवाओं में गर्व की भावना विकसित करने के रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करेगी।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड से सम्मानित

■ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के लिए मिला सम्मान

महेंद्रगढ़, 4 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को मोस्ट इंस्प्रेशनल वाइस चांसलर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंडियन सोसायटी ऑफ नैफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी द्वारा प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में अभी तक के

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अवार्ड प्रदान करते डॉ. संजीव गुलाटी। (मोहन)

उनके कार्यकाल में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती एवं पदोन्नति का कार्य पारदर्शिता के साथ निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनागत रूप से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व उज्ज्वल भविष्य हेतु करियर गाइडैंस व प्लेसमैंट जैसी विद्यार्थी केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही संसाधनों के मोर्चे पर विश्वविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित केंद्रीय पुस्तकालय भवन एवं सभागार का निर्माण होने जा रहा है, जिससे अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य को गति मिलेगी।

गोल्डन ऐम कांफ्रेंस में इंडियन सोसायटी ऑफ नैफ्रोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुलाटी ने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। प्रो. टंकेश्वर कुमार एक सच्चे लीडर के रूप में ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं।

हकेंवि में होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन

■ 12 को एकत्र होंगे विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कुलपति

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई 2023 को 'एन.ई.पी. 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नैशनल क्रैडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्यातिथि होंगे और इसकी अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

यह कार्यशाला सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एन.ई.पी. 2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रैडिट ढांचा, पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण, एकाधिक प्रविष्टि और एकाधिक निकास विकल्प, बहु-विषयक शिक्षा, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख उन्मुख उच्च शिक्षा, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्येतर गतिविधियों के बीच के सिलोस को तोड़ना और भारत की समृद्ध विरासत के लिए युवाओं में गर्व की भावना विकसित करने के रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करेगी।

हकेवि की छात्रा करिश्मा पाल ने जीता स्वर्ण पदक

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा करिश्मा पाल ने 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चेम्पियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने करिश्मा पाल व शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग को बधाई देते हुए कहा कि करिश्मा पाल यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी और उन्हे विश्वास है कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय के खिलाड़ी खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जे.पी. भूकर ने बताया कि हकेवि में एमपीएड की छात्रा करिश्मा पाल ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चेम्पियनशिप के अंतर्गत सीनियर नेशनल फ्लोरबाल वूमन चेम्पियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड जीतकर न सिर्फ विश्वविद्यालय बल्कि क्षेत्र का नाम रोशन किया है। करिश्मा पाल ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय कुलपति, शिक्षकों व अपने माता-पिता को दिया। विभाग के शिक्षकों ने भी करिश्मा पाल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छात्रा करिश्मा पाल।

विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक व विद्यार्थी। आज समाज

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा संस्कृत विभाग, योग विभाग व शिक्षक शिक्षा विभाग के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान श्रृंखला के तहत आयोजित यह दूसरा व्याख्यान महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्यः वॉक द टॉक ऑन फिटर मॉम हैप्पी होम पर आधारित रहा। सेना की पूर्व कप्तान सुश्री रितु कुमार सिंह कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

सुश्री रितु कुमार ने बताया कि किस तरह से गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य कैसे महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं में प्रसव के बाद के अवसादो से निपटने के तरीको पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने मातृ स्वास्थ्य के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से एक स्वस्थ महिला न केवल अपने परिवार में बल्कि समाज में खुशी ला सकती है।

महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि प्रकोष्ठ द्वारा महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर साल भर व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. सुमन ने अतिथि का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के अंत में डॉ. अनीता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. बीरपाल सिंह, डॉ. कमलेश, डॉ. प्रदीप, डॉ. देवेंद्र सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय फ्लोरबाल चैम्पियनशिप में हकेंवि की छात्रा ने जीता स्वर्ण पदक

महेंद्रगढ़, 5 मई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा करिश्मा पाल ने 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने करिश्मा पाल व शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग को बधाई देते हुए कहा कि करिश्मा पाल यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी और उन्हें विश्वास है कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय के खिलाड़ी खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

छात्रा करिश्मा।

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जे.पी. भूकर ने बताया कि हकेंवि में एम.पी.एड. की छात्रा करिश्मा पाल ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चैम्पियनशिप के अंतर्गत सीनियर नैशनल फ्लोरबाल वुमन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड जीतकर न सिर्फ विश्वविद्यालय बल्कि क्षेत्र का नाम रोशन किया है। करिश्मा पाल ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय कुलपति, शिक्षकों व अपने माता-पिता को दिया।

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़ (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा संस्कृत विभाग, योग विभाग व शिक्षक शिक्षा विभाग के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान शृंखला के तहत आयोजित यह दूसरा व्याख्यान महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य: वॉक द टॉक ऑन फिटर मॉम हैप्पी होम पर आधारित रहा।

सेना की पूर्व कप्तान रितु कुमार सिंह कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। रितु ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं का स्वास्थ्य कैसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं में प्रसव के बाद के अवसादों से निपटने के तरीकों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक व विद्यार्थी। (मोहन)

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने मातृ स्वास्थ्य के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से एक स्वस्थ महिला न केवल अपने परिवार में बल्कि समाज में खुशी ला सकती है। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि प्रकोष्ठ द्वारा महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर साल भर व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. सुमन ने अतिथि का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के अंत में डॉ. अनीता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. बीरपाल सिंह, डॉ. कमलेश, डॉ. प्रदीप, डॉ. देवेंद्र सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

छात्रा करिश्मा पाल ने स्वर्ण पदक जीता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की छात्रा करिश्मा पाल ने 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीता।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने करिश्मा पाल और शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग को की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

करिश्मा पाल। संवाद

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जेपी भूकर ने कहा कि हकेंवि में एमपीएड की छात्रा करिश्मा पाल ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत सीनियर नेशनल फ्लोरबाल वूमन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीता है। करिश्मा पाल ने उपलब्धि का श्रेय कुलपति, शिक्षकों व माता-पिता को दिया। संवाद

एक स्वस्थ महिला समाज में ला सकती है खुशी : रितु

व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक और विद्यार्थी संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा संस्कृत विभाग, योग विभाग व शिक्षक शिक्षा विभाग के सहयोग से व्याख्यान किया।

व्याख्यान शृंखला के तहत आयोजित यह दूसरा व्याख्यान महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य वॉक द टॉक ऑन फिटर मॉम हेप्पी होम पर आधारित रहा। सेना की पूर्व कप्तान रितु कुमार सिंह कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया कि किस तरह से गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य कैसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं में प्रसव के बाद के अवसादों से निपटने के तरीकों के बारे में बताया।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने मातृ स्वास्थ्य के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से एक स्वस्थ महिला न केवल अपने परिवार में बल्कि समाज में खुशी ला सकती है। महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि प्रकोष्ठ द्वारा महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर साल भर व्याख्यान माला का आयोजन किया जा रहा है।

हकेवि छात्रा करिश्मा पाल ने 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबॉल चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

महेंद्रगढ़ | हकेवि की छात्रा करिश्मा पाल ने 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने

करिश्मा पाल व शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग को बधाई देते हुए कहा कि इससे अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जे.पी. भूकर ने बताया कि हकेवि में एमपीएड की छात्रा करिश्मा पाल ने लखनऊ में 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चैम्पियनशिप के अंतर्गत सीनियर नेशनल फ्लोरबाल वुमन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड जीतकर न सिर्फ विश्वविद्यालय बल्कि क्षेत्र का नाम रोशन किया है। करिश्मा पाल ने उपलब्धि का श्रेय कुलपति, शिक्षकों व अपने माता-पिता को दिया।

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महिलाओं में प्रसव के बाद के अवसादों से निपटने के तरीकों पर प्रकाश डाला

विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक व विद्यार्थी ।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा संस्कृत विभाग, योग विभाग व शिक्षक शिक्षा विभाग के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान श्रृंखला के तहत आयोजित यह दूसरा व्याख्यान महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्यः वॉक द टॉक ऑन फिटर मॉम हैप्पी होम पर आधारित रहा। सेना की पूर्व कप्तान रितु कुमार सिंह कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। रितु कुमार ने बताया कि किस तरह से गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य कैसे महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं में प्रसव के बाद के अवसादों से निपटने के तरीकों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने मातृ स्वास्थ्य के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से एक स्वस्थ महिला न केवल अपने परिवार में बल्कि समाज में खुशी ला सकती है। महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि प्रकोष्ठ द्वारा महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर साल भर व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. सुमन ने अतिथि का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के अंत में डॉ. अनीता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. बीरपाल सिंह, डॉ. कमलेश, डॉ. प्रदीप, डॉ. देवेंद्र सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि की छात्रा करिश्मा पाल ने जीता स्वर्ण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा करिश्मा पाल ने 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चेम्पियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने करिश्मा पाल और शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग को बधाई देते हुए कहा कि करिश्मा पाल यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्हें विश्वास है कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय के खिलाड़ी खेल उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जेपी भूकर ने बताया कि हकेंवि में एमपीएड की छात्रा करिश्मा पाल ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चैंपियनशिप के अंतर्गत सीनियर नेशनल फ्लोरबाल वूमन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। करिश्मा पाल ने उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय कुलपति, शिक्षकों व अपने माता-पिता को दिया।

हकेंवि का नाम आंबेडकर के नाम पर रखने को लेकर मंथन

जागरण संवाददाता, नारनौल: आल इंडिया एक्स सर्विसमैन सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मपाल चौधरी ने शुक्रवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कुलपति को शिक्षा के क्षेत्र में अवार्ड 2023 ग्रहण करने के लिए बधाई दी। धर्मपाल चौधरी ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का नाम बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर व सरदार बल्लभ भाई पटेल के नामकरण करने की मांग रखी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस विषय पर सकारात्मक सहमति दी। कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने यूनिवर्सिटी में सेमिनार आयोजित करने के बारे में चर्चा की। इसमें विशेषकर के योग व हमारी हिंदुस्तान की संस्कृति के बारे में तथा शिक्षा के विषय पर विचार विमर्श किया गया । कुलपति ने धर्मपाल चौधरी सेमिनार का मुख्य वक्ता के लिए आमंत्रित किया । धर्मपाल चौधरी ने कहा कि कुलपति बहुत ही विद्वान व्यक्ति हैं, जो पहले भी कई यूनिवर्सिटी के कुलपति का कार्यभार संभाल चुके हैं । शिक्षा के क्षेत्र में एक बहुत ही अग्रणी हैं। इस इलाके बच्चों का भविष्य बहुत उज्ज्वल हो रहा है, जिसमें हर वर्ष काफी बच्चे यूपीएससी पास करते हैं। नीट तथा अन्य एग्जाम में भी बच्चे क्वालिफाइड हो रहे हैं। इस वर्ष शुरू किए गए बाबा खेता नाथ आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज पटिकरा नारनौल में भी 100 सीटों में से 46 सीटों पर महेंद्रगढ़ तथा रेवाड़ी जिले के बच्चों ने एडमिशन मिला है।

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान किया गया आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा संस्कृत विभाग, योग विभाग व शिक्षक शिक्षा विभाग के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान श्रृंखला के तहत आयोजित यह दूसरा व्याख्यान महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य: वाक द टाक आन फिटर माम हैप्पी होम पर आधारित रहा। सेना की पूर्व कप्तान रितु कुमार सिंह कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। रितु कुमार ने बताया कि किस तरह से गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य कैसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं में प्रसव के बाद के अवसादों से निपटने के तरीकों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने मातृ स्वास्थ्य के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से एक स्वस्थ महिला न केवल अपने परिवार में, बल्कि समाज में भी खुशी ला सकती है।

विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ, विद्यार्थी और शिक्षक • सौ. हकेंवि प्रवक्ता

हकेंवि की छात्रा ने फ्लोरबॉल चैंपियनशिप में जीता सोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि की छात्रा करिश्मा पाल ने 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने करिश्मा पाल व शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग को बधाई देते हुए कहा कि करिश्मा पाल यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी और उन्हें विश्वास है कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय के खिलाड़ी खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जेपी भूकर ने बताया कि हकेवि में एमपीएड की छात्रा करिश्मा पाल ने लखनऊ उत्तर प्रदेश में 16वीं राष्ट्रीय फ्लोरबाल चेम्पियनशिप के अंतर्गत सीनियर नेशनल फ्लोरबाल वूमन चेम्पियनशिप में स्वर्ण पदक व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड जीतकर न सिर्फ विश्वविद्यालय बल्कि क्षेत्र का नाम रोशन किया है। करिश्मा पाल ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय कुलपति, शिक्षकों व अपने माता-पिता को दिया।

■ विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने करिश्मा पाल को दी बधाई

महिलाओं में प्रसव के बाद के अवसादों से निपटने के तरीकों पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

■ मातृ स्वास्थ्य के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत करवाया

हरियाणा केंद्रीय विवि के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा संस्कृत, योग व शिक्षक शिक्षा विभाग के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य, वॉक द टॉक ऑन फिटर मॉम हैप्पी होम पर आधारित रहा। सेना की पूर्व कप्तान रितु कुमार सिंह कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रही। रितु कुमार ने बताया कि किस तरह से गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य कैसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं में प्रसव के बाद के अवसादो से निपटने के तरीको पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने मातृ स्वास्थ्य के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि प्रकोष्ठ द्वारा महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर साल भर व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है।

CUH STUDENT WINS GOLD MEDAL

MAHENDERGARH(Manish Kumar): Karishma Pal, a student of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, has brought laurels to the University by winning gold medal and best player award in the 16th National Floorball Championship. While congratulating Karishma Pal and Department of Physical Education and Sports, Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that this achievement of Karishma Pal will become an inspiration for other sportspersons and he is confident that in future also the players of the University will bring laurels to the University by excelling in sports competitions. .

Dr. J P Bhukar, HoD, Department of Physical Education and Sports of the University said that Karishma Pal, a student of MPEd in CUH, has brought laurels not only to the University but also to the region by winning gold medal and best player award in Senior National Floorball Women Championship under 16th National Floorball Championship in Lucknow, Uttar Pradesh. Karishma Pal gave the credit of her achievement to the Vice Chancellor of the University, teachers and her parents. The teachers of the department also congratulated Karishma Pal and wished her a bright future.

समर्पण के साथ करे मानवता की सेवा : प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व प्रतिभागी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से यूथ रेडक्रॉस ने वाद-विवाद प्रतियोगिता व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जरूरतमंद लोगों को प्रदान की जाने वाली निःस्वार्थ सेवाओं का सम्मान करने के लिए रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है।

इस आयोजन में प्रतिभागिता कर विद्यार्थियों ने समाज की सेवा के लिए अपना समर्पण और दूसरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने की इच्छा दिखाई है। कुलपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस आयोजन ने स्वयंसेवकों को रेडक्रॉस समाज और उनके मानवीय कार्यों के बारे में और जानने का अवसर प्रदान किया है।

विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में योग विभाग के दीपांशु यादव ने प्रथम तथा औषध विज्ञान विभाग के हर्ष गोस्वामी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय के उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय पाल शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एनएसएस की काउंसलर डॉ. रेनु यादव ने यूथ रेड क्रॉस और एनएसएस इकाई के प्रयासों की सराहना की और विजेताओं को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय 5 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ आज, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विद्वान करेंगे संबोधित

महेंद्रगढ़ (नीरज कौशिक)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मल्टीस्केल मॉडलिंग ऑफ मेटिरियल इन कार्बन रिलेटिड नैनो स्ट्रक्चर्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत मंगलवार को होने जा रही है। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), इंडिया द्वारा वित्तपोषित यह कार्यशाला युवा अनुसंधानकताओं को केंद्र में रखते हुए आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान सम्मिलित होंगे, जिसमें मिशिगन टेक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. रविंद्र पांडे का नाम प्रमुख है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को मल्टीस्केलिंग, मॉडलिंग, नेनोमेटिरियल गुणों को समझने और उन्हें नियंत्रित करने की दिशा में आवश्यक ज्ञान के लिहाज से उपयोगी बताया। कार्यशाला की संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पांच दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान जो कि इस क्षेत्र में शोध कार्य में जुटे हैं, कार्यशाला में सम्मिलित होंगे और विषय की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराएंगे। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. एजाज अंसारी ने बताया कि विशेषज्ञ वक्ताओं में श्री शकंराचार्य टेक्नीकल कैम्पस, भिलाई के प्रो. मोहन एल. वर्मा; पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अशोक कुमार; महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन के डॉ. मनीष शर्मा व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की डॉ. नेहा कटोच के नाम प्रमुख रूप से शामिल हैं।

समर्पण के साथ करें मानवता की सेवा

वाद-विवाद प्रतियोगिता में योग विभाग के दीपांशु यादव प्रथम रहे

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से यूथ रेडक्रॉस ने वाद-विवाद प्रतियोगिता व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जरूरतमंद लोगों को प्रदान की जाने वाली निःस्वार्थ सेवाओं का सम्मान करने के लिए रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है। इस आयोजन में प्रतिभागिता कर विद्यार्थियों ने समाज की सेवा के लिए अपना समर्पण और दूसरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने की इच्छा दिखाई है। कुलपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस आयोजन ने स्वयंसेवकों को रेडक्रॉस समाज और उनके मानवीय कार्यों के बारे में और जानने का अवसर प्रदान किया है।

विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में योग विभाग के दीपांशु यादव ने प्रथम तथा औषध विज्ञान विभाग के हर्ष गोस्वामी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय पाल शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। एनएसएस की कॉउंसिलर डॉ. रेनु यादव ने यूथ रेडक्रॉस और एनएसएस इकाई के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व प्रतिभागी। संवाद

हकेंवि में पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मल्टी स्केल मॉडलिंग ऑफ मेटिरियल इन कार्बन रिलेटिड नैनो स्ट्रक्चर्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत मंगलवार को होने जा रही है। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), इंडिया द्वारा वित्तपोषित यह कार्यशाला युवा अनुसंधानकर्ताओं को केंद्र में रखते हुए आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान सम्मिलित होंगे जिसमें मिशिगन टेक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. रविंद्र पांडे का नाम प्रमुख है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को मल्टीस्केलिंग, मॉडलिंग, नेनोमेटिरियल गुणों को समझने और उन्हें नियंत्रित करने की दिशा में आवश्यक ज्ञान के लिहाज से उपयोगी बताया। संवाद

वाद-विवाद व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दिखाया टैलेंट

- हरियाणा केंद्रीय विवि में विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर हुए कार्यक्रम

महेंद्रगढ़ | हकेवि में विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से यूथ रेडक्रॉस ने वाद-विवाद प्रतियोगिता व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जरूरतमंद लोगों को प्रदान की जाने वाली निःस्वार्थ सेवाओं का सम्मान करने के लिए रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है। इस आयोजन में प्रतिभागिता कर विद्यार्थियों ने समाज की सेवा के लिए अपना समर्पण और दूसरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने की इच्छा दिखाई है। कुलपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस आयोजन ने स्वयंसेवकों को रेडक्रॉस समाज और उनके मानवीय कार्यों के बारे में और जानने का अवसर प्रदान किया है।

विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में योग विभाग के दीपांशु यादव ने प्रथम तथा औषध विज्ञान विभाग के हर्ष गोस्वामी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय के उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय पाल शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एनएसएस की काउंसलर डॉ. रेनु यादव ने यूथ रेड क्रॉस और एनएसएस इकाई के प्रयासों की सराहना की और विजेताओं को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में अंतरराष्ट्रीय 5 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ आज

मल्टीस्केलिंग, मॉडलिंग और नैनो मेटिरियल के गुणों पर होगा चिंतन, राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर के विद्वान करेंगे संबोधित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ में मल्टी स्केल मॉडलिंग ऑफ मेटिरियल इन कार्बन रिलेटेड नैनो स्ट्रक्चर्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत 9 मई से होगी। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), इंडिया द्वारा वित्तपोषित यह कार्यशाला युवा अनुसंधानकर्त्ताओं को केंद्र में रखते हुए आयोजित की जा रही है।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान सम्मिलित होंगे, जिसमें मिशिगन टेक्नोलॉजिक्ल यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. रविंद्र पांडे का नाम प्रमुख है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को मल्टी स्केलिंग, मॉडलिंग, नेनोमेटिरियल गुणों को समझने और उन्हें नियंत्रित करने की दिशा में आवश्यक ज्ञान के लिहाज से उपयोगी बताया। कार्यशाला की संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पांच दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान जो कि इस क्षेत्र में शोध कार्य में जुटे हैं, कार्यशाला में सम्मिलित होंगे और विषय की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराएंगे। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. एजाज अंसारी ने बताया कि विशेषज्ञ वक्ताओं में शंकराचार्य टेक्नीक्ल कैम्पस, भिलाई के प्रो. मोहन एल. वर्मा; पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अशोक कुमार; महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन के डॉ. मनीष शर्मा व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की डॉ. नेहा कटोच के नाम शामिल हैं।

हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ आज

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मल्टीस्केल माडलिंग आफ मेटिरियल इन कार्बन रिलेटिड नैनो स्ट्रकचर्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत मंगलवार को होगी। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), इंडिया द्वारा वित्तपोषित यह कार्यशाला युवा अनुसंधानकर्ताओं को केंद्र में रखते हुए आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान सम्मिलित होंगे, जिसमें मिशिगन टेक्नोलाजीकल यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. रविंद्र पांडे का नाम प्रमुख है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को मल्टीस्केलिंग, माडलिंग, नैनो मटीरियल गुणों को समझने और उन्हें नियंत्रित करने की दिशा में आवश्यक ज्ञान के लिहाज से उपयोगी बताया। कार्यशाला की संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पांच दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान जो कि इस क्षेत्र में शोध कार्य में जुटे हैं, कार्यशाला में सम्मिलित होंगे।

हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ आज से

- मल्टीस्केलिंग, मॉडलिंग, नेनोमेटिरियल के गुणों को समझने में मिलेगी मदद
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विद्वान करेंगे संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में मल्टीस्केल मॉडलिंग ऑफ मेटिरियल इन कार्बन रिलेटिड नैनो स्ट्रक्चर्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत मंगलवार को होने जा रही है।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), इंडिया द्वारा वित्तपोषित यह कार्यशाला युवा अनुसंधानकर्ताओं को केंद्र में रखते हुए आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान सम्मिलित होंगे, जिसमें मिशिगन टेक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी यूएसए के प्रो. रविंद्र पांडे का नाम प्रमुख है। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को मल्टीस्केलिंग, मॉडलिंग, नेनोमेटिरियल गुणों को समझने और उन्हें नियंत्रित करने की दिशा में आवश्यक ज्ञान के लिहाज से उपयोगी बताया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पांच दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान जो कि इस क्षेत्र में शोध कार्य में जुटे हैं।

समर्पण के साथ करें मानवता की सेवा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 8 मई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्व रैडक्रॉस दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहयोग से यूथ रैडक्रॉस ने वाद-विवाद प्रतियोगिता व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि रैडक्रॉस सोसाइटी द्वारा जरूरतमंद लोगों को प्रदान की जाने वाली नि:स्वार्थ सेवाओं का सम्मान करने के लिए रैडक्रॉस दिवस मनाया जाता है।

इस आयोजन में प्रतिभागिता कर विद्यार्थियों ने समाज की सेवा के लिए अपना समर्पण और दूसरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने की इच्छा दिखाई है। कुलपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस आयोजन ने स्वयंसेवकों को रैडक्रॉस समाज और उनके मानवीय कार्यों के बारे में और जानने का अवसर प्रदान किया है।

विश्वविद्यालय की यूथ रैडक्रॉस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में योग विभाग के दीपांशु यादव ने प्रथम तथा औषध विज्ञान विभाग के हर्ष गोस्वामी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय के उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय पाल शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एन.एस.एस. की काऊंसलर डॉ. रेनु यादव ने यूथ रैडक्रॉस और एन.एस.एस. इकाई के प्रयासों की सराहना की और विजेताओं को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

विश्व रैडक्रॉस दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व प्रतिभागी। (मोहन)

हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय 5 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ आज

महेंद्रगढ़, 8 मई (मोहन,परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मल्टीस्केल मॉडलिंग ऑफ मैटिरियल इन कार्बन रिलेटिड नैनो स्ट्रक्चर्स विषय पर केंद्रित 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत मंगलवार को होने जा रही है।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, इंडिया द्वारा वित्तपोषित यह कार्यशाला युवा अनुसंधानकर्त्ताओं को केंद्र में रखते हुए आयोजित की जा रही है।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान सम्मिलित होंगे, जिसमें मिशिगन टैक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. के प्रो. रविंद्र पांडे का नाम प्रमुख है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को मल्टीस्केलिंग, मॉडलिंग, नैनो मैटिरियल गुणों को समझने और उन्हें नियंत्रित करने की दिशा में आवश्यक ज्ञान के लिहाज से उपयोगी बताया।

शिक्षा

कुलपति बोले- तकनीकी टूल्स और कौशल विकास में मिलेगी मदद

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मल्टीस्केल मॉडलिंग ऑफ मेटिरियल इन कार्बन रिलेटिड नैनोस्ट्रक्चर्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत हो गई। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), इंडिया द्वारा वित्तपोषित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रतिभागियों को संबंधित विषय से जुड़े तकनीकी टूल्स और इस क्षेत्र में अनुसंधान के लिए आवश्यक कौशल विकास में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि मिशिगन टेक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. रविंद्र पांडे व विशिष्ट अतिथि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के प्रो. पीके आहलुवालिया उपस्थित रहे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रो. रविंद्र पांडे को स्मृति चिह्न भेंट करते वीसी। संवाद

कार्यशाला की संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला में सम्मिलित विशेषज्ञों का परिचय प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एक ऐसा अवसर है जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों को देश-विदेश के ऐसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के माध्यम से मल्टीस्केलिंग, मॉडलिंग, नेनोमेटिरियल गुणों को समझने और उन्हें नियंत्रित करने की प्रक्रिया को जानने का अवसर मिल रहा है। विशिष्ट अतिथि प्रो. पीके आहलुवालिया ने कहा कि समय बड़ी ही तेजी से बदला है और आज के दौर में कंप्यूटर एवं तकनीकी ऐसे विषय है जिसके विशेषज्ञों की मांग हर क्षेत्र में देखने को मिल रही है। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. एजाज अंसारी ने बताया कि पांच दिवसीय कार्यशाला में 41 से अधिक विद्यार्थी व शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं। विशेषज्ञों के रूप में प्रो. रविंद्र पांडे के साथ डॉ. अभिषेक कुमार श्री शंकराचार्य टेक्नीकल कैंपस, भिलाई के प्रो. मोहन एल वर्मा, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अशोक कुमार, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन के डॉ. मुनीश शर्मा व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की डॉ. नेहा कटोच शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. पवन मौर्य व प्रो. पायल चंदेल आदि उपस्थित रहे।

विदेशी विद्यार्थियों के साथ संवाद सत्र आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों के साथ संवाद का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तकालय द्वारा अनुसंधानकर्ताओं के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों की शृंखला की सराहना की। पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने संवाद सत्र के दौरान पुस्तकालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी संसाधनों और सेवाओं का विवरण प्रतिभागियों से सांझा किया। उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने पुस्तकालय, नियमों, सदस्यता, सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में चर्चा की। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश कुमार ने पुस्तकालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न ई-संसाधनों की जानकारी दी। संवाद

'समर्पण के साथ करें मानवता की सेवा'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से यूथ रेडक्रास ने वाद-विवाद प्रतियोगिता व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि रेड क्रास सोसाइटी द्वारा जरूरतमंद लोगों को प्रदान की जाने वाली निस्वार्थ सेवाओं का सम्मान करने के लिए रेडक्रास दिवस मनाया जाता है। इस आयोजन में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने समाज की सेवा के लिए अपना समर्पण और दूसरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने की इच्छा दिखाई है। कुलपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस आयोजन ने स्वयंसेवकों को रेडक्रास समाज और उनके मानवीय कार्यों के बारे में और जानने का अवसर प्रदान किया

विश्व रेडक्रास दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व प्रतिभागी ● जागरण

है। विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रास इकाई के समन्वयक प्रो दिनेश चहल ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में योग विभाग के दीपांशु यादव ने प्रथम तथा औषध विज्ञान विभाग के हर्ष गोस्वामी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय के उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. अजय पाल शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एनएसएस की काउंसलर डा. रेनु यादव ने यूथ रेडक्रास और एनएसएस इकाई के प्रयासों की सराहना की और विजेताओं को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय पांच दिवसीय कार्यशाला की हुई शुरुआत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मल्टी स्केल माडलिंग आफ मटीरियल इन कार्बन रिलेटिड नैनो स्ट्रक्चर्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की मंगलवार को शुरुआत हो गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आयोजन में सम्मिलित देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को संबंधित विषय से जुड़े तकनीकी टूल्स और इस क्षेत्र में अनुसंधान के लिए आवश्यक कौशल विकास में मदद मिलेगी। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि मिशिगन टेक्नोलाजिकल यूनिवर्सिटी यूएसए के प्रो. रविंद्र पांडे व विशिष्ट अतिथि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के प्रो. पीके आहलुवालिया उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात कार्यशाला की संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला में सम्मिलित विशेषज्ञों का परिचय प्रस्तुत किया और इस कार्यशाला की महत्ता और बदलते समय में शोध व अनुसंधान के स्तर पर इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कौशल विकास के लिहाज से अवश्य ही यह कार्यशाला उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगी। कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रो. रविंद्र पांडे ने कहा कि उनकी टीम प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं के निदान के साथ-साथ उन्हें कौशल संपन्न बना पाएगी। विशिष्ट अतिथि प्रो. पीके आहलुवालिया अपने जीवन अनुभवों और अध्ययन-अध्यापन व शोध के स्तर पर कंप्यूटर एवं तकनीकी क्षेत्र की विकास यात्रा और उसमें उनके व उनके सहयोगियों के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजन सचिव डा. एजाज अंसारी ने बताया कि पांच दिवसीय इस कार्यशाला में 41 से अधिक विद्यार्थी, शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं। आयोजन के अंतर्गत विशेषज्ञों के रूप में प्रो. रविंद्र पांडे के साथ डा. अभिषेक कुमार, शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस, भिलाई के प्रो. मोहन वर्मा, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के डा. अशोक कुमार, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन के डा. मुनीश शर्मा व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की डा. नेहा कटोच शामिल हो रहे हैं। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. पायल चंदेल सहित भारी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रो. रविंद्र पांडे को स्मृति चिह्न भेट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • जागरण

हकेंवि में विदेशी विद्यार्थियों के साथ संवाद सत्र आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों के साथ संवाद का आयोजन किया गया। अनुसंधान सहायता सेवा पर केंद्रित इस संवाद सत्र का उद्देश्य अनुसंधान और प्रकाशन गतिविधियों के प्रभावी संचालन के लिए शोधकर्ताओं के लिए प्रदान की जा रही विभिन्न अनुसंधान सहायता सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान कर्ताओं के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से शोधकर्ताओं को पुस्तकालय संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने में मदद मिलेगी। पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने पुस्तकालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी संसाधनों और सेवाओं का विवरण प्रतिभागियों से साझा किया। उप पुस्तकालय अध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ ने पुस्तकालय, नियमों, सदस्यता, सर्वोत्तम प्रथाओं आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की। सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष नरेश कुमार ने पुस्तकालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न ई-संसाधनों की जानकारी दी। सूचना वैज्ञानिक डा. विनिता मलिक ने संस्थागत भंडार और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय से प्रतिभागियों को अवगत करवाया।

हकेंवि में आयोजित संवाद सत्र के दौरान विद्यार्थी व केंद्रीय पुस्तकालय की टीम • सौ. सस्था

हकेवि में विदेशी विद्यार्थियों के साथ आयोजित संवाद सत्र

महेंद्रगढ़, 9 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों के साथ संवाद का आयोजन किया गया।

'अनुसंधान सहायता सेवा' पर केंद्रित इस संवाद सत्र का उद्देश्य अनुसंधान और प्रकाशन गतिविधियों के प्रभावी संचालन हेतु शोधकर्त्ताओं के लिए प्रदान की जा रही विभिन्न अनुसंधान सहायता सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाना था।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तकालय द्वारा अनुसंधानकर्त्ताओं के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों की शृंखला की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से शोधकर्त्ताओं को पुस्तकालय संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने में मदद मिलेगी।

संवाद सत्र के दौरान विद्यार्थी व केंद्रीय पुस्तकालय की टीम। (मोहन)

पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सी.एच. ने संवाद सत्र के दौरान पुस्तकालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी संसाधनों और सेवाओं का विवरण प्रतिभागियों से साझा किया। उन्होंने अनुसंधान और प्रकाशन गतिविधियों के लिए सेवाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने की अपील की। उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ ने पुस्तकालय, नियमों, सदस्यता, सर्वोत्तम प्रथाओं आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की।

इसी क्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश कुमार ने पुस्तकालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न ई-संसाधनों की जानकारी दी। सूचना वैज्ञानिक डा. विनीता मलिक ने संस्थागत भंडार और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

शोध कार्यों में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रशिक्षण

संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को पुस्तकालय संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना बताया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के संस्कृत विभाग व पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शोधकार्यों में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही अनुसंधान सहायता सेवा पर आधारित प्रशिक्षण दिया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इसमें अर्जित ज्ञान का लाभ उन्हें अध्ययन व अनुसंधान कार्य में मिलेगा।

संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत द्वारा पुस्तकालय की ओर से उपस्थित विषय विशेषज्ञों का परिचय दिया। संस्कृत विभाग-प्रभारी एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सुमन रानी द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान सहायता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने शोध की मूल आवश्यकताओं के अनुरूप उपलब्ध संसाधनों की जानकारी देते हुए विभिन्न सुविधाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह ने साहित्यिक चोरी : टर्निटीन सॉफ्टवेयर के प्रयोग के संबंध में समस्त तकनीकी आयामों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को विभिन्न ओपन एक्सेस टूल्स, पुस्तकालय संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना, जर्नल फाइंडर्स एवं साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर के उपयोग से विद्यार्थियों को अवगत कराना था। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुमन द्वारा इस ज्ञानवर्धक एवं लाभदायी कार्यक्रम हेतु आमंत्रित वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजय पाल, सहायक आचार्य डॉ. नवीन, संस्कृत विभाग के अतिथि प्राध्यापक सुमित शर्मा, अर्चना एवं विभागीय विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ और विद्यार्थी। संवाद

शोधार्थी पूजा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

पूजा ने पोस्टर प्रस्तुतिकरण में पाया प्रथम स्थान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की भैषजिक विज्ञान विभाग में पीएचडी शोधार्थी पूजा ने पोस्टर प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि उन्होंने इंस्टीट्यूट्स इनोवेशन काउंसिल, आईएसएफ कॉलेज ऑफ फार्मेसी मोगा द्वारा वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे पर आयोजित प्रतियोगिता में की। विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने विभाग की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन में प्रतिभागिता अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मददगार साबित होती है। बता दें कि विश्वविद्यालय की शोधार्थी पूजा ने विभाग के शिक्षक डॉ. मनीषा पांडेय, डॉ. तरुण कुमार के निर्देशन में इनोवेटिव आइडिया पर अपना पोस्टर प्रस्तुतिकरण कर प्रथम स्थान हासिल किया है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने शोधार्थी व उनके पर्यवेक्षक को उपलब्धि के लिए सराहना की। भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने डॉ. तरुण कुमार, डॉ. मनीषा पांडेय के प्रयासों की सराहना की। संवाद

हकेवि की शोधार्थी ने पोस्टर प्रस्तुतिकरण में हासिल किया प्रथम स्थान

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ की भैषजिक विज्ञान विभाग में पीएच.डी. शोधार्थी पूजा ने इंस्टीट्यूट्स इनोवेशन काउंसिल, आईएसएफ कॉलेज ऑफ फार्मेसी मोगा द्वारा 'वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे' के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में पोस्टर प्रस्तुतिकरण में प्रथम स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने विभाग की सराहना करते हुए शोधार्थी को बधाई दी।

विश्वविद्यालय की शोधार्थी पूजा ने विभाग के शिक्षक डॉ. मनीषा पाण्डेय व डॉ. तरुण कुमार के निर्देशन में 'वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे' के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में इनोवेटिव आइडिया पर अपना पोस्टर प्रस्तुतिकरण कर प्रथम स्थान हासिल किया है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने शोधार्थी व उनके पर्यवेक्षक को उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि रचनात्मकता के लिए नवाचार आवश्यक है।

भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने डॉ. तरुण कुमार एवं डॉ. मनीषा पाण्डेय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हमारा विभाग निरन्तर नवीन विकास एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

पोस्टर प्रस्तुतिकरण में पूजा को मिला प्रथम स्थान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की भैषजिक विज्ञान विभाग में पीएचडी शोधार्थी पूजा ने इंस्टीटयूट्स इनोवेशन काउंसिल, आइएसएफ कालेज आफ फार्मेसी मोगा द्वारा 'वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे' के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में पोस्टर प्रस्तुतिकरण में प्रथम स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने विभाग की सराहना करते हुए शोधार्थी को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के आयोजन में प्रतिभागिता अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मददगार साबित होती है।

पोस्टर प्रस्तुतिकरण में प्रथम स्थान हासिल करने वाली शोधार्थी पूजा (दायें से दूसरे) कुलपति व शिक्षकों के साथ ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

यहां बता दें कि विश्वविद्यालय की शोधार्थी पूजा ने विभाग के शिक्षक डा. मनीषा पांडेय व डा. तरुण कुमार के निर्देशन में 'वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे' के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में इनोवेटिव आइडिया पर अपना पोस्टर प्रस्तुतिकरण कर प्रथम स्थान हासिल किया है। स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने शोधार्थी व उनके पर्यवेक्षक को उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि रचनात्मकता के लिए नवाचार आवश्यक है। भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार ने डा. तरुण कुमार एवं डा. मनीषा पांडेय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हमारा विभाग निरंतर नवीन विकास एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

****

शोध में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संस्कृत एवं मानविकी विषयों से सम्बन्धित उपलब्ध ई-संसाधनों, मुक्त स्रोतों पर विस्तार से प्रकाश डाला

हकेंवि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ व विद्यार्थी। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 10 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के संस्कृत विभाग व पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में शोधकार्यों में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही अनुसंधान सहायता सेवा पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसमें अर्जित ज्ञान का लाभ उन्हें अध्ययन व अनुसंधान कार्य में मिलेगा।

कार्यक्रम की शुरूआत में संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा पुस्तकालय की ओर से उपस्थित विषय विशेषज्ञों का परिचय दिया एवं संस्कृत विभाग-प्रभारी एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सुमन रानी द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान सहायता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने शोध की मूल आवश्यकताओं के अनुरूप उपलब्ध संसाधनों की जानकारी देते हुए विभिन्न सुविधाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर के उपयोग से विद्यार्थियों को अवगत कराना मुख्य उद्देश्य

इसी क्रम में सहायक-पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश कुमार ने संस्कृत के लिए ई-संसाधन विषय पर चर्चा करते हुए संस्कृत एवं मानविकी विषयों से सम्बन्धित उपलब्ध ई-संसाधनों, मुक्त स्रोतों, डिजिटल पुस्तकालय एवं स्रोतों पर पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के सहायक-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह ने साहित्यिक चोरी: टर्निटीन सॉफ्टवेयर के प्रयोग के सम्बन्ध में समस्त तकनीकी आयामों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों और शोधकर्त्ताओं को विभिन्न ओपन एक्सैस टूल्स, पुस्तकालय संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना, जर्नल फाइंडर्स एवं साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर के उपयोग से विद्यार्थियों को अवगत कराना था।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुमन द्वारा इस ज्ञानवर्धक एवं लाभदायी कार्यक्रम हेतु आमंत्रित वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजय पाल महोदय, सहायक आचार्य डॉ. नवीन महोदय, संस्कृत विभाग के अतिथि प्राध्यापक सुमित शर्मा, अर्चना एवं विभागीय विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Ph.D. Scholar of CUH Secured 1st Position in Poster Presentation

Simran Rawat
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: A Ph.D. scholar, Ms. Pooja from the Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has won for poster presentation on an innovative idea on the occasion of "World Creativity and Innovation Day" organized by the Institute's Innovation Council, ISF College of Pharmacy Moga. Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor appreciated the initiatives of the Department and congratulated the selected student. He said that participation in this type of event may open a new horizon for research and development. The idea was generated under the supervision of Dr. Manisha Pandey and Dr. Tarun Kumar. Moreover, Prof. (Dr.) Neelam Sangwan, Dean, the School of Interdisciplinary & Applied Sciences, acknowledged the achievement of the student and her supervisor. She said that innovation is key for critical thinking and creativity. Department Head Dr. Dinesh Kumar appreciates the efforts of Dr. Tarun Kumar and Dr. Manisha Pandey, he said that our department is unceasingly doing efforts for new development and research.

हकेंवि की शोधार्थी ने पोस्टर प्रस्तुतिकरण में हासिल किया प्रथम स्थान

महेंद्रगढ़ 10 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की भैषजिक विज्ञान विभाग में पीएच.डी. शोधार्थी पूजा ने इंस्टीच्यूट्स इनोवेशन काऊंसिल, आई.एस.एफ. कॉलेज ऑफ फार्मेसी मोगा द्वारा 'वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे' के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में पोस्टर प्रस्तुतिकरण में प्रथम स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने विभाग की सराहना करते हुए शोधार्थी को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के आयोजन में प्रतिभागिता अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मददगार साबित होती है।

यहां बता दें कि विश्वविद्यालय की शोधार्थी पूजा ने विभाग के शिक्षक डॉ. मनीषा पाण्डेय व डॉ. तरुण कुमार के निर्देशन में 'वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे' के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में इनोवेटिव आइडिया पर अपना पोस्टर प्रस्तुतिकरण कर प्रथम स्थान हासिल किया है।

पोस्टर प्रस्तुतिकरण में प्रथम स्थान हासिल करने वाली शोधर्थी पूजा कुलपति व शिक्षकों के साथ।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने शोधार्थी व उनके पर्यवेक्षक को उपलब्धि के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि रचनात्मकता के लिए नवाचार आवश्यक है। भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने डॉ. तरुण कुमार एवं डॉ. मनीषा पाण्डेय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हमारा विभाग निरन्तर नवीन विकास एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन आज

- एकत्र होंगे विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कुलपति
- एनईपी कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर होगा विमर्श

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई 2023 को ह्यएनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखाः नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाहह्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो. के.सी. शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुडे.विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे। इनमें प्रो. सुनील कुमार तंवर, कुलपति, के.सी. बोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय; प्रो. दिनेश कुमार, कुलपति, गुरूग्राम विश्वविद्यालय; प्रो. राज नेहरू, कुलपति, श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी; प्रो. अजमेर सिंह मलिक, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय; डॉ. रणपाल सिंह, कुलपति, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय; डॉ. आर.के. अनायत, कुलपति, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय; प्रो. जेपी

यादव, कुलपति इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय; प्रो. सुजाता सेठी, कुलपति, आईआईएलएम; प्रो. राजबीर सिंह, कुलपति, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय; प्रो. आरके मित्तल, कुलपति, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय व प्रो. रमन्ना रेड्डी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के नाम प्रमुख हैं। व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एनईपी 2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों (स्कूली शिक्षा उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा आदि) के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा, पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण, एकाधिक प्रविष्टि और एकाधिक निकास विकल्प, बहु-विषयक शिक्षा, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख उन्मुख उच्च शिक्षा, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्येतर गतिविधियों के बीच के सिलोस को तोड़ना, और भारत की समृद्ध विरासत के लिए युवाओं में गर्व की भावना विकसित करने के रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करेगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा और इसकी चिकित्सा पद्धतियां बहुत विशेष

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में योग विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा से संबंधित विषय विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम के अनुरूप, समय के अनुकूल, विभिन्न विषयों पर भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विशिष्ठ ज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित करता रहता है।

इसी क्रम में एक्यूप्रेशर के चिकित्सीय प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रतिष्ठित वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान प्रयागराज से प्रो. अनिल कुमार सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्राचीन समय से ही हमारे समाज में किसी न किसी रूप से एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही हैं। ये पद्धतियां भारतीय ज्ञान परंपरा का अंग रही हैं।

मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार का परिचय योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. सुमन, डॉ. देवेंद्र, डॉ. खेराज, डॉ. किरण, डॉ. अमित, डॉ. नीरज, शोधार्थी मोहित व अनुज आदि मौजूद रहे। संवाद

हकेंवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

कार्यशाला का विषय 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' रहेगा। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो. केसी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वेल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे। संवाद

भारतीय ज्ञान परंपरा और इसकी चिकित्सा पद्धतियां बहुत विशेष

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में योग विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा से संबंधित विषय विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम के अनुरूप, समय के अनुकूल, विभिन्न विषयों पर भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विशिष्ठ ज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित करता रहता है।

इसी क्रम में एक्यूप्रेशर के चिकित्सीय प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रतिष्ठित वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान प्रयागराज से प्रो. अनिल कुमार सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्राचीन समय से ही हमारे समाज में किसी न किसी रूप से एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही हैं। ये पद्धतियां भारतीय ज्ञान परंपरा का अंग रही हैं।

मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार का परिचय योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. सुमन, डॉ. देवेंद्र, डॉ. खेराज, डॉ. किरण, डॉ. अमित, डॉ. नीरज, शोधार्थी मोहित व अनुज आदि मौजूद रहे। संवाद

हकेवि में एक्यूप्रेशर के चिकित्सीय प्रयोग पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

भारतीय ज्ञान परंपरा और इसकी चिकित्सा पद्धतियां विशेष हैं : प्रो. टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ का योग विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा से संबंधित विषय विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम के अनुरूप, समय के अनुकूल, विभिन्न विषयों पर भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विशिष्ठ ज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित करता रहता है। इसी क्रम में गुरुवार को एक्यूप्रेशर के चिकित्सीय प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रतिष्ठित वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान प्रयागराज से प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने योग विभाग को राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित करने की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम का प्रारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार का परिचय योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार ने प्रस्तुत किया। प्रो. अनिल कुमार ने एक्यूप्रेशर की उत्पत्ति और उसके प्राण से संबंध पर विस्तार से बताया। उन्होंने अपने संस्थान की प्राचीनता के साथ-साथ देश की किस प्रकार उन्होंने एक्यूप्रेशर के माध्यम से सेवा की है, पर भी प्रकाश डाला। कुलपति का परिचय योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन ने किया। कार्यक्रम का संचालन योग विभाग की शोधार्थी छात्रा रिद्धि अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त डॉ. सुमन, डॉ. देवेंद्र, डॉ. खेराज, डॉ. किरण, डॉ. अमित, डॉ. नीरज, योग विभाग के शोधार्थी मोहित और अनुज कुमारी सहित विश्वविद्यालय विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

'भारतीय ज्ञान व इसकी चिकित्सा पद्धतियां हैं विशेष'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का योग विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा से संबंधित विषय विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम के अनुरूप, समय के अनुकूल, विभिन्न विषयों पर भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विशिष्ठ ज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित करता रहता है। बृहस्पतिवार को एक्यूप्रेशर के चिकित्सीय प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रतिष्ठित वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान प्रयागराज से प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने योग विभाग को राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित करने की शुभकामनाएं दीं और कहा कि प्राचीन समय से ही हमारे समाज में किसी

हकेवि में आयोजित वेबीनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता हकेवि

न किसी रूप से एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही हैं। ये पद्धतियां भारतीय ज्ञान परंपरा का अंग रही हैं। हम लोग न केवल अपने आपको स्वस्थ रखने के लिए योग का प्रयोग करते हैं।

वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार का परिचय योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार ने प्रस्तुत किया। प्रो. अनिल कुमार ने एक्यूप्रेशर की उत्पत्ति और उसके प्राण से संबंध पर विस्तार से बताया। उन्होंने अपने संस्थान की प्राचीनता के साथ-साथ देश की किस प्रकार उन्होंने एक्यूप्रेशर के माध्यम से सेवा की है, पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने शरीर में कुछ ऐसे बिंदुओं के बारे में प्रतिभागियों को बताया जिनको नियमित रूप से दबाने से हम नित्य जीवन में होने वाले कई परेशानियों से बच सकते हैं। साथ ही प्रो. अनिल कुमार ने एक्यूप्रेशर चिकित्सा के प्रायोगिक पक्षों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण देते हुए योग विभाग की उपलब्धियां एवं कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। कुलपति महोदय का परिचय योग विभाग के सहायक आचार्य डा. नवीन ने किया। कार्यक्रम का संचालन योग विभाग की शोधार्थी छात्रा रिद्धि अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थनों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त डा. सुमन, डा. देवेंद्र, डा. खेराज, डा. किरण, डा. अमित, डा. नीरज, योग विभाग के शोधार्थी मोहित और अनुज कुमारी सहित विश्वविद्यालय विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की।

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन आज

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई 2023 को 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो. केसी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 12 May 20: https://epaper

एनईपी कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर होगा विमर्श

हकेंवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन आज, एकत्र होंगे कुलपति

■ कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई को एनईपी-2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखाः नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो. केसी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुडे. विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे।

ये कुलपति लेंगे हिस्सा

इनमें प्रो. सुनील कुमार तंवर कुलपति केसी बोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, प्रो. दिनेश कुमार कुलपति गुरूग्राम विवि, प्रो. राज नेहरू कुलपति श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी, प्रो. अजमेर सिंह मलिक कुलपति चौधरी देवी लाल विवि, डॉ. रणपाल सिंह कुलपति चौधरी रणबीर सिंह विवि, डॉ. आरके अनायत कुलपति दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि , प्रो. जेपी यादव कुलपति इंदिरा गांधी विवि, प्रो. सुजाता सेठी कुलपति आईआईएलएम, प्रो. राजबीर सिंह कुलपति, महर्षि दयानंद विवि, प्रो. नरसी राम बिश्नोई कुलपति गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, प्रो. आरके मित्तल कुलपति चौधरी बंसीलाल विवि व प्रो. रमन्ना रेड्डी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के नाम प्रमुख हैं। यह कार्यशाला सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एनईपी 2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों (स्कूली शिक्षा उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा आदि) के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा, पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण, एकाधिक प्रविष्टि और एकाधिक निकास विकल्प, बहु-विषयक शिक्षा, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख उन्मुख उच्च शिक्षा, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्येतर गतिविधियों के बीच के सिलोस को तोड़ना और भारत की समृद्ध विरासत के लिए युवाओं में गर्व की भावना विकसित करने के रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करेंगी। कार्यशाला में हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के केंद्रीय, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति चर्चाकर्ताओं के पैनल का गठन करेंगे।

एक्यूप्रेशर पद्धति के बारे में दी जानकारी

■ भारतीय ज्ञान परंपरा व इसकी चिकित्सा पद्धतियां हैं विशेष : प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। वेबीनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का योग विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा से संबंधित विषय विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम के अनुरूप, समय के अनुकूल, विभिन्न विषयों पर भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विशिष्ठ ज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित करता रहता है। इसी क्रम में गुरुवार को एक्यूप्रेशर के चिकित्सीय प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रतिष्ठित वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान प्रयागराज से प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने योग विभाग को राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित करने की शुभकामनाएं दी और कहा कि प्राचीन समय से ही हमारे समाज में किसी न किसी रूप से एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही हैं। ये पद्धतियां भारतीय ज्ञान परंपरा का अंग रही हैं। हम लोग न केवल अपने आपको स्वस्थ रखने के लिए योग का प्रयोग करते हैं।

कार्यक्रम का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ। वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार का परिचय योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार ने प्रस्तुत किया। प्रो. अनिल कुमार ने एक्यूप्रेशर की उत्पत्ति और उसके प्राण से संबंध पर विस्तार से बताया। उन्होंने अपने संस्थान की प्राचीनता के साथ-साथ देश की किस प्रकार

हकेंवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन आज

एकत्र होंगे विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कुलपति

महेंद्रगढ़, 11 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करने के लिए 12 मई 2023 को 'एन.ई.पी. 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नैशनल क्रैडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्यातिथि होंगे व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. के.सी. शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में नैशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, नैशनल क्रैडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम, वैल्यू एजुकेशन, नैशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षाविद चर्चा करेंगे।

यह कार्यशाला सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ एन.ई.पी. 2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन, शिक्षा के सभी स्तरों के लिए एक समान राष्ट्रीय क्रैडिट ढांचा, पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण, एकाधिक प्रविष्टि और एकाधिक निकास विकल्प, बहु-विषयक शिक्षा, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख उन्मुख उच्च शिक्षा, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्येतर गतिविधियों के बीच के सिलोस को तोड़ना और भारत की समृद्ध विरासत के लिए युवाओं में गर्व की भावना विकसित करने के रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करेगी।

कार्यशाला में हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.आर.) के केंद्रीय, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति चर्चाकर्त्ताओं के पैनल का गठन करेंगे।

हकेंवि में एक्यूप्रैशर के चिकित्सीय प्रयोग पर राष्ट्रीय वैबीनार आयोजित

भारतीय ज्ञान, परंपरा व इसकी चिकित्सा पद्धतियां विशेष: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 11 मई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का योग विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा से संबंधित विषय विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम के अनुरूप, समय के अनुकूल, विभिन्न विषयों पर भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विशिष्ट ज्ञान को सांझा करने के लिए आमंत्रित करता रहता है।

इसी क्रम में गुरुवार को एक्यूप्रैशर के चिकित्सीय प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय वैबीनार का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रतिष्ठित वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान प्रयागराज से प्रो. अनिल कुमार सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित वैबीनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने योग विभाग को राष्ट्रीय वैबीनार आयोजित करने की शुभकामनाएं दीं और कहा कि प्राचीन समय से ही हमारे समाज में किसी न किसी रूप से एक्यूप्रैशर चिकित्सा पद्धति अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही है। ये पद्धतियां भारतीय ज्ञान परंपरा का अंग रही हैं।

कार्यक्रम का प्रारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ। वैबीनार के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार का परिचय योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार ने प्रस्तुत किया। प्रो. अनिल कुमार ने एक्यूप्रैशर की उत्पत्ति और उसके प्राण से संबंध पर विस्तार से बताया।

उन्होंने अपने संस्थान की प्राचीनता के साथ-साथ देश की किस प्रकार उन्होंने एक्यूप्रैशर के माध्यम से सेवा की है, पर भी प्रकाश डाला।

एक्यूप्रैशर चिकित्सा के प्रायोगिक पक्षों से प्रतिभागियों को करवाया अवगत

शरीर में कुछ ऐसे बिंदुओं के बारे में प्रतिभागियों को बताया, जिनको नियमित रूप से दबाने से हम नित्य जीवन में होने वाले कई परेशानियों से बच सकते हैं।

साथ ही प्रो. अनिल कुमार ने एक्यूप्रैशर चिकित्सा के प्रायोगिक पक्षों से भी प्रतिभागियों को अवगत करवाया। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण देते हुए योग विभाग की उपलब्धियां एवं कार्यक्रम की रूपरेखा सांझा की।

कुलपति महोदय का परिचय योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन ने किया। कार्यक्रम का संचालन योग विभाग की शोधार्थी छात्रा रिद्धि अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त डॉ. सुमन, डॉ. देवेंद्र, डॉ. खेराज, डॉ. किरण, डॉ. अमित, डॉ. नीरज, योग विभाग के शोधार्थी मोहित और अनुज कुमारी सहित विश्वविद्यालय विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम

विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर किया विमर्श

एनईपी का लक्ष्य विद्यार्थियों में क्षमताओं का विकास करना : कोठारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन व राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर मंथन के लिए शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित हुआ।

'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा : नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजन में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. केसी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे, जबकि अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए।

कार्यशाला का उद्घाटन करते अतुल कोठारी, साथ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आए तीन साल का समय होने जा रहा है और इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में बदलाव, विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत करा ग्लोबल सिटीजन बनाना और भारतीयता के भाव से परिचित कराना है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह के सफलतम क्रियान्वयन के लिए प्रयास जारी हैं।

उन्होंने कहा कि आज के समय पढ़ाई विद्यार्थी केंद्रित नहीं बल्कि अध्ययन केंद्रित है और एनईपी का उद्देश्य विद्यार्थियों में क्षमताओं का विकास कर उन्हें ज्ञान परंपरा से अवगत कराना है। आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि अतुल कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह तीसरी शिक्षा नीति है और इसका मूल उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो कि विचार, बुद्धिमत्ता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात करती है, जिसके लिए प्राचीन भारतीय परंपरा में वर्णित ज्ञान को अध्ययन के लिए उपलब्ध कराना होगा। वेदों से लेकर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा प्रस्तुत विचार भारतीय ज्ञान की श्रेणी में आते हैं। हमें चाहिए कि ऐसी शिक्षा नीति हो जिससे समृद्ध, शक्तिशाली व सम्पन्न भारत का निर्माण हो।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केसी शर्मा ने कहा कि यह भारत की तीसरी शिक्षा नीति है जो लगभग 34 वर्षों के बाद आई है। इसके क्रियान्वयन को लेकर अक्सर अनुदान की अनुपलब्धता का उल्लेख किया जाता है जबकि असल में शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 फीसदी अनुशंसाएं ऐसी हैं जिनके लिए अनुदान की आवश्यकता नहीं है।

आयोजन के दूसरे सत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा पर विमर्श हुआ, जिसमें श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राज नेहरू ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी बात रखी।

एनईपी का लक्ष्य है नागरिकों को विचार, बौद्धिकता व कार्य व्यवहार से भारतीय बनाना : अतुल कोठारी

महेंद्रगढ़ | हकेवि में शुक्रवार को 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्य अतिथि व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो. के.सी. शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति को आए तीन साल का समय होने जा रहा है और इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में बदलाव, विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत करा ग्लोबल सिटीजन बनाना और भारतीयता के भाव से परिचित कराना है। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों से कराया और बताया कि किस तरह से अतुल कोठारी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रो. के.सी. शर्मा ने कहा कि शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर अक्सर अनुदान की अनुपलब्धता का उल्लेख किया जाता है जबकि शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 फीसद अनुशंसाएं ऐसी हैं जिनके लिए अनुदान की आवश्यक नहीं है।

एनईपी का लक्ष्य है नागरिकों को वैचारिक और बौद्धिक बनाना : अतुल कोठारी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एक दिनी कार्यशाला का आयोजन किया गया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन व राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विमर्श हेतु शुक्रवार को 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नालेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्य अतिथि व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. केसी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को आए तीन साल का समय होने जा रहा है और इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में बदलाव, विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत करा ग्लोबल सिटीजन बनाना और भारतीयता के भाव से परिचित कराना है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह के सफलतम क्रियान्वयन के लिए प्रयास जारी हैं।

कार्यशाला मे मुख्य अतिथि अतुल कोठारी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता।

मुख्य अतिथि अतुल कोठारी ने कहा कि यह तीसरी शिक्षा नीति है और इसका मूल उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो कि विचार, बुद्धिमत्ता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात करती है, जिसके लिए प्राचीन भारतीय परंपरा में वर्णित ज्ञान को अध्ययन के लिए उपलब्ध कराना होगा। वेदों से लेकर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा प्रस्तुत विचार भारतीय ज्ञान की श्रेणी में आते हैं। आज के समय में देश-दुनिया में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों का समाधान भारतीय ज्ञान से ही संभव है। इसी क्रम में मूल्यों व कौशल की शिक्षा भी महत्वपूर्ण है। इस पर शिक्षा नीति में विशेष रूप से जोर दिया गया है और कौशल विकास के सहारे ही आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि किस तरह से अतुल कोठारी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केसी शर्मा ने कहा कि यह भारत की तीसरी शिक्षा नीति है जो लगभग 34 वर्षों के बाद आई है। इसके क्रियान्वयन को लेकर अक्सर अनुदान की अनुपलब्धता का उल्लेख किया जाता है, जबकि शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 प्रतिशत अनुशंसाएं ऐसी हैं, जिनके लिए अनुदान की आवश्यक नहीं है। दूसरे सत्र में भारतीय ज्ञान परम्परा पर विमर्श हुआ, जिसमें श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राज नेहरू ने आनलाइन माध्यम से अपनी बात रखी। इसी क्रम में नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क और मूल्य प्रवाह पर केंद्रित सत्रों का आयोजन भी हुआ।

इसमें प्रो. अजमेर सिंह मलिक, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, डा. रणपाल सिंह, कुलपति, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, प्रो. जेपी यादव, कुलपति इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, प्रो. रमन्ना रेड्डी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और डा. आरके अनायत, कुलपति, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अपने विचार व्यक्त किए। समापन सत्र में प्रो. नंद किशोर ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. रेनु यादव व डा. नीरज कर्ण सिंह ने किया।

CUH Organised one day workshop on NEP-2020

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

PROF. TANKESHWAR KUMAR SAID THAT THE NATIONAL EDUCATION POLICY-2020 IS GOING TO BE THREE YEARS OLD AND ITS PURPOSE IS TO CHANGE THE CURRICULUM, MAKE STUDENTS AWARE OF STATE-OF-THE-ART TECHNOLOGY, MAKE GLOBAL CITIZENS AND INTRODUCE THEM TO THE SPIRIT OF INDIANNESS.

MAHENDERGARH: To discuss the implementation of National Education Policy (NEP) and National Curriculum Framework at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, a one-day workshop was organised on 'NEP-2020 Implementation and National Curriculum Framework: NCrF, IKS and Mulya Pravah' on Friday. The Chief Guest of the program was Mr. Atul Kothari, National Secretary of Education Culture Upliftment Trust; the Vice President of Haryana State Higher Education Council, Prof. K. C. Sharma was present as the guest of honour while the program was presided over by Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar and the Pro Vice Chancellor of the University Prof. Sushma Yadav along with the Vice Chancellors of various Universities of the state made a dignified presence. Prof. Tankeshwar Kumar said that the National Education Policy-2020 is going to be three years old and its purpose is to change the curriculum, make students aware of state-of-the-art technology, make global citizens and introduce them to the spirit of Indianness. To achieve this objective, efforts are on for successful implementation of National Credit Framework, Indian Knowledge System and Mulya Pravah Welcoming all the associate Vice-chancellors as well as the chief guest and guest of honour, he said that in today's time, education is not student-centered but learning-centered and the aim of NEP is to develop capabilities in students and make them aware of Indian knowledge tradition.

पंजाब केसरी
SAT,13 MAY 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

एन.ई.पी. का लक्ष्य है नागरिकों को विचार, बौद्धिकता व कार्य व्यवहार से भारतीय बनाना: अतुल कोठारी

महेंद्रगढ़, 12 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) के कार्यान्वयन व राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विमर्श हेतु शुक्रवार को 'एन.ई.पी. 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नैशनल क्रैडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजन में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्यातिथि व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. के.सी. शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को आए 3 साल का समय होने जा रहा है और इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में बदलाव, विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत करा ग्लोबल सिटीजन बनाना और भारतीयता के भाव से परिचित कराना है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए नैशनल क्रैडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह के सफलतम क्रियान्वयन के लिए प्रयास जारी हैं।

मुख्यातिथि अतुल कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह तीसरी शिक्षा नीति है और इसका मूल उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो कि विचार, बुद्धिमता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात करती है, जिसके लिए प्राचीन भारतीय परम्परा में वर्णित ज्ञान को अध्ययन के लिए उपलब्ध कराना होगा।

वेदों से लेकर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा प्रस्तुत विचार भारतीय ज्ञान की श्रेणी में आते हैं। आज के समय में देश-दुनिया में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों का समाधान भारतीय ज्ञान से ही संभव है।

कार्यशाला का उद्घाटन करते अतुल कोठारी, साथ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य अतिथिगण तथा (दाएं) मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति। (मोहन)

शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 फीसदी अनुशंसाएं ऐसी हैं जिनके लिए अनुदान की आवश्यकता नहीं है

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. के.सी. शर्मा ने कहा कि शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 फीसदी अनुशंसाएं ऐसी हैं जिनके लिए अनुदान की आवश्यकता नहीं है। पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया इस नीति के क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण है और भारतीय ज्ञान परम्परा का अध्ययन करने पर हम इस नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित कर सकते हैं। नई शिक्षा नीति बुद्धि के विकास के साथ-साथ कौशल सम्पन्नता का भी उल्लेख करती है।

आयोजन के दूसरे सत्र में भारतीय ज्ञान परम्परा पर विमर्श हुआ, जिसमें श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राज नेहरू ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी बात रखी। इसमें प्रो. अजमेर सिंह मलिक, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय; डॉ. रणपाल सिंह, कुलपति, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय; प्रो. जे.पी. यादव, कुलपति इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय; प्रो. रमन्ना रैड्डी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और डॉ. आर.के. अनायत, कुलपति, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अपने विचार व्यक्त किए।

हकेवि की दो शोधार्थी प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए चयनित

महेंद्रगढ़ (नीरज कौशिक)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की दो शोधार्थियों सुश्री पूजा व सुश्री दीपिका शर्मा का चयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एसटीयूटीआई के तहत परिष्कृत अनुसंधान उपकरणों द्वारा उन्नत सामग्री लक्षण पर केंद्रित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए चयन हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित शोधार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना की। विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने शोधर्थियों और उनके पर्यवेक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कौशल विकास के लिए आवश्यक हैं। भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने डॉ. तरुण कुमार और डॉ. मनीषा पाण्डेय के प्रयासों की सराहना करते हुए सफल अनुसंधान एवं विकास के लिए इस तरह के प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

दो शोधार्थी प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए चयनित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) की दो शोधार्थियों पूजा व दीपिका शर्मा का चयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एसटीयूटीआई के तहत परिष्कृत अनुसंधान उपकरणों द्वारा उन्नत सामग्री लक्षण पर केंद्रित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए चयन हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित शोधार्थियों को बधाई।

विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने शोधार्थियों और उनके पर्यवेक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कौशल विकास के लिए आवश्यक हैं। भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने डॉ. तरुण कुमार और डॉ. मनीषा पांडेय के प्रयासों की सराहना करते हुए सफल अनुसंधान एवं विकास के लिए इस तरह के प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। संवाद

हकेवि के दो शोधार्थी का कार्यशाला के लिए चयन

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ की दो शोधार्थियों पूजा व दीपिका शर्मा का चयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एसटीयूटीआई के तहत परिष्कृत अनुसंधान उपकरणों द्वारा उन्नत सामग्री लक्षण पर केंद्रित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए चयन हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित शोधार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी।

विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने शोधार्थियों और उनके पर्यवेक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कौशल विकास के लिए आवश्यक है।

मंडे पॉजिटिव 3600 वर्ग मीटर वाले सभागार को बनने में 2 साल का लगेगा समय

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 37 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सभागार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

केंद्रीय विश्वविद्यालय में नया सभागार बनेगा। 3600 वर्ग मीटर में बनने वाले इस सभागार पर विवि 37 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इसके लिए विवि को मंजूरी मिल गई। इसके लिए करीब दो साल का समय लगेगा।

मौजूदा समय में केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार एडम ब्लॉक हैं। एक प्रशासनिक भवन के साथ ही महिला व पुरुष हॉस्टल के लिए अलग-अलग भवन बने हुए हैं। सभी एडम ब्लॉक भवनों के साथ मिनी सभागार यानी मिनी सेमिनार हॉल भी बने हैं। इसके अतिरिक्त एक प्रो. मूलचंद सभागार भी बना हुआ है, लेकिन विवि में बढ़ती स्ट्रीम व अन्य आयोजनों के चलते एक बड़े ऑडिटोरियम की जरूरत थी। इसके निर्माण के लिए विवि प्रशासन की तरफ से लंबे समय से प्रयास किए जा रहे थे। अब हकेवि महेंद्रगढ़ में 3600 वर्गमीटर में नया सभागार का निर्माण होगा। इसकी मंजूरी भी मिल गई है व बजट भी अलाट हो गया है। 'वी आकार' में निर्मित होन वाले इस सभागार में 1200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता होगी। लगभग 37.77 करोड़ की लागत से 27 महीने में बनने वाला यह सभागार जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों सहित आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

1200 लोगों के बैठने की होगी क्षमता

सभागार का उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना : वीसी

सभागार विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों की मेजबानी का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। सभागार का उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना व कौशल विकास करना है। इसी उद्देश्य की प्रतिपूर्ति हेतु हकेवि में 3600 वर्गमीटर में नए सभागार का निर्माण होने जा रहा है।

***टंकेश्वर कुमार,** वीसी केंविवि महेंद्रगढ़।*

सभागार में ये होंगी सुविधाएं

हकेवि में निर्मित होने वाले नए सभागार में मुख्य स्टेज पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने की सुविधा वाले दो ग्रीन रूम की व्यवस्था होगी। सभागार में रिहर्सल के लिए दो कमरे, पूरे तल पर अग्निरोधी कारपेटिंग, प्रोजेक्टर कंट्रोल रूम, अतिथि के लिए अलग से कक्ष की व्यवस्था, अति विशिष्ठ अतिथियों हेतु जलपान गृह की सुविधा के साथ वीवीआईपी लाउंज, पोस्टर प्रदर्शनियों आदि हेतु हॉल, अग्मिशमन प्रणाली, ऑटोमेटिक जनरेटर, 100-100 की क्षमता वाले दो सेमिनार हॉल, 200 की क्षमता वाला एक सेमिनार हॉल की सुविधा उपलब्ध होगी। सभागार वातानुकूलित, वाईफाई सुविधा से लैस होगा। सभागार के भवन का निर्माण दिव्यांगजन की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

कॉमफिएस्टा में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य शिक्षकों के साथ। आज समाज

हकेवि में कॉमफिएस्टा 2023 का हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कॉमफिएस्टा 2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर आयोजित इस सालाना गतिविधि को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अन्य विभागों को भी अपने विषय पर केंद्रित इस तरह के आयोजन करने चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन सदैव ही विद्यार्थियों को कक्षाओं से इतर विषय के व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मददगार साबित होते हैं।

विश्वविद्यालय प्रो. मूलचंद चंद शर्मा सभागार में कॉमफिएस्टा 2023 का शुभारंभ स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट के अधिष्ठाता प्रो. राजन अनेजा के द्वारा किया गया। उन्होंने स्वागत भाषण देते हुए इस आयोजन की प्रासंगिता और इसके अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित किया और वार्षिकोत्सव की उपयोगिता से अवगत कराया।

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कार्यक्रम निदेशक तथा विभाग के अन्य शिक्षक डॉ. सुमन दहिया, डॉ. रविंद्र कौर व डॉ. भूषण सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के संयोजक की भूमिका निभाई। विभागीय विद्यार्थियों में शामिल प्योधि मिश्रा, मोहम्मद राहिल, विप्रेश कुमार, मानू रंजन, गौरव, बलवान, इस्माइल, संस्कार, निकिता आदि सहित शोधार्थी संगीता शर्मा, प्रेरणा गंगवार, अन्नु गहलावत, भावना, मनीषा कुमार और मोहित फोगाट ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि दो दिवसीय कॉमफिएस्टा 2023 के अंतर्गत विभिन्न 11 आयोजन किए गए। इनमें पैनल डिस्कशन, मॉक स्टॉक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वॉक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पॉट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैशमोब आदि के नाम शामिल रहे। इन प्रतियोगिताओं की थीम प्रमुख रूप से भारत की जी20 अध्यक्षता: वसुधैव कुटुम्बकम, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम न्यूज, मार्किट अपडेट आदि प्रमुख रहे। इनमें विश्वविद्यालय के प्रो. नंद किशोर, प्रो. शांतेष कुमार सिंह, प्रो. एम.एल. मीणा, प्रो. पायल कंवर चंदेल, प्रो. रणवीर सिंह, डॉ. अमन वर्मा, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. जितेंद्र ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की।

डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और उल्लेखनीय रूप से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डॉ. राजेंद्र मीणा ने इस आयोजन की सफलता हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का उनके सहयोग व मार्गदर्शन तथा प्रबंधन अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता तंवर व कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत उनके सक्रिय योगदान हेतु आभार व्यक्त किया।

आशुतोष पंचाल ने संभाला कार्यकारी अभियन्ता बिजली निगम महेंद्रगढ़ का कार्यभार

आशुतोष पंचाल कार्यकारी अभियन्ता का अभिनंदन करते अधिकारी व कर्मचारी। आज समाज

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। आशुतोष पंचाल ने 15 मई सोमवार को कार्यकारी अभियन्ता दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम मंडल महेंद्रगढ़ का कार्यभार सम्भाला लिया है। इस मौके पर बिजली निगम मंडल महेंद्रगढ़ के सभी कर्मचारियों ने आशुतोष पंचाल, कार्यकारी अभियन्ता का अभिनन्दन करते हुए उनको गुलदस्ता भेंट किया। इस अवसर पर उमेश वर्मा उपमण्डल अधिकारी कनीना, शुभम जैन उपमण्डल अधिकारी अर्धशहरी महेंद्रगढ़, औमप्रकाश मुख्य लिपिक, ललित कुमार लेखाकार, गजराज मुख्य प्रारूपकार, शिव कुमार एल.डी.सी., देशराज एल.डी.सी., भूपेन्द्र एल.डी.सी., सुनिल कुमार एल.डी.सी., पवन कुमार एल.डी.सी., दीपक लाईनमैन, अनुप चौहान डी.ई.ओ., राजबीर डी.ई.ओ., रविन्द्र डी.ई.ओ., प्रदीप डी.ई.ओ., कुलदीप डी.ई.ओ. व राकेश कुमार स्टेनो आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेवि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड हेल्थ केयर पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हकेवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक एवं विद्यार्थी।

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भैषजिक विज्ञान विभाग द्वारा ह्लसर्वाइकल कैंसर के निदान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिकाह्व विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया की प्रो. नोर आशिदी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आमंत्रित वार्ता आयोजित करने के लिए बधाई दी।

विज्ञान प्रभा व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत में विश्वविद्यालय के भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नोर आशिदी ने ह्लरोग वर्गीकरण में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिकाह्व के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लिए उपयोग की जाने वाली संवेदी प्रणाली के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. रीता देवी ने बताया कि किस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसी व्यक्ति में तनाव का पता लगाने में कैसे मदद करता है।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने फार्मास्युटिकल साइंस विभाग द्वारा की गई इस अद्भुत पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुमित कुमार ने आमंत्रित वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. अशोक जांगड़ा, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. मारुति मुलका, डॉ. कुमार प्रकाश और डॉ. सुनील कुमार प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए।

व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मिलेगी मदद

केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कॉमफिएस्टा का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कॉमफिएस्टा 2023 का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर आयोजित इस सालाना गतिविधि को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अन्य विभागों को भी अपने विषय पर केंद्रित इस तरह के आयोजन करने चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन सदैव ही विद्यार्थियों को कक्षाओं से इतर विषय के व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मददगार साबित होते हैं।

विश्वविद्यालय प्रो. मूलचंद चंद शर्मा सभागार में कॉमफिएस्टा 2023 का शुभारंभ स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट के अधिष्ठाता प्रो. राजन अनेजा के द्वारा किया गया। उन्होंने आयोजन की प्रासंगिता और इसके अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित किया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कार्यक्रम निदेशक तथा विभाग के अन्य शिक्षक डॉ. सुमन दहिया, डॉ. रविंद्र कौर व डॉ. भूषण सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के संयोजक की भूमिका निभाई।

विभागीय विद्यार्थियों में शामिल प्योधि मिश्रा, मोहम्मद राहिल, विप्रेश कुमार, मानू रंजन, गौरव, बलवान, इस्माइल, संस्कार, निकिता आदि सहित शोधार्थी संगीता शर्मा, प्रेरणा गंगवार, अन्नु गहलावत, भावना, मनीषा कुमार और मोहित फोगाट ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि दो दिवसीय कॉमफिएस्टा 2023 के अंतर्गत विभिन्न 11 आयोजन किए गए। इनमें पैनल डिस्कशन, मॉक स्टॉक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वॉक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पॉट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैशमोब आदि के नाम शामिल रहे। इन प्रतियोगिताओं की थीम प्रमुख रूप से भारत की जी20 अध्यक्षता वसुधैव कुटुंबकम, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम न्यूज, मार्किट अपडेट आदि प्रमुख रहे।

इनमें विश्वविद्यालय के प्रो. नंद किशोर, प्रो. शांतेष कुमार सिंह, प्रो. एमएल मीणा, प्रो. पायल कंवर चंदेल, प्रो. रणवीर सिंह, डॉ. अमन वर्मा, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. जितेंद्र ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की।

डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

20 को आईजीयू मीरपुर में होगा युवा इंडिया उत्सव का आयोजन

रेवाड़ी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पंच प्रण' थीम पर आधारित जिला स्तरीय युवा इंडिया उत्सव का आयोजन शनिवार, 20 मई को इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय परिसर, मीरपुर में किया जाएगा।जिला युवा अधिकारी मोनिका नांदल ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण पत्र एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागी को पुरस्कार राशि क्रमशः 5000, 2000 व 1000 से पुरस्कृत किया जाएगा। इसी प्रकार कविता लेखन, पेंटिंग एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागी को पुरस्कार राशि क्रमशः 1000, 750 व 500 द्वारा सम्मानित किया जाएगा। संवाद

मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर व्याख्यान

विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक व विद्यार्थी। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के भैषजिक विज्ञान विभाग द्वारा सर्वाइकल कैंसर के निदान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया की प्रो. नोर आशिदी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आमंत्रित वार्ता आयोजित करने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम की शुरूआत में विश्वविद्यालय के भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नोर आशिदी ने रोग वर्गीकरण में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लिए उपयोग की जाने वाली संवेदी प्रणाली के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. रीता देवी ने बताया कि किस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसी व्यक्ति में तनाव का पता लगाने में कैसे मदद करता है। शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने फार्मास्युटिकल साइंस विभाग द्वारा की गई इस अद्भुत पहल की सराहना की। संवाद

हकेवि में कॉम-फिएस्टा 2023 का हुआ आयोजन

डिस्कशन, मॉक स्टॉक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वॉक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पॉट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैश्मोब में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कॉम-फिएस्टा 2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर आयोजित इस सालाना गतिविधि को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया।

विश्वविद्यालय प्रो. मूलचंद शर्मा सभागार में कॉम-फिएस्टा 2023 का शुभारंभ स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट के अधिष्ठाता प्रो. राजन अनेजा के द्वारा किया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित किया और वार्षिकोत्सव की उपयोगिता से अवगत कराया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कार्यक्रम निदेशक तथा विभाग के अन्य शिक्षक डॉ. सुमन दहिया, डॉ. रविंद्र कौर व डॉ. भूषण सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के संयोजक की भूमिका निभाई। विभागीय विद्यार्थियों में शामिल प्योधि मिश्रा, मोहम्मद राहिल, विप्रेश कुमार, मानू रंजन, गौरव, बलवान, इस्माइल, संस्कार, निकिता आदि सहित शोधार्थी संगीता शर्मा, प्रेरणा गंगवार, अन्नु गहलावत, भावना, मनीषा कुमार और मोहित फोगाट ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

इनमें विश्वविद्यालय के प्रो. नंद किशोर, प्रो. शांतेष कुमार सिंह, प्रो. एम.एल. मीणा, प्रो. पायल कंवर चंदेल, प्रो. रणवीर सिंह, डॉ. अमन वर्मा, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. जितेंद्र ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और उल्लेखनीय रूप से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

डॉ. राजेंद्र मीणा ने इस आयोजन की सफलता हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का उनके सहयोग व मार्गदर्शन तथा प्रबंधन अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता तंवर व कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत उनके सक्रिय योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर व शिक्षकों के साथ।

कॉम-फिएस्टा में 11 आयोजन किए गए

विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि दो दिवसीय कॉम-फिएस्टा 2023 के अंतर्गत विभिन्न 11 आयोजन किए गए। इनमें पैनल डिस्कशन, मॉक स्टॉक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वॉक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पॉट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैश्मोब आदि के नाम शामिल रहे। इन प्रतियोगिताओं की थीम प्रमुख रूप से भारत की जी20 अध्यक्षता वसुधैव कुटुम्बकम, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम न्यूज, मार्किट अपडेट आदि प्रमुख रहे।

केंद्रीय विवि में हुआ 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड हेल्थ केयर' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के भैषजिक विज्ञान विभाग द्वारा सर्वाइकल कैंसर के निदान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी सेंस मलेशिया की प्रो. नोर आशिदी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आमंत्रित वार्ता आयोजित करने के लिए बधाई दी।

विज्ञान प्रभा व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत में विश्वविद्यालय के भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नोर आशिदी ने "रोग वर्गीकरण में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका" के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लिए उपयोग की जाने वाली संवेदी प्रणाली के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. रीता देवी ने बताया कि किस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसी व्यक्ति में तनाव का पता लगाने में कैसे मदद करता है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने फार्मास्युटिकल साइंस विभाग द्वारा की गई इस अद्भुत पहल की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुमित कुमार ने आमंत्रित वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. अशोक जांगड़ा, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. मारुति मुलका, डॉ. कुमार प्रकाश और डॉ. सुनील कुमार प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए।

'विद्यार्थियों को विषयों के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान को समझना जरूरी'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर आयोजित इस सालाना गतिविधि को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अन्य विभागों को भी अपने विषय पर केंद्रित इस तरह के आयोजन करने चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन सदैव ही विद्यार्थियों को कक्षाओं से इतर विषय के व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मददगार साबित होते हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेंवि में आयोजित उत्सव में भाग लेते प्रतिभागी • सौ. हकेंवि प्रवक्ता

विश्वविद्यालय प्रो. मूलचंद चंद शर्मा सभागार में वाणिज्य उत्सव (कामफिएस्टा 2023) का शुभारंभ स्कूल आफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट के अधिष्ठाता प्रो. राजन अनेजा के द्वारा किया गया। उन्होंने भाषण देते हुए इस आयोजन की प्रासंगिता और इसके अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित किया और वार्षिकोत्सव की उपयोगिता से अवगत कराया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कार्यक्रम निदेशक तथा विभाग के अन्य शिक्षक डा. सुमन दहिया, डा. रविंद्र कौर व डा. भूषण सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के संयोजक की भूमिका निभाई। विभागीय विद्यार्थियों में शामिल प्योधि मिश्रा, मोहम्मद राहिल, विप्रेश कुमार, मानू रंजन, गौरव, बलवान, इस्माइल, संस्कार, निकिता आदि सहित शोधार्थी संगीता शर्मा, प्रेरणा गंगवार, अन्नु गहलावत, भावना, मनीषा कुमार और मोहित फोगाट ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र मीणा ने बताया कि दो दिवसीय कॉमफिएस्टा 2023 के अंतर्गत विभिन्न 11 आयोजन किए गए। इनमें पैनल डिस्कशन, माक स्टाक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पाट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वाक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पाट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैश्मोब आदि के नाम शामिल रहे। इन प्रतियोगिताओं की थीम प्रमुख रूप से भारत की जी20 अध्यक्षता: वसुधैव कुटुम्बकम, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम न्यूज, मार्किट अपडेट आदि प्रमुख रहे। इनमें विश्वविद्यालय के प्रो. नंद किशोर, प्रो. शांतेष कुमार सिंह, प्रो. एमएल मीणा, प्रो. पायल कंवर चंदेल, प्रो. रणवीर सिंह, डा. अमन वर्मा, डा. मोना शर्मा, डा. अजय कुमार, डा. जितेंद्र ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। डा. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और उल्लेखनीय रूप से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डा. राजेंद्र मीणा ने इस आयोजन की सफलता हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का उनके सहयोग व मार्गदर्शन तथा प्रबंधन अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. सुनीता तंवर व कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. केशव सिंह रावत उनके सक्रिय योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कॉमफिएस्टा-2023 का आयोजन

सालाना गतिविधियां विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए होती हैं उपयोगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कॉमफिएस्टा-2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर आयोजित इस सालाना गतिविधि को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अन्य विभागों को भी अपने विषय पर केंद्रित इस तरह के आयोजन करने चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन सदैव ही विद्यार्थियों को कक्षाओं से इतर विषय के व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मददगार साबित होते हैं। विश्वविद्यालय प्रो. मूलचंद शर्मा सभागार में कॉमफिएस्टा-2023 का शुभारंभ स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट के अधिष्ठाता प्रो. राजन अनेजा द्वारा किया गया। उन्होंने स्वागत भाषण देते हुए इस आयोजन की प्रासंगिता और इसके अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित किया और वार्षिकोत्सव की उपयोगिता से अवगत कराया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कार्यक्रम निदेशक तथा विभाग के अन्य शिक्षक डॉ. सुमन दहिया, डॉ. रविंद्र कौर व डॉ. भूषण सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के संयोजक की भूमिका निभाई। विभागीय विद्यार्थियों में शामिल प्योधि मिश्रा, मोहम्मद राहिल, विप्रेश कुमार, मानू रंजन, गौरव, बलवान, इस्माइल, संस्कार, निकिता आदि सहित शोधार्थी संगीता शर्मा, प्रेरणा गंगवार, अन्नु गहलावत, भावना, मनीषा कुमार और मोहित फोगाट ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि दो दिवसीय कॉमफिएस्टा-2023 के अंतर्गत विभिन्न 11 आयोजन किए गए। इनमें पैनल डिस्कशन, मॉक स्टॉक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वॉक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पॉट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैश्मोब आदि के नाम शामिल रहे। इन प्रतियोगिताओं की थीम प्रमुख रूप से भारत की जी 20 अध्यक्षताः वसुधैव कुटुम्बकम, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम न्यूज, मार्किट अपडेट आदि प्रमुख रहे। इनमें विश्वविद्यालय के प्रो. नंद किशोर, प्रो. शांतेष कुमार सिंह, प्रो. एमएल मीणा, प्रो. पायल कंवर चंदेल, प्रो. रणवीर सिंह, डॉ. अमन वर्मा आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। कॉमफिएस्टा में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी कुलपति के साथ।

हकेवि में कॉमफिएस्टा 2023 का हुआ आयोजन

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कॉमफिएस्टा 2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर आयोजित इस सालाना गतिविधि को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अन्य विभागों को भी अपने विषय पर केंद्रित इस तरह के आयोजन करने चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन सदैव ही विद्यार्थियों को कक्षाओं से इतर विषय के व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मददगार साबित होते हैं। विश्वविद्यालय प्रो. मूलचंद चंद शर्मा सभागार में कॉमफिएस्टा 2023 का शुभारंभ स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट के अधिष्ठाता प्रो. राजन अनेजा के द्वारा किया गया। उन्होंने स्वागत भाषण देते हुए इस आयोजन की प्रासंगिता और इसके अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित किया और वार्षिकोत्सव की उपयोगिता से अवगत कराया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कार्यक्रम निदेशक तथा विभाग के अन्य शिक्षक डॉ. सुमन दहिया, डॉ. रविंद्र कौर व डॉ. भूषण सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के संयोजक की भूमिका निभाई। विभागीय विद्यार्थियों में शामिल प्योधि मिश्रा, मोहम्मद राहिल, विप्रेश कुमार, मानू रंजन, गौरव, बलवान, इस्माइल, संस्कार, निकिता आदि सहित शोधार्थी संगीता शर्मा, प्रेरणा गंगवार, अन्नु गहलावत, भावना, मनीषा कुमार और मोहित फोगाट ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि दो दिवसीय कॉमफिएस्टा 2023 के अंतर्गत विभिन्न 11 आयोजन किए गए। इनमें पैनल डिस्कशन, मॉक स्टॉक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वॉक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पॉट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैश्मोब आदि के नाम शामिल रहे। इन प्रतियोगिताओं की थीम प्रमुख रूप से भारत की जी20 अध्यक्षता: वसुधैव कुटुम्बकम, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम न्यूज, मार्किट अपडेट आदि प्रमुख रहे। इनमें विश्वविद्यालय के प्रो. नंद किशोर, प्रो. शांतेष कुमार सिंह, प्रो. एम.एल. मीणा, प्रो. पायल कंवर चंदेल, प्रो. रणवीर सिंह, डॉ. अमन वर्मा, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. जितेंद्र ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और उल्लेखनीय रूप से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डॉ. राजेंद्र मीणा ने इस आयोजन की सफलता हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का उनके सहयोग व मार्गदर्शन तथा प्रबंधन अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता तंवर व कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत उनके सक्रिय योगदान हेतु आभार व्यक्त किया।

हकेवि में कॉमफिएस्टा 2023 का हुआ आयोजन

नारनौल, राजेश राज गोयल, 15 मई। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कॉमफिएस्टा 2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर आयोजित इस सालाना गतिविधि को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अन्य विभागों को भी अपने विषय पर केंद्रित इस तरह के आयोजन करने चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन सदैव ही विद्यार्थियों को कक्षाओं से इतर विषय के व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मददगार साबित होते हैं।

विश्वविद्यालय प्रो. मूलचंद चंद शर्मा सभागार में कॉमफिएस्टा 2023 का शुभारंभ स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट के अधिष्ठाता प्रो. राजन अनेजा के द्वारा किया गया। उन्होंने स्वागत भाषण देते हुए इस आयोजन की प्रासंगिता और इसके अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित किया और वार्षिकोत्सव की उपयोगिता से अवगत कराया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कार्यक्रम निदेशक तथा विभाग के अन्य शिक्षक डॉ. सुमन दहिया, डॉ. रविंद्र कौर व डॉ. भूषण सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के संयोजक की भूमिका निभाई। विभागीय विद्यार्थियों में शामिल प्योधि मिश्रा, मोहम्मद राहिल, विप्रेश कुमार, मानु रंजन, गौरव, बलवान, इस्माइल, संस्कार, निकिता आदि सहित शोधार्थी संगीता शर्मा, प्रेरणा गंगवार, अन्नु गहलावत, भावना, मनीषा कुमार और मोहित फोगाट ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि दो दिवसीय कॉमफिएस्टा 2023 के अंतर्गत विभिन्न 11 आयोजन किए गए। इनमें पैनल डिस्कशन, मॉक स्टॉक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वॉक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पॉट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैश्मोब आदि के नाम शामिल रहे। इन प्रतियोगिताओं की थीम प्रमुख रूप से भारत की जी20

अध्यक्षताः वसुधैव कुटुम्बकम, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम न्यूज, मार्केट अपडेट आदि प्रमुख रहे। इनमें विश्वविद्यालय के प्रो. नंद किशोर, प्रो. शांतेष कुमार सिंह, प्रो. एम.एल. मीणा, प्रो. पायल कंवर चंदेल, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. अमन वर्मा, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. जितेंद्र ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और उल्लेखनीय रूप से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डॉ. राजेंद्र मीणा ने इस आयोजन की सफलता हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का उनके सहयोग व मार्गदर्शन तथा प्रबंधन अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता तंवर व कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत उनके सक्रिय योगदान हेतु आभार व्यक्त किया।

हकेवि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड हेल्थ केयर पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नारनौल, राजेश राज गोयल, 15 मई।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भैषजिक विज्ञान विभाग द्वारा ÷सर्वाइकल कैंसर के निदान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका÷ विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया की प्रो. नोर आशिदी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आमंत्रित वार्ता आयोजित करने के लिए बधाई दी। विज्ञान प्रभा व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत में विश्वविद्यालय के भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नोर आशिदी ने ÷रोग वर्गीकरण में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका÷ के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लिए उपयोग की जाने वाली संवेदी प्रणाली के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. रीता देवी ने बताया कि किस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसी व्यक्ति में तनाव का पता लगाने में कैसे मदद करता है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने फार्मास्युटिकल साइंस विभाग द्वारा की गई इस अद्भुत पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुमित कुमार ने आमंत्रित वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. अशोक जांगड़ा, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. मारुति मुलका, डॉ. कुमार प्रकाश और डॉ. सुनील कुमार प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए।

हकेंवि में कॉमफिएस्टा-2023 का आयोजन

कॉमफिएस्टा में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य शिक्षकों के साथ। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 15 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा 2 दिवसीय वार्षिकोत्सव कॉमफिएस्टा 2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर आयोजित इस सालाना गतिविधि को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अन्य विभागों को भी अपने विषय पर केंद्रित इस तरह के आयोजन करने चाहिए।

विश्वविद्यालय प्रो. मूलचंद चंद शर्मा सभागार में कॉमफिएस्टा-2023 का शुभारंभ स्कूल ऑफ बिजनैस एंड मैनेजमैंट के अधिष्ठाता प्रो. राजन अनेजा द्वारा किया गया। उन्होंने इस आयोजन की प्रासंगिकता और इसके अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया।

इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित किया और वार्षिकोत्सव की उपयोगिता से अवगत करवाया।

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कार्यक्रम निदेशक तथा विभाग के अन्य शिक्षक डॉ. सुमन दहिया, डॉ. रविंद्र कौर व डॉ. भूषण सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के संयोजक की भूमिका निभाई।

विभागीय विद्यार्थियों में शामिल प्योधि मिश्रा, मोहम्मद राहिल, विप्रेश कुमार, मानू रंजन, गौरव, बलवान, इस्माइल, संस्कार, निकिता आदि सहित शोधार्थी संगीता शर्मा, प्रेरणा गंगवार, अनु गहलावत, भावना, मनीषा कुमार और मोहित फोगाट ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि 2 दिवसीय कॉमफिएस्टा 2023 के अंतर्गत विभिन्न 11 आयोजन किए गए। इनमें पैनल डिस्कशन, मॉक स्टॉक ट्रेडिंग, लोगो डिजाइनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैंप वॉक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पॉट गेम्स, स्टैंड अप कॉमेडी, एनर्जेटिक फ्लैश्मोब आदि शामिल रहे। डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस एंड हैल्थ केयर पर करवाया विशेषज्ञ व्याख्यान

महेंद्रगढ़, 15 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के भैषजिक विज्ञान विभाग द्वारा 'सर्वाइकल कैंसर के निदान में आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस की भूमिका' विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया की प्रो. नोर आशिदी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग को आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस पर आमंत्रित वार्ता आयोजित करने के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नोर आशिदी ने 'रोग वर्गीकरण में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस की भूमिका' के बारे में प्रतिभागियों को अवगत करवाया। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लिए उपयोग की जाने वाली संवेदी प्रणाली के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. रीता देवी ने बताया कि किस तरह से आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस किसी व्यक्ति में तनाव का पता लगाने में कैसे मदद करता है।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने फार्मास्यूटिकल साइंस विभाग द्वारा की गई। इस अद्भुत पहल की सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. अशोक जांगड़ा, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. मारुति मुलका, डॉ. कुमार प्रकाश और डॉ. सुनील कुमार प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए।

विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक एवं विद्यार्थी। (मोहन)

हकेवि में करियर काउंसलिंग एंड गाइडेंस पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज द्वारा करियर काउंसलिंग एंड करियर गाइडेंस पर केंद्रित राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार का उद्घाटन करते हुए करियर काउंसलिंग के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। कुलपति ने वेबिनार आयोजित करने के लिए बी. वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज विभाग की सराहना की। स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने वेबिनार की शुरूआत में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे वेबिनार आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विषय विशेषज्ञों के साथ संवाद का अवसर उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे ने बताया कि वेबिनार में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से करीब 200 विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बिक्री और विपणन में करियर विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञ श्री सुनील मलकानी वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हुए। श्री सुनील मलकानी ने बताया कि भारतीय बिक्री और विपणन सबसे तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। इसमें फ्रेशर्स के लिए नौकरी के अपार अवसर हैं। साथ ही उन्होंने सफल करियर के लिए योग्यता और प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर जोर दिया। वेबिनार के आयोजन में डॉ. ऋचा और डॉ. अनुरंजीता ने टीम के सदस्यों के रूप में सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में छात्र समन्वयक जैद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पर डॉ. रोहित के वर्मा, डॉ. ममता, डॉ. व डॉ. बापी गोरैन भी उपस्थित रहे।

बिक्री और विपणन क्षेत्र में कॅरिअर के अवसर : मलकानी

संवाद न्यूज एजेंसी

हकेंवि में कॅरिअर काउंसिलिंग एंड गाइडेंस पर राष्ट्रीय वेबिनार 200 प्रतिभागी हुए शामिल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में बीवॉक. बायोमेडिकल साइंसेज द्वारा कॅरिअर काउंसिलिंग एंड गाइडेंस पर केंद्रित राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार का उद्घाटन करते हुए कॅरिअर काउंसिलिंग के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने विद्यार्थी जीवन में कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे वेबिनार आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे ने बताया कि वेबिनार में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से करीब 200 विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बिक्री और विपणन में कॅरिअर विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञ सुनील मलकानी ने बताया कि भारतीय बिक्री और विपणन सबसे तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। इसमें फ्रेशर्स के लिए नौकरी के अपार अवसर हैं। साथ ही उन्होंने सफल करियर के लिए योग्यता और प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर जोर दिया। वेबिनार के आयोजन में डॉ. ऋचा और डॉ. अनुरंजीता ने टीम के सदस्यों के रूप में सहयोग किया। कार्यक्रम के छात्र समन्वयक जैद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पर डॉ. रोहित के. वर्मा, डॉ. ममता, डॉ. बापी गोरैन भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में राष्ट्रीय वेबिनार किया गया आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज द्वारा करियर काउंसलिंग एंड करियर गाइडेंस पर केंद्रित राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार का उद्घाटन करते हुए करियर काउंसलिंग के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

National Webinar on "Career Counselling & Career Guidance" conducted at CUH

TIT Correspondent
manoj@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : A national webinar on "Career Counselling & Career Guidance" was organized 13th May 2023 by the B.Voc Biomedical Sciences, School of Life-long Learning at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University inaugurated the webinar and emphasized the importance of career counseling. He also points out the role of hard work, determination and dedication in student's life. He appreciated the initiative taken by the B.Voc Biomedical Sciences to conduct such a program specifically for students and faculty members. Prof. Pawan Kumar Maurya, Dean, School of Life-long Learning delivered the welcome address and briefed about the program. He also informed that such webinars would also be conducted in the future in order to give an opportunity for the scholars to interact with eminent resource persons. Dr. Manisha Pandey, organizing secretary of the event informed that around 200 students and faculty members

हकेवि में करियर काऊंसलिंग एंड गाइडैंस पर राष्ट्रीय वैबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़, 16 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में बी. वॉक. बायो-मैडीकल साइंसेज द्वारा करियर काऊंसिलिंग एंड करियर गाइडैंस पर केंद्रित राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वैबिनार का उद्घाटन करते हुए करियर काऊंसिलिंग के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में कड़ी मेहनत, दृढ़संकल्प और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। कुलपति ने वैबिनार आयोजित करने के लिए बी.वॉक. बायो-मैडीकल साइंसेज विभाग की सराहना की।

स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने वैबिनार की शुरूआत में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

राष्ट्रीय वैबिनार में प्रतिभागिता करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विशेषज्ञ व अन्य प्रतिभागी। (मोहन)

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे वैबिनार आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विषय विशेषज्ञों के साथ संवाद का अवसर उपलब्ध हो सके।

कार्यक्रम की आयोजन सचिव डा.. मनीषा पांडे ने बताया कि वैबिनार में देश के विभिन्न शिक्षण-संस्थानों से करीब 200 विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बिक्री और विपणन में करियर विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञ श्री सुनील मलकानी वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हुए।

सुनील मलकानी ने बताया कि भारतीय बिक्री और विपणन सबसे तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। इसमें फ्रेशर्स के लिए नौकरी के अपार अवसर हैं। साथ ही उन्होंने सफल करियर के लिए योग्यता और प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर जोर दिया। वैबिनार के आयोजन में डा. ऋचा और डा. अनुरंजीता ने टीम के सदस्यों के रूप में सहयोग किया।

कार्यक्रम के अंत में छात्र समन्वयक जैद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पर डा. रोहित के. वर्मा, डा. ममता, डा. व डा. बापी गोरैन भी उपस्थित रहे।

सूचना एवं तकनीक के दौर में विश्वसनीय सूचनाओं के लिए तथ्यों की जांच जरूरी : प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। सूचना एवं तकनीकी दौर में झूठी व भ्रमित करने वाली सूचनाओं एवं समाचारों से लोगों को बचाने के लिए तथ्यों की जांच समय की जरूरत है। इसके लिए भावी मीडियाकर्मियों को तैयार करने की आवश्यकता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थी अगर इस कौशल को सीख लें तो मीडिया के क्षेत्र में उनकी रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का। उन्होंने अपने यह विचार बुधवार को विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव की और से फेक्ट चैकिंग में आ रहे बदलावों पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। कुलपति ने विभाग में निरंतर आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं के लिए बधाई देते हुए कहा कि विभाग विद्यार्थियों में कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से ही विद्यार्थियों को न केवल रोजगार मिलेगा बल्कि वे अपने कार्यक्षेत्र में और अच्छा कर सकेंगे।

कार्यशाला में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, शिक्षक व विद्यार्थी।

कुलपति ने फैक्ट चेकिंग के महत्त्व को समझाते हुए कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के विद्यार्थियों में तथ्यों को समझना और उन्हें परखने की कला होना बेहद आवश्यक है। पत्रकारिता के विद्यार्थी भविष्य में एक ऐसा समाज बनाये जहां झूठी खबर का प्रसार और दुष्प्रचार न हो। हमसब की जिम्मेदारी है कि हम एक सूचित और जागरूक समाज बनायें। उन्होंने डिजिटलीकरण के दौर में इस कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए कहा कि विद्यार्थी फैक्ट चेकर के तौर पर भी अपना करिअर शुरू कर सकते हैं। कुलपति ने कहा कि आज सभी के हाथ में मोबाइल आने से सोशल मीडिया की ताकत बढ़ गई है। हर व्यक्ति किसी न किसी तरह का कंटेंट जनरेट कर रहा है। इस कंटेंट में बड़ी संख्या में ऐसी सूचनाएं एव समाचार है जो लोगों को भ्रमित करते हैं। इसलिए ही फेक्ट चैकिंग जरूरी है। कुलपति ने कहा कि समाज के लोगों को भी इसके बारे में सचेत होने की जरूरत है व कुछ टूल्स अगर आम आदमी भी जान ले तो असत्य व भ्रमित सूचनाओं से लोगों को बचाया जा सकता है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि नए मीडिया के दौर में फेक्ट चैकिंग एक कॅरियर विकल्प भी है। विद्यार्थी अभ्यास व तकनीकी ज्ञान से अच्छे फेक्ट चैकर बन सकते हैं। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं न्यू मीडिया कार्यकारी संपादक एवं फेक्ट चैकर जतिन गांधी ने कहा कि सूचनाओं के विस्फोट के दौर में सही व गलत सूचनाओं का पता करना एक चुनौती हो गया है। जब तक सही सूचनाएं लोगों तक पहुंचती है, भ्रमित करने वाली जानकारियां लोगों को भ्रमित कर चुकी होती हैं। डिजिटल मीडिया के कंटेंट के सत्यापन के लिए देश में बड़ी संख्या में फेक्ट चैकर की जरूरत है। जिस गति के साथ डिजिटल कंटेंट व यूजर बढ़ रहा है उसी गति से फैक्ट चैकिंग साइट व फेक्ट चैकरस का बढ़ना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भारत में इस समय केवल 18 ऐसे संस्थान हैं जो इंटरनेशनल फैक्ट चैकिंग नेटवर्क से सम्बद्ध है। फैक्ट चैकिंग के क्षेत्र में पिछले पांच सालों में रोजगार के अवसरों में भारी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इस नए क्षेत्र का लाभ उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गलत सूचनाएं और सूचनाओं का दुष्प्रचार समाज के लोगों की समझ को प्रभावित करता है। भ्रामक सूचनाएं कई आपराधिक घटनाओं का कारण भी बनती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मिसइन्फोर्मेशन और डिसइन्फोर्मेशन के बीच का अंतर बताया कि किस तरह डिसइन्फोर्मेशन यानी दुष्प्रचार का प्रयोग समाज में मिसइन्फोर्मेशन फैलाने यानी गलत सूचनाएं फैलाने में किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किस तरह गूगल व अन्य तकनीक की मदद से हम तथ्यों की जांच कर गलत सूचनाओं के प्रभाव को रोक सकते हैं। उन्होंने वायरल हुई गलत तस्वीरों और फेक विडियो को दिखाया और उनकी सही जांच करने के तरीके भी सिखाये। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के शिक्षक आलेख नायक ने किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. भारती बत्रा एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला

तथ्यों की जांच में आ रहे बदलाव पर हकेंवि में पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों को किया जागरूक

विश्वसनीय सूचनाओं के लिए तथ्यों की जांच जरूरी : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। सूचना एवं तकनीकी दौर में झूठी व भ्रमित करने वाली सूचनाओं एवं समाचारों से लोगों को बचाने के लिए तथ्यों की जांच समय की जरूरत है। इसके लिए भावी मीडिया कर्मियों को तैयार करने की आवश्यकता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में भविष्य बनाने वाले विद्यार्थी अगर इस कौशल को सीख लें तो मीडिया के क्षेत्र में उनकी रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव की और से तथ्यों की जांच में आ रहे बदलाव पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए।

कार्यशाला में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, शिक्षक व विद्यार्थी। संवाद

कुलपति ने तथ्यों की जांच के महत्त्व को समझाते हुए कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के विद्यार्थियों में तथ्यों को समझना और उन्हें परखने की कला होना बेहद आवश्यक है। पत्रकारिता के विद्यार्थी भविष्य में एक ऐसा समाज बनाये जहां झूठी खबर का प्रसार और दुष्प्रचार न हो। हमसब की जिम्मेदारी है कि हम एक सूचित और जागरूक समाज बनायें। उन्होंने डिजिटलीकरण के दौर में इस कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए कहा कि विद्यार्थी फैक्ट चेकर के तौर पर भी अपना करिअर शुरू कर सकते हैं।

आज सभी के हाथ में मोबाइल आने से सोशल मीडिया की ताकत बढ़ गई है। हर व्यक्ति किसी न किसी तरह का कंटेंट जनरेट कर रहा है। इस कंटेंट में बड़ी संख्या में ऐसी सूचनाएं एवं समाचार है जो लोगों को भ्रमित करते हैं। इसलिए ही फेक्ट चेकिंग जरूरी है। समाज के लोगों को भी इसके बारे में सचेत होने की जरूरत है।

फैक्ट चेकिंग में बढ़ी हैं रोजगार की संभावनाएं

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि नए मीडिया के दौर में फेक्ट चैकिंग एक कैरियर विकल्प भी है। विद्यार्थी अभ्यास व तकनीकी ज्ञान से अच्छे फेक्ट चैकर बन सकते हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता जतिन गांधी ने कहा कि सूचनाओं के विस्फोट के दौर में सही व गलत सूचनाओं का पता करना एक चुनौती हो गया है। जब तक सही सूचनाएं लोगों तक पहुंचती है, भ्रमित करने वाली जानकारियां लोगों को भ्रमित कर चुकी होती हैं।

एक दिवसीय कार्यशाला में प्रो. टंकेश्वर कुमार बोले-

सूचना व तकनीक के दौर में विश्वसनीय सूचनाओं के लिए तथ्यों की जांच जरूरी

महेंद्रगढ़ | सूचना एवं तकनीकी दौर में झूठी व भ्रमित करने वाली सूचनाओं एवं समाचारों से लोगों को बचाने के लिए तथ्यों की जांच समय की जरूरत है। इसके लिए भावी मीडियाकर्मियों को तैयार करने की आवश्यकता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थी अगर इस कौशल को सीख लें तो मीडिया के क्षेत्र में उनकी रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। यह कहना है हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का। उन्होंने अपने यह विचार बुधवार को विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव की ओर से फेक्ट चैकिंग में आ रहे बदलावों पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। कुलपति ने विभाग में निरंतर आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं के लिए बधाई देते हुए कहा कि विभाग विद्यार्थियों में कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से ही विद्यार्थियों को न केवल रोजगार मिलेगा बल्कि वे अपने कार्यक्षेत्र में और अच्छा कर सकेंगे।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि नए मीडिया के दौर में फेक्ट चैकिंग एक कॅरियर विकल्प भी है। विद्यार्थी अभ्यास व तकनीकी ज्ञान से अच्छे फेक्ट चैकर बन सकते हैं। कार्यशाला का संचालन विभाग के शिक्षक आलेख नायक ने किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. भारती बत्रा एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'विश्वसनीयता को तथ्यों की जांच जरूरी'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: सूचना एवं तकनीकी दौर में झूठी व भ्रमित करने वाली सूचनाओं एवं समाचारों से लोगों को बचाने के लिए तथ्यों की जांच समय की जरूरत है। इसके लिए भावी मीडियाकर्मियों को तैयार करने की आवश्यकता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थी अगर इस कौशल को सीख लें तो मीडिया के क्षेत्र में उनकी रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का। उन्होंने अपने यह विचार बुधवार को विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव की और से फेक्ट चैकिंग में आ रहे बदलावों पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए।

कुलपति ने फैक्ट चेकिंग के महत्त्व को समझाते हुए कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के विद्यार्थियों में तथ्यों को समझना और उन्हें परखने की कला होना बेहद आवश्यक है। पत्रकारिता के विद्यार्थी भविष्य में एक ऐसा समाज बनाए जहां झूठी खबर का प्रसार और दुष्प्रचार न हो। हम सब की जिम्मेदारी है कि हम एक सूचित और जागरूक समाज बनायें।

कार्यशाला में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, शिक्षक व विद्यार्थी

उन्होंने डिजिटलीकरण के दौर में इस कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए कहा कि विद्यार्थी फैक्ट चेकर के तौर पर भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं। कुलपति ने कहा कि बुधवार सभी के हाथ में मोबाइल आने से सोशल मीडिया की ताकत बढ़ गई है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि नए मीडिया के दौर में फेक्ट चैकिंग एक कॅरियर विकल्प भी है। विद्यार्थी अभ्यास व तकनीकी ज्ञान से अच्छे फेक्ट चैकर बन सकते हैं। जतिन गांधी ने कहा कि सूचनाओं के विस्फोट के दौर में सही व गलत सूचनाओं का पता करना एक चुनौती हो गया है। कार्यशाला का संचालन विभाग के शिक्षक आलेख नायक ने किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. पंकज कुमार, डा. सुरेंद्र कुमार, डा. नीरज कर्ण सिंह व डा. भारती बत्रा समेत विद्यार्थी मौजूद रहे।

सूचना एवं तकनीक के दौर में विश्वसनीय सूचनाओं के लिए तथ्यों की जांच जरूरी: प्रो. टंकेश्वर

■ पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में फैक्ट चैकिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 17 मई (परमजीत, मोहन): सूचना एवं तकनीकी दौर में झूठी व भ्रमित करने वाली सूचनाओं एवं समाचारों से लोगों को बचाने के लिए तथ्यों की जांच समय की जरूरत है। इसके लिए भावी मीडियाकर्मियों को तैयार करने की आवश्यकता है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थी अगर इस कौशल को सीख लें तो मीडिया के क्षेत्र में उनकी रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का।

उन्होंने यह विचार विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव की ओर से फैक्ट चैकिंग में आ रहे बदलावों पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। कुलपति ने विभाग में निरंतर आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं के लिए बधाई देते हुए कहा कि विभाग विद्यार्थियों में कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन प्रयासों से ही विद्यार्थियों को न केवल रोजगार मिलेगा बल्कि वे अपने कार्यक्षेत्र में और अच्छा कर सकेंगे।

कुलपति ने फैक्ट चेकिंग के महत्व को समझाते हुए कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के विद्यार्थियों में तथ्यों को समझना और उन्हें परखने की कला होना बेहद आवश्यक है। पत्रकारिता के विद्यार्थी भविष्य में एक ऐसा समाज बनाए जहां झूठी खबर का प्रसार और दुष्प्रचार न हो। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम एक सूचित और जागरूक समाज बनाआ।

उन्होंने डिजिटलीकरण के दौर में इस कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए कहा कि विद्यार्थी फैक्ट चैकर के तौर पर भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं।

कुलपति ने कहा कि आज सभी के हाथ में मोबाइल आने से सोशल मीडिया की ताकत बढ़ गई है। हर व्यक्ति किसी न किसी तरह का कंटैंट जनरेट कर रहा है। इस कंटैंट में बड़ी संख्या में ऐसी सूचनाएं एवं समाचार है जो लोगों को भ्रमित करते हैं। इसलिए ही फैक्ट चैकिंग जरूरी है।

कार्यशाला में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, शिक्षक व विद्यार्थी। (मोहन)

सूचनाओं के विस्फोट के दौर में सही व गलत का पता करना एक चुनौती

जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि नए मीडिया के दौर में फैक्ट चैकिंग एक करियर विकल्प भी है। विद्यार्थी अभ्यास व तकनीकी ज्ञान से अच्छे फैक्ट चैकर बन सकते हैं।

मुख्य वक्ता एवं न्यू मीडिया कार्यकारी संपादक एवं फैक्ट चैकर जतिन गांधी ने कहा कि सूचनाओं के विस्फोट के दौर में सही व गलत सूचनाओं का पता करना एक चुनौती हो गया है, जब तक सही सूचनाएं लोगों तक पहुंचती है, भ्रमित करने वाली जानकारियां लोगों को भ्रमित कर चुकी होती हैं।

डिजिटल मीडिया के कंटैंट के सत्यापन के लिए देश में बड़ी संख्या में फैक्ट चैकर की जरूरत है, जिस गति के साथ डिजिटल कंटैंट व यूजर बढ़ रहा है उसी गति से फैक्ट चैकिंग साइट व फैक्ट चैकर्स का बढ़ना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि भारत में इस समय केवल 18 ऐसे संस्थान हैं जो इंटरनेशनल फैक्ट चैकिंग नैटवर्क से सम्बद्ध हैं। फैक्ट चैकिंग के क्षेत्र में पिछले 5 सालों में रोजगार के अवसरों में भारी बढ़ौतरी हुई है। ऐसे में पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इस नए क्षेत्र का लाभ उठाने की जरूरत है।

उन्होंने वायरल हुई गलत तस्वीरों और फेक वीडियो को दिखाया और उनकी सही जांच करने के तरीके भी सिखाए। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया।

हकेवि में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

महेंद्रगढ़ (नीरज कौशिक)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र ही स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ह्यस्टार्टह्य कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं। यहां बता दें कि स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा। विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि ह्यस्टार्टह्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा। अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन, विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी और विद्यार्थियो को उनकी योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

'स्टार्ट' दिखाएगा इसरो की राह

हकेंवि में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र, ऑनलाइन प्रशिक्षण हो सकेगा उपलब्ध

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में इस केंद्र की स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि स्टार्ट कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं। यहां बता दें कि स्पेस

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा।

स्टार्ट कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा

विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणाम स्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि स्टार्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा। अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन, विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी और विद्यार्थियों को उनकी योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र ही स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि 'स्टार्ट' कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य- पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बता दें कि स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है। जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा।

विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है। जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि 'स्टार्ट' प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा।

हकेंवि में स्थापित होगा इसरो के स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलाजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र ही स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह आनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि 'स्टार्ट' कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनामी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बता दें कि स्पेस साइंस एंड टेक्नोलाजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भवन का दृश्य

उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रास-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा।

विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डा. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डा. यादव ने बताया कि 'स्टार्ट' प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा। अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन, विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी और विद्यार्थियों को उनकी योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

हकेंवि में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

विद्यार्थियों को योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में मिलेगा सहयोग

महेंद्रगढ़, 18 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टैक्नोलॉजी अवेयरनैस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र की स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि 'स्टार्ट' कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमैंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

यहां बता दें कि स्पेस साइंस एंड टैक्नोलॉजी अवेयरनैस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है।

विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है।

डॉ. यादव ने बताया कि 'स्टार्ट' प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा। अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन, विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी और विद्यार्थियों को उनकी योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा।

हकेवि में प्रवसन की लोक संस्कृति विषय पर व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में प्रवसन की लोक संस्कृति विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस व्याख्यान में डॉ.एस.आर.के. आर्ट्स कॉलेज यानम, पांडिचेरी के डॉ. धनंजय सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन के लिए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को विषय को समझने में मदद मिलेगी।

आयोजन की शुरूआत में कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कमलेश कुमारी ने विषय की गंभीरता का उल्लेख करते हुए कहा कि आज जिस प्रकार प्रवासी श्रमिक जो कि भारत से विदेश गए वे अपनी लोक संस्कृति को लेकर वहीं बस गए और उन्होंने उस लोक संस्कृति को आज भी बचा कर रखा हुआ है। मुख्य वक्ता डॉ. धनंजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विस्थापन विश्व की बड़ी समस्या है और भारत में भी विस्थापन का एक दौर था जब मनुष्य अपनी आजीविका की तलाश में अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास कर रहा था। इस प्रक्रिया में लोग अपनी व्यक्तिगत सामाजिकता, आचार-विचार, घर परिवार, भाषा व संस्कृति इत्यादि के साथ प्रवास करते रहे हैं । इस प्रवसन चक्र के जरिए वे लोग समुदाय, जाति, धर्म, देश- प्रदेश की संस्कृति और सभ्यता इत्यादि को प्रभावित करते चलते हैं और कई बार उनसे प्रभावित भी होते हैं यह पारस्परिक आदान-प्रदान की निरंतर प्रक्रिया है। हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोधार्थी रोबिन ने किया। कार्यक्रम में विभाग के सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु, सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. रीना स्वामी एवम् विभाग के स्नातकोत्तर साहित्य तथा अनुवाद के विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि के साथ हुआ आदर्श महिला महाविद्यालय का एमओयू समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर, विद्यार्थी-शिक्षक मिलकर करेंगे अध्ययन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ व आदर्श महिला महाविद्यालय, भिवानी अब अध्ययन, अध्यापन व अनुसंधान के मोर्चे पर मिलकर कार्य करेंगे। इस सबंध में दोनों ही संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हकेवि की ओर से कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व आदर्श महिला महाविद्यालय, भिवानी की ओर से महाविद्यालय की प्राचार्या सुश्री रचना अरोड़ा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर हकेवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, वित्त अधिकारी डॉ. विकास गर्ग, सहायक कुलसचिव श्री जितेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में यह समझौता अहम भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी इस करार को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे समझौता ज्ञापन निश्चित ही दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों व शिक्षकों के कौशल विकास में मददगार साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय न केवल विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर पर विकास करता है, बल्कि उन्हें दूसरी संस्कृति और संस्कारों से भी जोड़ता है। युवा पीढ़ी को संस्कारित करना किसी भी शिक्षण संस्थान का उद्देश्य होना चाहिए। इस पर हकेवि खरा उतरता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने परिसर से बाहर निकलकर दूसरे परिसर में जाकर पढ़ने और पढ़ाने के लिए सकारात्मक रहना चाहिए। एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेना व उससे सीखना तभी संभव हो सकता है, जब हम अपनी संस्कृति के साथ दूसरी संस्कृति में बिना किसी झिझक और सहज भाव से घुल-मिल सकें। अनुशासन विद्यार्थी और शिक्षक दोनों के लिए जरूरी है। सीखने की सबसे पहली सीढ़ी अनुशासन ही है। जहां इसकी कमी

होगी, वहां पर सीखने की गुंजाइश भी कम होगी। आदर्श महिला महाविद्यालय के महासचिव अशोक बुवानीवाला ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के साथ समझौता करके उन्हें बेहद खुशी हुई है। छात्राओं और अपने शिक्षकों के हित में जो भी कदम उठाए जा सकते हैं, महाविद्यालय परिवार इसके लिए सदा अग्रणी रहता है। छात्राओं की गुणवत्तापरक व रोजगार परक शिक्षा पर तो ध्यान देते ही हैं, साथ ही शिक्षकों को अपडेट रखने के लिए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम भी करते रहते हैं, जिससे कि उनका ज्ञान और अधिक बढ़े। क्योंकि एक व्यक्ति जीवनभर सीखता है। महाविद्यालय प्राचार्या रचना अरोड़ा ने कहा कि आदर्श महिला महाविद्यालय ने सदा ही एक आदर्श स्थापित किया है। ग्रामीण अंचल की बेटियों की उच्च शिक्षा का यह महत्त्वपूर्ण केंद्र है। समझौता ज्ञापन कार्यक्रम में महाविद्यालय की ओर से महाविद्यालय महासचिव अशोक बुवानीवाला के साथ प्राचार्या रचना अरोड़ा वाणिज्य विभाग से नीरू चावला, डॉ. अमिता गाबा व अनीता वर्मा उपस्थित रहे ।

विद्यार्थी व शिक्षक मिलकर करेंगे अध्ययन

हकेंवि के साथ हुआ आदर्श महिला महाविद्यालय भिवानी का एमओयू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ व आदर्श महिला महाविद्यालय, भिवानी अब अध्ययन, अध्यापन व अनुसंधान के मोर्चे पर मिलकर कार्य करेंगे।

इस संबंध में दोनों संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हकेंवि की ओर से कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व आदर्श महिला महाविद्यालय भिवानी की ओर से प्राचार्य रचना अरोड़ा ने हस्ताक्षर किए। हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, वित्त अधिकारी डॉ. विकास गर्ग, सहायक कुलसचिव जितेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में यह समझौता अहम भूमिका निभाएगा। सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि ऐसे समझौता ज्ञापन निश्चित ही दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों व शिक्षकों के कौशल विकास में मददगार साबित होते हैं। विश्वविद्यालय न केवल विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर पर विकास करता है

हस्ताक्षर के बाद हकेंवि की सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव व आदर्श महिला महाविद्यालय के महासचिव अशोक बुवानीवाला, हकेंवि कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य। संवाद

बल्कि उन्हें दूसरी संस्कृति और संस्कारों से भी जोड़ता है। युवा पीढ़ी को संस्कारित करना किसी भी शिक्षण संस्थान का उद्देश्य होना चाहिए। इस पर हकेंवि खरा उतरता है। हमें अपने परिसर से बाहर निकलकर दूसरे परिसर में जाकर पढ़ने और पढ़ाने के लिए सकारात्मक रहना चाहिए।

आदर्श महिला महाविद्यालय के महासचिव अशोक बुवानीवाला ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के साथ समझौता करके उन्हें खुशी हुई है। छात्राओं और अपने शिक्षकों के हित में जो भी कदम उठाए जा सकते हैं महाविद्यालय परिवार इसके लिए सदा अग्रणी रहता है।

समझौता ज्ञापन कार्यक्रम में महाविद्यालय की ओर से महाविद्यालय महासचिव अशोक बुवानीवाला के साथ प्राचार्य रचना अरोड़ा, वाणिज्य विभाग से नीरू चावला, डॉ. अमिता गाबा व अनीता वर्मा उपस्थित रहे ।

प्रवसन की लोक संस्कृति विषय पर व्याख्यान किया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में प्रवसन की लोक संस्कृति विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान किया गया। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान में डॉ. एसआरके आर्ट्स कॉलेज यानम पांडिचेरी के डॉ. धनंजय सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को विषय को समझने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कमलेश कुमारी ने कहा कि आज जिस प्रकार प्रवासी श्रमिक जो कि देश से विदेश गए वे अपनी लोक संस्कृति को लेकर वहीं बस गए और उन्होंने उस लोक संस्कृति को आज भी बचा कर रखा हुआ है। मुख्य वक्ता डॉ. धनंजय सिंह ने कहा कि विस्थापन विश्व की बड़ी समस्या है और देश में भी विस्थापन का एक दौर था जब मनुष्य अपनी आजीविका की तलाश में अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास कर रहा था। इस प्रक्रिया में लोग अपनी व्यक्तिगत सामाजिकता, आचार- विचार, घर परिवार, भाषा व संस्कृति इत्यादि के साथ प्रवास करते रहे हैं।

हकेवि में प्रवसन की लोक संस्कृति विषय पर व्याख्यान का आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में प्रवसन की लोक संस्कृति विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस व्याख्यान में डॉ. एस. आर. के. आर्ट्स कॉलेज यानम, पांडिचेरी के डॉ. धनंजय सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन के लिए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को विषय को समझने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कमलेश कुमारी ने विषय की गंभीरता का उल्लेख करते हुए कहा कि आज प्रवासी श्रमिक जो कि भारत से विदेश गए वे अपनी लोक संस्कृति को लेकर वहीं बस गए और उन्होंने उस लोक संस्कृति को आज भी बचा कर रखा हुआ है। मुख्य वक्ता डॉ. धनंजय सिंह ने कहा कि विस्थापन विश्व की बड़ी समस्या है और भारत में भी विस्थापन का एक दौर था, जब मनुष्य अपनी आजीविका की तलाश में अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास कर रहा था। उन्होंने अपने संबोधन में प्रवसन की लोक संस्कृति के विषय में विस्तार से चर्चा की।

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभागाध्यक्ष प्रो.बीर पाल सिंह यादव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोधार्थी रोबिन ने किया। कार्यक्रम में विभाग के सह आचार्य डॉ.कामराज सिंधु, सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. रीना स्वामी एवं विभाग के स्नातकोत्तर साहित्य तथा अनुवाद के विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
20 May 2023

हकेंवि में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित किया जाएगा। विवि में इस केंद्र की स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि स्टार्ट कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा।

- विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार बोले स्टार्ट कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा

इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा। विवि में इस कार्यक्रम के समंवयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अंवेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित व्याख्यानों का आयोजन होगा।

पंजाब केसरी
SAT,20 MAY 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में

हकेंवि व आदर्श महिला महाविद्यालय भिवानी ने साइन किया 'एम.ओ.यू.'

■ **विद्यार्थी, शिक्षक मिलकर करेंगे अध्ययन, अध्यापन**

महेंद्रगढ़, 19 मई, (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ व आदर्श महिला महाविद्यालय, भिवानी अब अध्ययन, अध्यापन व अनुसंधान के मोर्चे पर मिलकर कार्य करेंगे। इस संबंध में दोनों ही संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

हकेंवि की ओर से कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व आदर्श महिला महाविद्यालय, भिवानी की ओर से महाविद्यालय की प्राचार्या रचना अरोड़ा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, वित्त अधिकारी डॉ. विकास गर्ग, सहायक कुलसचिव जितेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व आदर्श महिला महाविद्यालय के महासचिव अशोक बुवानीवाला, साथ में अन्य। (मोहन)

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में यह समझौता अहम भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी इस करार को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे समझौता ज्ञापन निश्चित ही दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों व शिक्षकों के कौशल विकास में मददगार साबित होते हैं।

युवा पीढ़ी को संस्कारित करना हो शिक्षण संस्थान का उद्देश्य

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय न केवल विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर पर विकास करता है, बल्कि उन्हें दूसरी संस्कृति और संस्कारों से भी जोड़ता है। युवा पीढ़ी को संस्कारित करना किसी भी शिक्षण संस्थान का उद्देश्य होना चाहिए। इस पर हकेंवि खरा उतरता है।

आदर्श महिला महाविद्यालय के महासचिव अशोक बुवानीवाला ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ के साथ समझौता करके उन्हें बेहद खुशी हुई है। छात्राओं और अपने शिक्षकों के हित में जो भी कदम उठाए जा सकते हैं, महाविद्यालय परिवार इसके लिए सदा अग्रणी रहता है।

उन्होंने यह भी कहा कि हम छात्राओं की गुणवत्तापरक व रोजगार परक शिक्षा पर तो ध्यान देते ही हैं, साथ ही शिक्षकों को अपडेट रखने के लिए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम भी करते रहते हैं, जिससे कि उनका ज्ञान और अधिक बढ़े।

समझौता ज्ञापन कार्यक्रम में महाविद्यालय की ओर से महाविद्यालय महासचिव अशोक बुवानीवाला के साथ प्राचार्या रचना अरोड़ा. वाणिज्य विभाग से नीरू चावला, डॉ. अमिता गाबा व अनीता वर्मा उपस्थित रहे।

हकेवि में साप्ताहिक कार्यशाला की हुई शुरूआत

मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर केंद्रित है कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दैनिक जीवन में विभिन्न स्तर पर गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

कुलपति ने अपने संबोधन में गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के संबंध में कहा कि यह जीवन के हर पहलु में महत्त्वपूर्ण रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर क्षेत्र फिर वह चाहे भौतिकी हो, प्रौद्योगिकी हो या अभियांत्रिकी, सभी में गणित का महत्त्व है और जिस तरह से आज के समय में ओपन सोर्स उपलब्ध हैं, उसे देखते हुए विभिन्न स्तर पर यह महत्त्वपूर्ण मॉडल लाभकारी साबित हो रहे हैं। कुलपति ने विभिन्न क्षेत्रों में इनकी उपयोगिता और इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

कुलपति के संबोधन से पूर्व गणित विभाग में सह आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने साप्ताहिक कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डॉ. शाहजहां ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता एवं प्रो. ए.के. यादव ने कार्यशाला के विषय पर अपने विचार प्रतिभागियों के साथ साझा किए। इसके पश्चात कार्यशाला के पहले तकनीकी सत्र में एनआईटी, रायपुर के प्रो. शारदा नंदन रॉ ने गणितीय मॉडलिंग की बुनियादी अवधारणा तथा विज्ञान व इंजीनियरिंग में इसका प्रभाव विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में एसवीएनआईटी सूरत के प्रो. सुशील कुमार द्वारा स्पेस-टाइम स्यूडो स्पेक्ट्रल विधि का उपयोग करके वेरिएबल-ऑर्डर स्पेस-टाइम फ्रैक्शनल डिफ्यूजन इक्वेशन का संख्यात्मक समाधान पर चर्चा की।

मानसिक संतुलन पर केंद्रित कायार्शाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मानसिक संतुलन एवं मानसिक शक्तियों के विकास पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मस्तिषक विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र कुमार जांगड़ा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि स्वास्थ्य का तात्पर्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य से नहीं है बल्कि इसमें मानसिक स्वास्थ्य भी सम्मिलित है। एक स्वस्थ व्यक्ति वही है जो तन व मन दोनों प्रकार से स्वस्थ हो। उन्होंने युवाओं को मानसिक अवसाद से बाहर निकालने में परिवार के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका को भी महत्त्वपूर्ण बताया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव कहा कि विद्यार्थियों के लिए स्मृति सम्बन्धित दक्षता चमत्कार साबित हो सकती है। उन्होंने उनके जीवन में स्मृति को बढ़ाने वाली तकनीकों को जानने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने सम्बोधन में स्मृति की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की और इसकी दक्षता को हासिल करने हेतु विभिन्न विधियों पर जोर दिया। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल ने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. जितेंद्र कुमार जांगड़ा ने कहा कि अपने शोध व उनके परिणामों पर विस्तृत चर्चा करते की। उन्होंने मानसिक संतुलन, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ाने, ब्रेन वेव्स स्कैनिंग, याद रखने की कला, दिमाग को तेज करने की विधियां आदि को बढ़ाने के लिए व्यवहारिक विधियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। डॉ. जांगड़ा ने बताया कि कैसे हम मानसिक शक्तियों को जागृत करके जिससे मुश्किल कामों को भी आसानी से कर सकते है। उन्होंने बताया कि कैसे हम मानसिक शक्तियों को जागृत करके मुश्किल कामों को भी काफी आसानी से कर सकते हैं। आज के समय में युवाओं में करियर के प्रति जागरूकता व बढ़ती हुई बेचैनी को देखते हुए उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों कैसे व्यवसायिक जीवन चुनकर, अध्ययन का आसान एवं प्रभावी तरीका अपनाकर एवं एकाग्रता बढ़ाकर जीवन में सफलता की राह पर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने बाएं और दाएं दिमाग के संतुलन की कुछ विधियों पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों से एकाग्रचित्त होकर कार्य करने की व्यावहारिक विधियों का प्रशिक्षण भी दिया। कार्यशाला में प्रो. वी.एन. यादव, डॉ. विष्णु कुचेरिया, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. मोना शर्मा सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि

मानसिक संतुलन पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

मानसिक शक्तियों को जागृत करें : डॉ. जितेंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मानसिक संतुलन एवं मानसिक शक्तियों के विकास पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में मस्तिषक विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र कुमार जांगड़ा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य का तात्पर्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य से नहीं है बल्कि इसमें मानसिक स्वास्थ्य भी सम्मिलित है।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव कहा कि विद्यार्थियों के लिए स्मृति संबंधित दक्षता चमत्कार साबित हो सकती है। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल ने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। डॉ. जितेंद्र कुमार जांगड़ा ने बताया कि कैसे हम मानसिक शक्तियों को जागृत करके जिससे मुश्किल कामों को भी आसानी से कर सकते है।

हकेंवि में कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक व विद्यार्थी। संवाद

गणित विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला लगाई

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर साप्ताहिक ऑनलाइन कार्यशाला लगाई गई। गणित विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दैनिक जीवन में विभिन्न स्तर पर गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर क्षेत्र फिर वह चाहे भौतिकी हो, प्रौद्योगिकी हो या अभियांत्रिकी, सभी में गणित का महत्त्व है।

मानसिक संतुलन व एकाग्रता बढ़ाने की व्यवहारिक विधियां बताईं

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्याल में हुई मानसिक संतुलन पर केंद्रित कार्याशाला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में मानसिक संतुलन एवं मानसिक शक्तियों के विकास पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मस्तिष्क विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र कुमार जांगड़ा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि स्वास्थ्य का तात्पर्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य से नहीं है बल्कि इसमें मानसिक स्वास्थ्य भी सम्मिलित है। एक स्वस्थ व्यक्ति वही है जो तन व मन दोनों प्रकार से स्वस्थ हो। उन्होंने युवाओं को मानसिक अवसाद से बाहर निकालने में परिवार के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका को भी महत्त्वपूर्ण बताया।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव कहा कि विद्यार्थियों के लिए स्मृति सम्बन्धित दक्षता चमत्कार साबित हो सकती है।

कार्यशाला में उपस्थित मनोवैज्ञानिक, प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी।

उन्होंने उनके जीवन में स्मृति को बढ़ाने वाली तकनीकों को जानने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्मृति की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की और इसकी दक्षता को हासिल करने हेतु विभिन्न विधियों पर जोर दिया। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल ने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. जितेंद्र कुमार जांगड़ा ने कहा कि अपने शोध व उनके परिणामों पर विस्तृत चर्चा करते की। उन्होंने मानसिक संतुलन, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ाने, ब्रेन वेव्स स्कैनिंग, याद रखने की कला, दिमाग को तेज करने की विधियां आदि को बढ़ाने के लिए व्यवहारिक विधियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में प्रो. वी.एन. यादव, डॉ. विष्णु कुचेरिया, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. मोना शर्मा सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

इधर, गणित विभाग की साप्ताहिक कार्यशाला शुरू

गणितीय मॉडलिंग की बुनियादी अवधारणा पर की चर्चा

महेंद्रगढ़ | हकेवि में सोमवार को मैथमेटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दैनिक जीवन में विभिन्न स्तर पर गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

कुलपति के संबोधन से पूर्व गणित विभाग में सह आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने साप्ताहिक कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डॉ. शाहजहाँ ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता एवं प्रो. ए.के. यादव ने कार्यशाला के विषय पर अपने विचार प्रतिभागियों के साथ साझा किए। इसके पश्चात कार्यशाला के पहले तकनीकी सत्र में एनआईटी, रायपुर के प्रो. शारदा नंदन रॉ ने गणितीय मॉडलिंग

की बुनियादी अवधारणा तथा विज्ञान व इंजीनियरिंग में इसका प्रभाव विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में एसवीएनआईटी सूरत के प्रो. सुशील कुमार द्वारा स्पेस-टाइम स्यूडो स्पेक्ट्रल विधि का उपयोग करके वेरिएबल-ऑर्डर स्पेस-टाइम फ्रेक्शनल डिफ्यूजन इक्वेशन का संख्यात्मक समाधान पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी सुश्री पारुल पुनिया ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य व आयोजन सचिव डॉ. पवन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. अरुण काजला, डॉ. जगजीत और सांख्यिकी विभाग के डॉ. रविंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

'परिवार के साथ शिक्षकों की भूमिका भी अहम'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मानसिक संतुलन एवं मानसिक शक्तियों के विकास पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मस्तिष्क विशेषज्ञ डा. जितेंद्र कुमार जांगड़ा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि स्वास्थ्य का तात्पर्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य से नहीं है बल्कि इसमें मानसिक स्वास्थ्य भी सम्मिलित है। एक स्वस्थ व्यक्ति वही है जो तन व मन दोनों प्रकार से स्वस्थ हो। उन्होंने युवाओं को मानसिक अवसाद से बाहर निकालने में परिवार के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका को भी महत्त्वपूर्ण बताया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

कार्यशाला में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव कहा कि विद्यार्थियों के लिए स्मृति संबंधित दक्षता चमत्कार साबित हो सकती है। उन्होंने उनके जीवन में स्मृति को बढ़ाने वाली तकनीकों को जानने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में स्मृति की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की और इसकी दक्षता को हासिल करने हेतु विभिन्न विधियों पर जोर दिया। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल ने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. जितेंद्र कुमार जांगड़ा ने कहा कि अपने शोध व उनके परिणामों पर विस्तृत चर्चा करते की। उन्होंने मानसिक संतुलन, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ाने, ब्रेन वेव्स स्कैनिंग, याद रखने की कला, दिमाग को तेज करने की विधियां आदि को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक विधियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। डा. जांगड़ा ने बताया कि कैसे हम मानसिक शक्तियों को जागृत करके जिससे मुश्किल कामों को भी आसानी से कर सकते है। उन्होंने बताया कि कैसे हम मानसिक शक्तियों को जागृत करके मुश्किल कामों को भी काफी आसानी से कर सकते हैं। आज के समय में युवाओं में करियर के प्रति जागरूकता व बढ़ती हुई बेचैनी को देखते हुए उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों कैसे व्यवसायिक जीवन चुनकर, अध्ययन का आसान एवं प्रभावी तरीका अपनाकर एवं एकाग्रता बढ़ाकर जीवन में सफलता की राह पर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने बाएं और दाएं दिमाग के संतुलन की कुछ विधियों पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों से एकाग्रचित्त होकर कार्य करने की व्यावहारिक विधियों का प्रशिक्षण भी दिया। कार्यशाला में प्रो. वीएन यादव, डा. विष्णु कुचेरिया, डा. प्रदीप कुमार, डा. मोना शर्मा सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक और विद्यार्थी

हकेंवि में साप्ताहिक कार्यशाला

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दैनिक जीवन में विभिन्न स्तर पर गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति ने गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के संबंध में कहा कि यह जीवन के हर पहलू में महत्वपूर्ण रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर क्षेत्र फिर वह चाहे भौतिकी हो, प्रौद्योगिकी हो या अभियांत्रिकी, सभी में गणित का महत्व है । कुलपति के संबोधन से पूर्व गणित विभाग में सह आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने साप्ताहिक कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डॉ. शाहजहां ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी सुश्री पारुल पुनिया ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य व आयोजन सचिव डॉ. पवन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. अरुण कादला, डॉ. जगजीत और डॉ. रविंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 23 May 2023
https://epaper.dainiktribur

हकेवि में साप्ताहिक कार्यशाला की हुई शुरूआत

मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर केंद्रित है कार्यशाला

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दैनिक जीवन में विभिन्न स्तर पर गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

कुलपति ने अपने संबोधन में गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के संबंध में कहा कि यह जीवन के हर पहलु में महत्त्वपूर्ण रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर क्षेत्र फिर वह चाहे भौतिकी हो, प्रौद्योगिकी हो या अभियांत्रिकी, सभी में गणित का महत्त्व है और जिस तरह से आज के समय में ओपन सोर्स उपलब्ध हैं, उसे देखते हुए विभिन्न स्तर पर यह महत्त्वपूर्ण मॉडल लाभकारी साबित हो रहे हैं। कुलपति ने विभिन्न क्षेत्रों में इनकी उपयोगिता और इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

कुलपति के संबोधन से पूर्व गणित विभाग में सह आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने साप्ताहिक कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डॉ. शाहजहाँ ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता एवं प्रो. ए.के. यादव ने कार्यशाला के विषय पर अपने विचार प्रतिभागियों के साथ साझा किए। इसके पश्चात कार्यशाला के पहले तकनीकी सत्र में एनआईटी, रायपुर के प्रो. शारदा नंदन रॉ ने गणितीय मॉडलिंग की बुनियादी अवधारणा तथा विज्ञान व इंजीनियरिंग में इसका प्रभाव विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में एसवीएनआईटी सूरत के प्रो. सुशील कुमार द्वारा स्पेस-टाइम स्यूडो स्पेक्ट्रल विधि का उपयोग करके वेरिएबल-ऑर्डर स्पेस-टाइम फ्रैक्शनल डिफ्यूजन इक्वेशन का संख्यात्मक समाधान पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी सुश्री पारुल पुनिया ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य व आयोजन सचिव डॉ. पवन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. अरुण काजला, डॉ. जगजीत और सांख्यिकी विभाग के डॉ. रविंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

One Week online workshop started at CUH

Manish Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : The inaugural session of One Week Online National Workshop on Mathematical Modelling with Simulation in Applied Sciences was held online mode in the Department of Mathematics Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Monday. In the inaugural session Dr. Jitendra Kumar Associate Professor and Convener of the workshop presented a brief about the workshop. Dr. Shah Jahan Assistant Professor Organizing Secretary of the workshop introduced Chief guest of the event Vice Chancellor Professor Tankeshwar Kumar. Prof. Tankeshwar Kumar addressed the participants and stress about the importance of Mathematical Modelling and Simulation in day-to-day life. Mathematical modelling and simulation plays an important role in every aspect of life as an example you can't test the bridge durability after its construction but you can do this in advance with the help of modelling and simulation. In last, Vice Chancellor wish all the participant that they will learn new concepts and techniques after completing this workshop. Professor Rajesh Kumar Gupta, HOD and Professor A.K. Yadav shared their views on the theme of the workshop. Dr. Pwan Kumar Assistant professor and organizing secretary gave the vote of thanks. Research Scholars Ms. Parul Punia was the moderator and all other research scholars participated in the workshop. Dr. Arun kajla, Dr. Jagjeet, Dr. Ravinder Singh were also present in the event. First technical session was taken by Prof. Sharada Nandan Raw, NIT Raipur on the topic (Basic Concept of Mathematical Modelling and its Glimpse in Science and Engineering. The 2nd technical session was taken by Prof. Sushil Kumar, SVNIT Surat on the topic numerical solution of variable-order space-time fractional diffusion equation using space-time pseudo spectral method.

हकेवि में साप्ताहिक कार्यशाला की हुई शुरूआत

खोजी/मनोज गोयल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दैनिक जीवन में विभिन्न स्तर पर गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

कुलपति ने अपने संबोधन में गणितीय मॉडल और सिमुलेशन के संबंध में कहा कि यह जीवन के हर पहलु में महत्त्वपूर्ण रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर क्षेत्र फिर वह चाहे भौतिकी हो, प्रौद्योगिकी हो या अभियांत्रिकी, सभी में गणित का महत्त्व है और जिस तरह से आज के समय में ओपन सोर्स उपलब्ध हैं, उसे देखते हुए विभिन्न स्तर पर यह महत्त्वपूर्ण मॉडल लाभकारी साबित हो रहे हैं। कुलपति ने विभिन्न क्षेत्रों में इनकी उपयोगिता और इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

कुलपति के संबोधन से पूर्व गणित विभाग में सह आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने साप्ताहिक कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डॉ. शाहजहाँ ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता एवं प्रो. ए.के. यादव ने कार्यशाला के विषय पर अपने विचार प्रतिभागियों के साथ साझा किए। इसके पश्चात कार्यशाला के पहले तकनीकी सत्र में एनआईटी, रायपुर के प्रो. शारदा नंदन रॉ ने गणितीय मॉडलिंग की बुनियादी अवधारणा तथा विज्ञान व इंजीनियरिंग में इसका प्रभाव विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में एसवीएनआईटी सूरत के प्रो. सुशील कुमार द्वारा स्पेस-टाइम स्यूडो स्पेक्ट्रल विधि का उपयोग करके वेरिएबल-ऑर्डर स्पेस-टाइम फ्रैक्शनल डिफ्यूजन इक्वेशन का संख्यात्मक समाधान पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी सुश्री पारुल पुनिया ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य व आयोजन सचिव डॉ. पवन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. अरुण काजला, डॉ. जगजीत और सांख्यिकी विभाग के डॉ. रविंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

मानसिक संतुलन पर केंद्रित कार्याशाला का आयोजन

युवाओं को 'मानसिक अवसाद' से बाहर निकालने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक व विद्यार्थी। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 22 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मानसिक संतुलन एवं मानसिक शक्तियों के विकास पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मस्तिष्क विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र कुमार जांगड़ा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि स्वास्थ्य का तात्पर्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य से नहीं है बल्कि इसमें मानसिक स्वास्थ्य भी सम्मिलित है। एक स्वस्थ व्यक्ति वही है जो तन व मन दोनों प्रकार से स्वस्थ हो।

उन्होंने युवाओं को मानसिक अवसाद से बाहर निकालने में परिवार के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव कहा कि विद्यार्थियों के लिए स्मृति सम्बन्धित दक्षता चमत्कार साबित हो सकती है। उन्होंने उनके जीवन में स्मृति को बढ़ाने वाली तकनीकों को जानने पर बल दिया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में स्मृति की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की और इसकी दक्षता को हासिल करने हेतु विभिन्न विधियों पर जोर दिया।

प्रतिभागियों को एकाग्रचित होकर कार्य करने की व्यावहारिक विधियों का दिया प्रशिक्षण

डॉ. जांगड़ा ने बताया कि कैसे हम मानसिक शक्तियों को जागृत करके जिससे मुश्किल कामों को भी आसानी से कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे हम मानसिक शक्तियों को जागृत करके मुश्किल कामों को भी काफी आसानी से कर सकते हैं।

आज के समय में युवाओं में करियर के प्रति जागरूकता व बढ़ती हुई बेचैनी को देखते हुए उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों कैसे व्यावसायिक जीवन चुनकर, अध्ययन का आसान एवं प्रभावी तरीका अपनाकर एवं एकाग्रता बढ़ाकर जीवन में सफलता की राह पर अग्रसर हो सकते हैं।

उन्होंने बाएं और दाएं दिमाग के संतुलन की कुछ विधियों पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों से एकाग्रचित होकर कार्य करने की व्यावहारिक विधियों का प्रशिक्षण भी दिया। कार्यशाला में प्रो. वी.एन. यादव, डॉ. विष्णु कुचेरिया, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. मोना शर्मा सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल ने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. जितेंद्र कुमार जांगड़ा ने कहा कि अपने शोध व उनके परिणामों पर विस्तृत चर्चा करते की। उन्होंने मानसिक संतुलन, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ाने, ब्रेन वेव्स स्कैनिंग, याद रखने की कला, दिमाग को तेज करने की विधियां आदि को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक विधियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

शिक्षा

हकेंवि में सात दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रो. बंसल, प्रो. पंवार व डॉ. सचिन कुमार ने दी जानकारी

विद्यार्थियों को गणित विषय की बारीकियों से करवाया अवगत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के दूसरे दिन का योजन किया गया।

पहले तकनीकी सत्र में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. जेसी बंसल ने कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस-बेस्ड ऑप्टिमाइजेशन मेथड्स विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. बंसल ने कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, विधियों और उनके अनुप्रयोगों के संबंध में अवगत कराया। इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी के सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. एमएस पंवार ने सिमुलेशन विश्लेषण विषय पर अनुप्रयोगों के साथ सिमुलेशन पर प्रकाश डाला। दूसरे दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सहायक आचार्य के डॉ. सचिन कुमार ने विभिन्न समाधानों का गतिशील विश्लेषण और (2$1) -आयामी संशोधित फैलाव जल तरंग समीकरणों की प्रणाली के लिए सामान्यीकृत अपरिवर्तनीय समाधान विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यशाला में गणित विभाग के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

डॉ. मोना शर्मा की संपादित पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग, मुंबई की डॉ. हेमा दीवान द्वारा संपादित व कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके द्वारा प्रकाशित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंटः द सर्कुलर इकोनोमी नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि यह किताब मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से आज के समय में जारी अर्थव्यवस्था केंद्रित बदलावों जो कि अपशिष्ट संसाधनों से संबद्ध है, को जानने और उनके बेहतर उपयोग से संसाधनों के संरक्षण में मदद मिलेगी। यह पुस्तक शैक्षणिक से लेकर व्यावहारिक क्षेत्र के स्तर पर बेहद उपयोगी है। इस अवसर पर पुस्तक की संपादक डॉ. मोना शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वस्तुओं के उत्पादन और खपत के मॉडल के रूप में वृत्ताकर अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालती है। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर हकेंवि की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेंद्र प्रताप सिंह और पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. मनोज कुमार भी उपस्थित रहे। संवाद

केविवि वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया डॉ. मोना शर्मा की पुस्तक का विमोचन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग, मुंबई की डॉ. हेमा दीवान द्वारा संपादित व कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके द्वारा प्रकाशित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंटः द सर्कुलर इकोनोमी नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि यह किताब मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से आज के समय में जारी अर्थव्यवस्था केंद्रित बदलावों जो कि अपशिष्ट संसाधनों से संबद्ध है, को जानने और उनके बेहतर उपयोग से संसाधनों के संरक्षण में मदद मिलेगी।

पुस्तक की संपादक डॉ. मोना शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वस्तुओं के उत्पादन और खपत के मॉडल के रूप में वृत्ताकार अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालती है। इसमें विभिन्न क्षेत्र जैसे कि पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण, यथासंभव लंबे समय तक मौजूदा उत्पादों का नवीनीकरण प्रमुख हैं। इस अवसर पर हकेवि की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेंद्र प्रताप सिंह और पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस व सिमुलेशन विश्लेषण से अवगत हुए प्रतिभागी

- हकेवि में सात दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रो. बंसल, प्रो. पंवार व डॉ. सचिन कुमार ने किया संबोधित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में सोमवार से शुरू हुई मैथमेटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के दूसरे दिन का पहले तकनीकी सत्र में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. जे.सी. बंसल ने 'कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस-बेस्ड ऑप्टिमाइजेशन मेथड्स' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. बंसल ने कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, विधियों और उनके अनुप्रयोगों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया।

इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. एम.एस. पंवार ने 'सिमुलेशन विश्लेषण' विषय पर बोलते हुए अनुप्रयोगों के साथ सिमुलेशन पर प्रकाश डाला। दूसरे दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सहायक आचार्य के डॉ. सचिन कुमार ने 'विभिन्न समाधानों का गतिशील विश्लेषण और (2+1) -आयामी संशोधित फैलाव जल तरंग समीकरणों की प्रणाली के लिए सामान्यीकृत अपरिवर्तनीय समाधान' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यशाला में गणित विभाग के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग, मुंबई की डा. हेमा दीवान द्वारा संपादित व कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके द्वारा प्रकाशित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट : द सर्कुलर इकोनोमी नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि यह किताब मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से आज के समय में जारी अर्थव्यवस्था केंद्रित बदलावों जो कि अपशिष्ट संसाधनों से संबद्ध है, को जानने और उनके बेहतर उपयोग से संसाधनों के संरक्षण में मदद मिलेगी। यह पुस्तक शैक्षणिक से लेकर व्यावहारिक क्षेत्र के स्तर पर बेहद उपयोगी है। इस अवसर पर पुस्तक की संपादक डा. मोना शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वस्तुओं के उत्पादन और खपत के माडल के रूप में वृत्ताकर अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालती है। इसमें विभिन्न क्षेत्र जैसे कि पुन : उपयोग, पुनर्चक्रण, यथासंभव लंबे समय तक मौजूदा उत्पादों का नवीनीकरण प्रमुख हैं। इस तरह से उत्पादों का जीवन चक्र बढ़ाया जा सकता है।

कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस से अवगत हुए प्रतिभागी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार से शुरू हुई मैथमैटिकल माडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की आनलाइन कार्यशाला के दूसरे दिन मंगलवार को पहले तकनीकी सत्र में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. जेसी बंसल ने 'कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस-बेस्ड आप्टिमाइजेशन मेथड्स' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डा. बंसल ने कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, विधियों और उनके अनुप्रयोगों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. एमएस पंवार ने 'सिमुलेशन विश्लेषण' विषय पर बोलते हुए अनुप्रयोगों के साथ सिमुलेशन पर प्रकाश डाला। दूसरे दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सहायक आचार्य के डा. सचिन कुमार ने 'विभिन्न समाधानों का गतिशील विश्लेषण और आयामी संशोधित फैलाव जल तरंग समीकरणों की प्रणाली के लिए सामान्यीकृत अपरिवर्तनीय समाधान' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यशाला में गणित विभाग के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. मोना शर्मा द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन

महेन्द्रगढ़ स्थित हकेंवि में मंगलवार को पुस्तक का विमोचन करते कुलपति टंकेश्वर कुमार। -निस

महेन्द्रगढ़ (निस): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग, मुंबई की डॉ. हेमा दीवान द्वारा संपादित व कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके द्वारा प्रकाशित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आज विमोचन किया। 'इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट: द सर्कुलर इकॉनमी' नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि यह किताब मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से आज के समय में जारी अर्थव्यवस्था केंद्रित बदलावों जो कि अपशिष्ट संसाधनों से संबद्ध है, को जानने और उनके बेहतर उपयोग से संसाधनों के संरक्षण में मदद मिलेगी। यह पुस्तक शैक्षणिक से लेकर व्यावहारिक क्षेत्र के स्तर पर बेहद उपयोगी है। इस अवसर पर पुस्तक की संपादक डॉ. मोना शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वस्तुओं के उत्पादन और खपत के मॉडल के रूप में वृत्ताकर अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालती है। पुस्तक के विमोचन अवसर पर हकेंवि की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेंद्र प्रताप सिंह और पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 24 May 2023
https://epaper.dainiktribu

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

- डॉ. मोना शर्मा द्वारा संपादित पुस्तक शैक्षणिक से लेकर व्यावहारिक क्षेत्र के स्तर पर बेहद उपयोगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। पुस्तक का विमोचन करते प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग, मुंबई की डॉ. हेमा दीवान द्वारा संपादित व कैमब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके द्वारा प्रकाशित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंटः द सर्कुलर इकोनोमी नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि यह किताब मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से आज के समय में जारी अर्थव्यवस्था केंद्रित बदलावों जो कि अपशिष्ट संसाधनों से संबद्ध है, को जानने और उनके बेहतर उपयोग से संसाधनों के संरक्षण में मदद मिलेगी। यह पुस्तक शैक्षणिक से लेकर व्यवहारिक क्षेत्र के स्तर पर बेहद उपयोगी है। इस अवसर पर पुस्तक की संपादक डॉ. मोना शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वस्तुओं के उत्पादन और खपत के मॉडल के रूप में वृत्ताकर अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालती है। इसमें विभिन्न क्षेत्र जैसे कि पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण, यथा संभव लंबे समय तक मौजूदा उत्पादों का नवीनीकरण प्रमुख हैं। इस तरह से उत्पादों का जीवन चक्र बढ़ाया जा सकता है ।

"Integrated Waste Management: The Circular Economy" released by Prof. Tankeshwar Kumar

Sanjay Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : The book published by Cambridge Scholars Publishing, UK entitled "Integrated Waste Management: The Circular Economy" edited by Dr. Mona Sharma, Head, Department of Environmental Studies, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh and Dr. Hema Diwan from National Institute of Industrial Engineering, Mumbai, India was released by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the Central University of Haryana. While complimenting the editors, Prof. Tankeshwar Kumar remarked that, this book is very informative and demanding as a circular economy, the need of the hour. This circular economy concept aims at transforming waste back to a resource, by following the trend of extracting, processing, using and then disposing of raw materials, with the vital goal of preserving and conserving natural resources while maintaining the economic growth and minimizing the environmental degradation. This book is very relevant for the academic professionals working in the area of waste management and circular economy. While presenting the first copy of the book to Prof. Tankeshwar Kumar, the Editor of the book, Dr. Mona Sharma mentioned that this book covers the circular economy as a model of production and consumption of the goods, which involves sharing, leasing, repairing, reusing, recycling, refurbishing of existing products as long as possible. In this way, the life cycle of products is extended and minimizes the waste. On this occasion, Prof. Neelam Sangwan, Dean Research and SIAS, Dr. Vikram Singh, Dr. Smita, Dr. Anoop Yadav, Dr. Bhupendra Pratap Singh and Dr. Manoj Kumar from Department of Environmental Studies were also present.

> **IN THIS WAY, THE LIFE CYCLE OF PRODUCTS IS EXTENDED AND MINIMIZES THE WASTE. ON THIS OCCASION, PROF. NEELAM SANGWAN, DEAN RESEARCH AND SIAS, DR. VIKRAM SINGH, DR. SMITA, DR. ANOOP YADAV, DR. BHUPENDRA PRATAP SINGH AND DR. MANOJ KUMAR FROM DEPARTMENT OF ENVIRONMENTAL STUDIES WERE ALSO PRESENT.**

प्रो. टंकेश्वर ने किया मोना द्वारा सम्पादित पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। *(मोहन)*

महेंद्रगढ़, 23 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा व नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग, मुंबई की डा. हेमा दीवान द्वारा संपादित व कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यू.के. द्वारा प्रकाशित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

इंटीग्रेटेड वैस्ट मैनेजमैंट: द सर्कुलर इकोनॉमी नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि यह किताब मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से आज के समय में जारी अर्थव्यवस्था केंद्रित बदलावों जो कि अपशिष्ट संसाधनों से संबद्ध है, को जानने और उनके बेहतर उपयोग से संसाधनों के संरक्षण में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर पुस्तक की संपादक डा. मोना शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वस्तुओं के उत्पादन और खपत के मॉडल के रूप में वृत्ताकर अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालती है। इसमें विभिन्न क्षेत्र जैसे कि पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण, यथासंभव लंबे समय तक मौजूदा उत्पादों का नवीनीकरण प्रमुख हैं। इस तरह से उत्पादों का जीवन चक्र बढ़ाया जा सकता है।

पुस्तक के विमोचन के अवसर पर हकेवि की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, डा. विक्रम सिंह, डा. स्मिता, डा. अनूप यादव, डा. भूपेंद्र प्रताप सिंह और पर्यावरण अध्ययन विभाग के डा. मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

हकेवि में 7 दिवसीय कार्यशाला को प्रो. बंसल ने किया संबोधित

महेंद्रगढ़, 23 मई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार से शुरू हुई मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के दूसरे दिन का पहले तकनीकी सत्र में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. जे.सी. बंसल ने 'कम्प्यूटेशनल इंटैलिजैंस-बैस्ड ऑप्टिमाइजेशन मैथड्स' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के दूसरे दिन उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक एवं विद्यार्थी। (मोहन)

डा. बंसल ने कम्प्यूटेशनल इंटैलिजैंस, विधियों और उनके अनुप्रयोगों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया।इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. एम.एस. पंवार ने 'सिमुलेशन विश्लेषण' विषय पर बोलते हुए अनुप्रयोगों के साथ सिमुलेशन पर प्रकाश डाला।

दूसरे दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सहायक आचार्य के डा. सचिन कुमार ने 'विभिन्न समाधानों का गतिशील विश्लेषण और (2 1) -आयामी संशोधित फैलाव जल तरंग समीकरणों की प्रणाली के लिए सामान्यीकृत अपरिवर्तनीय समाधान' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला में गणित विभाग के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में नैतिकता और नैतिक मूल्यों पर भारतीय लोकाचार पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नीरज कौशिक

हकेवि विशेषज्ञ व्याख्यान देते प्रो. निर्मल कुमार स्वैन।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वैन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस व्याख्यान के माध्यम से प्रो. निर्मल कुमार स्वैन ने छात्रों को नैतिकता के महत्व और इसके निहितार्थों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन के लिए विभाग की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन से अवश्य ही विद्यार्थी शोधार्थी लाभांवित होंगे।

व्याख्यान की शुरूआत में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पाण्डेय ने प्रो. निर्मल कुमार स्वैन का स्वागत किया। प्रो. स्वैन ने नैतिकता और नैतिक मूल्यों को भारतीय लोकाचार, परंपराओं, और संस्कृति के संदर्भ में कहा कि नैतिकता सिर्फ कानूनों और नियमों के पालन से ज्यादा है। भारतीय संस्कृति में नैतिकता और नैतिक मूल्यों का अद्वितीय स्थान है। नैतिकता केवल नियमों और नियमावलियों से ही परिभाषित नहीं होती है, बल्कि यह चरित्र, न्याय के प्रति समर्पण, सामरिकता, और न्यायसंगत आचरण में भी परिलक्षित होती है। हमारी क्षमताओं और हमारे विश्वासों के बीच असंगति होने पर नैतिकता और मूल्य में टकराव होता है। उस समय मूल्यों का चयन चुनौतीपूर्ण होता है। प्रो. स्वैन ने महाभारत और रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि यह उपयोगितावादी और परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि नैतिकता और मूल्यों के टकराव होने पर किस को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रो. स्वैन ने कहा कि हमें नैतिक मूल्यों को सिर्फ बोलने वाली बात नहीं समझनी चाहिए, बल्कि हमें उन्हें अपनी जीवनशैली में समाहित करना चाहिए। व्याख्यान के बाद सवाल जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार ने कहा कि इस व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को नैतिकता और नैतिक मूल्यों के महत्तव को समझने में अवश्य मदद मिलेगी।

भारतीय संस्कृति में नैतिक मूल्यों का अद्वितीय स्थान

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नैतिकता और नैतिक मूल्यों को लेकर भारतीय लोकाचार पर केंद्रित व्याख्यान आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान किया गया। व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वैन विशेषज्ञ वक्ता रहे।

इस व्याख्यान के माध्यम से प्रो. निर्मल कुमार स्वैन ने छात्रों को नैतिकता का महत्व और इसके निहितार्थों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन से अवश्य ही विद्यार्थी शोधार्थी लाभांवित होंगे।

व्याख्यान की शुरूआत में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय ने प्रो. निर्मल कुमार स्वैन का स्वागत किया। प्रो. स्वैन ने नैतिकता और नैतिक मूल्यों को भारतीय लोकाचार, परंपराओं, और संस्कृति के संदर्भ में कहा कि नैतिकता सिर्फ कानूनों और नियमों के पालन से ज्यादा है। भारतीय संस्कृति में नैतिकता और नैतिक मूल्यों का अद्वितीय स्थान है।

नैतिकता केवल नियमों और नियमावलियों से ही परिभाषित नहीं होती है बल्कि यह चरित्र, न्याय के प्रति समर्पण, सामरिकता, और न्यायसंगत आचरण में भी परिलक्षित होती है। प्रो. स्वैन ने महाभारत और रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि यह उपयोगितावादी और परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि नैतिकता और मूल्यों के टकराव होने पर किस को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार ने कहा कि इस व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को नैतिकता और नैतिक मूल्यों के महत्व को समझने में अवश्य मदद मिलेगी।

हकेंवि में व्याख्यान देते प्रो. निर्मल कुमार स्वैन। संवाद

शीतल जल सेवा शिविर में जल वितरण करते विद्यार्थी। संवाद

वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली से अवगत हुए विद्यार्थी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के तीसरे दिन के पहले तकनीकी सत्र में थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला में गणित पीठ के सह आचार्य प्रो. हरीश गर्ग ने निवारक अनुरक्षण निर्धारण और क्रियाएं एक गणितीय दृष्टिकोण विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरे तकनीकी सत्र में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. क्रांति कुमार ने ट्रैफिक फ्लो प्रेडिक्शन जर्नी फ्रॉम मैथमेटिकल मॉडल्स टू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए ट्रैफिक फ्लो मॉडल और दैनिक जीवन में उनकी जरूरतों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसी क्रम में तीसरे तकनीकी सत्र में भारतीय मेट्रोलॉजिकल विभाग, दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. अनिकेंद्र कुमार ने देश में वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली पर केंद्रित व्याख्यान दिया। डॉ. कुमार ने वायु गुणवत्ता के प्रभाव और उनके परिणामों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. अनिल कुमार यादव आदि मौजूद रहे। संवाद

सेवा ही मानव का मूल संस्कार : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में हिंदी विभाग के सौजन्य से शीतल जल सेवा शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी महापुरुषों को अपना प्रेरणास्रोत मान अपने जीवन में सेवा को एक अभिन्न अंग के रूप में धारण करें। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि गुण संपन्न, सामाजिक दायित्व के निर्वहन का बोध रखने वाला व्यक्तित्व निर्माण करना ही नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य है। विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने सेवा के महत्व को विद्यार्थियों से साझा किया। उन्होंने कहा कि सेवा ही मानवमात्र का वह गुण है जो उसे इस धरा पर सबसे अलग और श्रेष्ठ बनाता है। मानव की यही भावना उसका मूल है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता व अंग्रेजी विदेशी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। संवाद

विद्यार्थी अपने जीवन में सेवा को एक अभिन्न अंग के रूप में धारण करें : कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में हिंदी विभाग के सौजन्य से 'शीतल जल सेवा' शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी महापुरुषों को अपना प्रेरणा स्त्रोत मान अपने जीवन में सेवा को एक अभिन्न अंग के रूप में धारण करें। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने नई शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परम्परा से सेवा को जोड़ते हुए कहा कि गुण संपन्न, सामाजिक दायित्व के निर्वहन का बोध रखने वाला व्यक्तित्व निर्माण करना ही नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस पुनीत आयोजन के लिए बधाई दी। विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने सेवा के महत्व को विद्यार्थियों से साझा किया। उन्होंने कहा कि सेवा ही मानवमात्र का वह गुण है जो उसे इस धरा पर सबसे अलग और श्रेष्ठ बनाता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता व अंग्रेजी एवं विदेशी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

भारतीय संस्कृति में नैतिकता का अद्वितीय स्थान

महेंद्रगढ़ | हकेवि के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वैन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस व्याख्यान के माध्यम से प्रो. निर्मल कुमार स्वैन ने छात्रों को नैतिकता के महत्व और इसके निहितार्थों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन के लिए विभाग की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन से अवश्य ही विद्यार्थी शोधार्थी लाभांवित होंगे।

व्याख्यान की शुरुआत में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पाण्डेय ने प्रो. निर्मल कुमार स्वैन का स्वागत किया। प्रो. स्वैन ने नैतिकता और नैतिक मूल्यों को भारतीय लोकाचार, परंपराओं, और संस्कृति के संदर्भ में कहा कि नैतिकता सिर्फ कानूनों और नियमों के पालन से ज्यादा है। भारतीय संस्कृति में नैतिकता और नैतिक मूल्यों का अद्वितीय स्थान है। नैतिकता केवल नियमों और नियमावलियों से ही परिभाषित नहीं होती है, बल्कि यह चरित्र, न्याय के प्रति समर्पण, सामरिकता और न्यायसंगत आचरण में भी परिलक्षित होती है। हमारी क्षमताओं और हमारे विश्वासों के बीच असंगति होने पर नैतिकता और मूल्य में टकराव होता है। उस समय मूल्यों का चयन चुनौतीपूर्ण होता है। प्रो. स्वैन ने महाभारत और रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि यह उपयोगितावादी और परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि नैतिकता और मूल्यों के टकराव होने पर किस को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इनका चयन व्यक्तिगत राय, सामाजिक प्रभाव और अनुभव पर आधारित होता है। प्रो. स्वैन ने कहा कि हमें नैतिक मूल्यों को सिर्फ बोलने वाली बात नहीं समझनी चाहिए, बल्कि हमें उन्हें अपनी जीवनशैली में समाहित करना चाहिए। व्याख्यान के बाद सवाल जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया।

वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली से अवगत हुए विद्यार्थी

महेंद्रगढ़ | हकेविवि महेंद्रगढ़ में सोमवार से शुरू हुई मैथमेटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के तीसरे दिन के पहले तकनीकी सत्र में थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला में गणित पीठ के सह आचार्य प्रो. हरीश गर्ग ने 'निवारक अनुरक्षण निर्धारण और क्रियाएं एक गणितीय दृष्टिकोण' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। दूसरे तकनीकी सत्र में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. क्रांति कुमार ने 'ट्रैफिक फ्लो प्रेडिक्शनः जर्नी फ्रॉम मैथमेटिकल मॉडल्स टू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए ट्रैफिक फ्लो मॉडल और दैनिक जीवन में उनकी जरूरतों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसी क्रम में तीसरे तकनीकी सत्र में भारतीय मेट्रोलॉजिकल विभाग, दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. अनिकेन्द्र कुमार ने 'भारत में वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली' पर केंद्रित व्याख्यान दिया। कार्यशाला में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. पवन कुमार, डॉ. शाहजहां, डॉ. अरुण काजला, डॉ. जगजीत व डॉ. रविंदर सिंह व समस्त शोधार्थी उपस्थित रहे।

नैतिकता और नैतिक मूल्यों पर भारतीय लोकाचार पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वैन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस व्याख्यान के माध्यम से प्रो. निर्मल कुमार स्वैन ने छात्रों को नैतिकता के महत्व और इसके निहितार्थों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन के लिए विभाग की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन से अवश्य ही विद्यार्थी शोधार्थी लाभांवित होंगे। व्याख्यान की शुरूआत में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. श्रीराम पाण्डेय ने प्रो. निर्मल कुमार स्वैन का स्वागत किया। प्रो. स्वैन ने नैतिकता और नैतिक मूल्यों को भारतीय लोकाचार, परंपराओं, और संस्कृति के संदर्भ में कहा कि नैतिकता सिर्फ कानूनों और नियमों के पालन से ज्यादा है। भारतीय संस्कृति में नैतिकता और नैतिक मूल्यों का अद्वितीय स्थान है। नैतिकता केवल नियमों और नियमावलियों से ही परिभाषित नहीं होती है, बल्कि यह चरित्र, न्याय के प्रति समर्पण, सामरिकता, और न्यायसंगत आचरण में भी परिलक्षित होती है। हमारी क्षमताओं और हमारे विश्वासों के बीच असंगति होने पर नैतिकता और मूल्य में टकराव होता है। उस समय मूल्यों का चयन चुनौतीपूर्ण होता है। प्रो. स्वैन ने महाभारत और रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि यह उपयोगितावादी और परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

हकेवि विशेषज्ञ व्याख्यान देते प्रो. निर्मल कुमार स्वैन●

वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली से अवगत हुए विद्यार्थी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सोमवार से शुरू हुई मैथमैटिकल माडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की आनलाइन कार्यशाला के तीसरे दिन के पहले तकनीकी सत्र में थापर इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, पटियाला में गणित पीठ के सह आचार्य प्रो. हरीश गर्ग ने 'निवारक अनुरक्षण निर्धारण और क्रियाएं एक गणितीय दृष्टिकोण' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। दूसरे तकनीकी सत्र में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. क्रांति कुमार ने 'ट्रैफिक फ्लो प्रेडिक्शनः जर्नी फ्राम मैथमेटिकल माडल्स टू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसी क्रम में तीसरे तकनीकी सत्र में भारतीय मेट्रोलाजिकल विभाग, दिल्ली के वैज्ञानिक डा. अनिकेंद्र कुमार ने 'भारत में वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली' पर केंद्रित व्याख्यान दिया।

हकेंवि में नैतिक मूल्यों पर व्याख्यान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रो. निर्मल कुमार स्वैन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस व्याख्यान के माध्यम से प्रो. निर्मल कुमार स्वैन ने छात्रों को नैतिकता के महत्व बताया।

हकेवि में नैतिकता और नैतिक मूल्यों पर भारतीय लोकाचार पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नारनौल, राजेश राज गोयल, 24 मई।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वैन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस व्याख्यान के माध्यम से प्रो. निर्मल कुमार स्वैन ने छात्रों को नैतिकता के महत्व और इसके निहितार्थों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन के लिए विभाग की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन से अवश्य ही विद्यार्थी शोधार्थी लाभांवित होंगे।

व्याख्यान की शुरूआत में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पाण्डेय ने प्रो. निर्मल कुमार स्वैन का स्वागत किया। प्रो. स्वैन ने नैतिकता और नैतिक मूल्यों को भारतीय लोकाचार, परंपराओं, और संस्कृति के संदर्भ में कहा कि नैतिकता सिर्फ कानूनों और नियमों के पालन से ज्यादा है। भारतीय संस्कृति में नैतिकता और नैतिक मूल्यों का अद्वितीय स्थान है। नैतिकता केवल नियमों और नियमावलियों से ही परिभाषित नहीं होती है, बल्कि यह चरित्र, न्याय के प्रति समर्पण, सामरिकता, और न्यायसंगत आचरण में भी

परिलक्षित होती है। हमारी क्षमताओं और हमारे विश्वासों के बीच असंगति होने पर नैतिकता और मूल्य में टकराव होता है। उस समय मूल्यों का चयन चुनौतीपूर्ण होता है। प्रो. स्वैन ने महाभारत और रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि यह उपयोगितावादी और परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि नैतिकता और मूल्यों के टकराव होने पर किस को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इनका चयन व्यक्तिगत राय, सामाजिक प्रभाव और अनुभव पर आधारित होता है।

प्रो. स्वैन ने कहा कि हमें नैतिक मूल्यों को सिर्फ बोलने वाली बात नहीं समझनी चाहिए, बल्कि हमें उन्हें अपनी जीवनशैली में सम्मिलित करना चाहिए। व्याख्यान के बाद सवाल जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार ने कहा कि इस व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को नैतिकता और नैतिक मूल्यों के महत्तव को समझने में अवश्य मदद मिलेगी।

वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली से अवगत हुए विद्यार्थी

महेंद्रगढ़, 24 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार से शुरू हुई मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के तीसरे दिन के पहले तकनीकी सत्र में थापर इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी, पटियाला में गणित पीठ के सह आचार्य प्रो. हरीश गर्ग ने 'निवारक अनुरक्षण निर्धारण और क्रियाएं: एक गणितीय दृष्टिकोण' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

दूसरे तकनीकी सत्र में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. क्रांति कुमार ने 'ट्रैफिक फ्लो प्रेडिक्शन: जर्नी फ्रॉम मैथमैटिकल मॉडल्स टू आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस' विषय पर

कार्यशाला के तीसरे दिन उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक एवं विद्यार्थी। (मोहन)

अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए ट्रैफिक फ्लो मॉडल और दैनिक जीवन में उनकी जरूरतों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

इसी क्रम में तीसरे तकनीकी सत्र में भारतीय मैट्रोलॉजिकल विभाग, दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. अनिकेन्द्र कुमार ने 'भारत में वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली' पर केंद्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. कुमार ने वायु गुणवत्ता के प्रभाव और उनके परिणामों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. पवन कुमार, डॉ. शाहजहां, डॉ. अरुण काजला, डॉ. जगजीत व डॉ. रविंदर सिंह व समस्त शोधार्थी उपस्थित रहे।

पक्षियों संग पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी: प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़: पक्षियों और पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। मनुष्य को प्रकृति में सबसे श्रेष्ठ इसलिए ही समझा जाता है क्योंकि मनुष्य के अंदर स्वयं के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी दया भाव होता है। यही मानवीय संवेदना एवं मूल्य उन्हें अलग पहचान देते हैं। इसलिए हम सभी का यह कर्त्तव्य है कि हम बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी की व्यवस्था करें ताकि गर्मी के इस मौसम में वे सुरक्षित रह सकें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा आयोजित ह्यपक्षी बचाओं-प्रकृति बचाओंह्य अभियान के तहत बर्ड्स फीडर तथा वाटर पोट लगाते हुए व्यक्त किए।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा बर्ड्स फीडर क्लब बनाया हुआ है, जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी, शिक्षक अपनी स्वेच्छा से सहयोग करके पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने बताया कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे जी-20 अभियान को गति प्रदान करने तथा क्षेत्र के लोगों में पक्षियों तथा पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया उत्पन्न करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रमन दीप, डॉ. दिलीप पटेल, सुनील अग्रवाल, संदीप सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

पक्षियों के लिए बर्ड्स फीडर लगाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। आज समाज

सामाजिक समूह को पहचानने की तकनीक से अवगत हुए प्रतिभागी

हकेवि में सात दिवसीय कार्यशाला जारी

आज समाज नेटवर्क

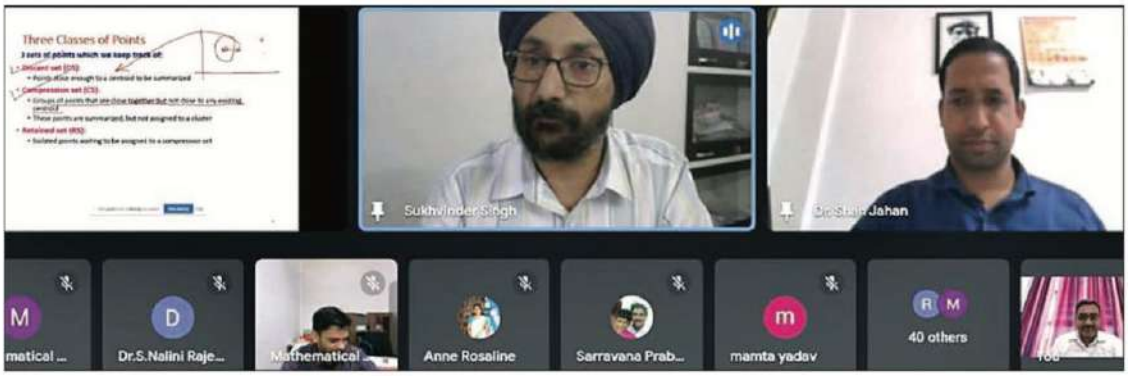

कार्यशाला के चौथे दिन विशेषज्ञ व्याख्यान देते डॉ. सुखविंदर सिंह।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार से शुरू हुई मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के चौथे दिन के पहले तकनीकी सत्र में एमएनएनआईटी इलाहाबाद में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. मुकेश कुमार ने ह्यलाई-सिमिटरी एनालिसिस विश्लेषण द्वारा विस्तारित उथले जल तरंग समीकरण के समाधान पर व्याख्यान देते हुए समानता परिवर्तन विधि पर विस्तार से चर्चा की। दूसरे तकनीकी सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुखविंदर सिंह देवरा ने क्लस्टरिंग तरीके, एक मॉडल का विश्लेषण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम विषय पर अपनी बात रखते हुए बताया कि कैसे ट्विटर और फेसबुक सामाजिक समूहों की पहचान कर सकते हैं।

कार्यशाला के चौथे दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में एनआईटी उत्तराखंड में गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप शर्मा ने विस्तारित परिमित तत्व विधि का उपयोग करके स्मार्ट सामग्री में फ्रैक्चर की मॉडलिंग और सिमुलेशन पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यशाला में गणित विभाग के शिक्षक व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रविंदर सिंह सहित सभी शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

हकेंवि

पक्षी बचाओ-प्रकृति बचाओ अभियान चलाया

पक्षियों संग पर्यावरण की सुरक्षा नैतिक जिम्मेदारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। पक्षियों और पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। मनुष्य को प्रकृति में सबसे श्रेष्ठ इसलिए ही समझा जाता है क्योंकि मनुष्य के अंदर स्वयं के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी दया भाव होता है।

यही मानवीय संवेदना एवं मूल्य उन्हें अलग पहचान देते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा आयोजित पक्षी बचाओ-प्रकृति बचाओ अभियान के तहत बड्र्स फीडर व वाटर पोट लगाते हुए व्यक्त किए।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा बड्र्स फीडर क्लब बनाया हुआ है जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी, शिक्षक अपनी स्वेच्छा से सहयोग करके पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करते हैं। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रमन दीप, डॉ. दिलीप पटेल, सुनील अग्रवाल, संदीप सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

पक्षियों के लिए बड्र्स फीडर लगाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

सामाजिक समूह को पहचानने की तकनीक से अवगत हुए प्रतिभागी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के चौथे दिन एमएनएनआईटी इलाहाबाद में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. मुकेश कुमार ने लाई-सिमिटरी एनालिसिस विश्लेषण द्वारा विस्तारित उथले जल तरंग समीकरण के समाधान पर व्याख्यान किया।

दूसरे तकनीकी सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुखविंद्र सिंह देवड़ा ने क्लस्टरिंग तरीके, एक मॉडल का विश्लेषण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम विषय पर अपनी बात रखते हुए बताया कि कैसे ट्विटर और फेसबुक सामाजिक समूहों की पहचान कर सकते हैं। कार्यशाला के चौथे दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में एनआईटी उत्तराखंड में गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप शर्मा ने विस्तारित परिमित तत्व विधि का उपयोग करके स्मार्ट सामग्री में फ्रैक्चर की मॉडलिंग और सिमुलेशन पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यशाला में गणित विभाग के शिक्षक व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रविंद्र सिंह सहित सभी शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। संवाद

पक्षियों संग पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी : प्रो. टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

पक्षियों और पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। मनुष्य को प्रकृति में सबसे श्रेष्ठ इसलिए ही समझा जाता है, क्योंकि मनुष्य के अंदर स्वयं के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी दया भाव होता है। यही मानवीय संवेदना एवं मूल्य उन्हें अलग पहचान देते हैं। इसलिए हम सभी का यह कर्त्तव्य है कि हम बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी की व्यवस्था करें, ताकि गर्मी के इस मौसम में वे सुरक्षित रह सकें। यह विचार हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा आयोजित 'पक्षी बचाओ-प्रकृति बचाओ' अभियान के तहत बड्र्स फीडर तथा वाटर पोट लगाते हुए व्यक्त किए।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा बड्र्स फीडर क्लब बनाया हुआ है, जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी, शिक्षक अपनी स्वेच्छा से सहयोग करके पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे जी-20 अभियान को गति प्रदान करने तथा क्षेत्र के लोगों में पक्षियों तथा पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया उत्पन्न करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति के निर्देशन में ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रमन दीप, डॉ. दिलीप पटेल, सुनील अग्रवाल, संदीप सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

पक्षियों संग पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: पक्षियों और पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। मनुष्य को प्रकृति में सबसे श्रेष्ठ इसलिए ही समझा जाता है, क्योंकि मनुष्य के अंदर स्वयं के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी दया भाव होता है। यही मानवीय संवेदना एवं मूल्य उन्हें अलग पहचान देते हैं, इसलिए हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी की व्यवस्था करें ताकि गर्मी के मौसम में वे सुरक्षित रह सकें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा आयोजित 'पक्षी बचाओ-प्रकृति बचाओ अभियान के तहत बड्र्स फीडर तथा वाटर पोट लगाते हुए व्यक्त किए।

पक्षियों के लिए वाटर पोट लगाते प्रो. टंकेश्वर ● जागरण

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा बड्र्स फीडर क्लब बनाया हुआ है। जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी, शिक्षक अपनी स्वेच्छा से सहयोग करके पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर प्रो. नंदकिशोर, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डा. रमन दीप, डा. दिलीप पटेल, सुनील अग्रवाल व संदीप सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में शोधार्थी उपस्थित रहे।

'इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट: द सर्कुलर इकोनोमी' का विमोचन

महेंद्रगढ़ स्थित हकेवि में बृहस्पतिवार को पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई की डॉ. हेमा दीवान द्वारा संपादित व कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके द्वारा प्रकाशित पुस्तक इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट: द सर्कुलर इकोनोमी का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। कुलपति ने कहा कि यह किताब मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से आज के समय में जारी अर्थव्यवस्था केंद्रित बदलावों, जो कि अपशिष्ट संसाधनों से संबद्ध है, को जानने और उनके बेहतर उपयोग से संसाधनों के संरक्षण में मदद मिलेगी। यह पुस्तक शैक्षणिक से लेकर व्यावहारिक क्षेत्र के स्तर पर बेहद उपयोगी है। विमोचन के अवसर पर हकेवि की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. रिमता, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेंद्र प्रताप सिंह और पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 26 May 2023
https://epaper.dainiktribu

पक्षियों संग पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की जिम्मेदारीः टंकेश्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

पक्षियों और पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। मनुष्य को प्रकृति में सबसे श्रेष्ठ इसलिए ही समझा जाता है, क्योंकि मनुष्य के अंदर स्वयं के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी दया भाव होता है। यही मानवीय संवेदना एवं मूल्य उन्हें अलग पहचान देते हैं। इसलिए हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी की व्यवस्था करें, ताकि गर्मी के इस मौसम में वे सुरक्षित रह सकें।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विवि स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा आयोजित पक्षी बचाओ-प्रकृति बचाओ अभियान के तहत बड्र्स फीडर तथा वाटर पोट लगाते हुए व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा बड्र्सफीडर क्लब बनाया हुआ है।

महेंद्रगढ़। पक्षियों के लिए बड्र्स फीडर लगाते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

सामाजिक समूह को पहचानने के गुर सिखाए

■ हकेंवि में सात दिवसीय कार्यशाला जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यशाला के चौथे दिन विशेषज्ञ व्याख्यान देते डॉ. सुखविंद्र सिंह।

हरियाणा केंद्रीय विवि में सोमवार से शुरू हुई मैथमेटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के चौथे दिन के पहले तकनीकी सत्र में एमएनएनआईटी इलाहाबाद में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. मुकेश कुमार ने लाई-सिमिटरी एनालिसिस विश्लेषण द्वारा विस्तारित उथले जल तरंग समीकरण के समाधान पर व्याख्यान देते हुए समानता परिवर्तन विधि पर विस्तार से चर्चा की।

दूसरे तकनीकी सत्र में मदवि रोहतक में कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुखविंद्र सिंह देवरा ने क्लस्टरिंग तरीके, एक मॉडल का विश्लेषण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम विषय पर अपनी बात रखते हुए बताया कि कैसे ट्विटर और फेसबुक सामाजिक समूहों की पहचान कर सकते हैं। कार्यशाला के चौथे दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में एनआईटी उत्तराखंड में गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप शर्मा ने विस्तारित परिमित तत्व विधि का उपयोग करके स्मार्ट सामग्री में फ्रैक्चर की मॉडलिंग और सिमुलेशन पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यशाला में गणित विभाग के शिक्षक व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रविंद्र सिंह सहित सभी शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

पक्षियों संग पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी : प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। पक्षियों और पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। मनुष्य को प्रकृति में सबसे श्रेष्ठ इसलिए ही समझा जाता है क्योंकि मनुष्य के अंदर स्वयं के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी दया भाव होता है। यही मानवीय संवेदना एवं मूल्य उन्हें अलग पहचान देते हैं। इसलिए हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी की व्यवस्था करें ताकि गर्मी के इस मौसम में वे सुरक्षित रह सकें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा आयोजित 'पक्षी बचाओं-प्रकृति बचाओं' अभियान के तहत बर्ड्स फीडर तथा वाटर पोट लगाते हुए व्यक्त किए।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा बर्ड्स फीडर क्लब बनाया हुआ है, जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी, शिक्षक अपनी स्वेच्छा से सहयोग करके पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने बताया कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे जी-20 अभियान को गति प्रदान करने तथा क्षेत्र के लोगों में पक्षियों तथा पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया उत्पन्न करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रमन दीप, डॉ. दिलीप पटेल, सुनील अग्रवाल, संदीप सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

पक्षियों संग पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी- प्रो. टंकेश्वर कुमार

खोजी/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। पक्षियों और पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। मनुष्य को प्रकृति में सबसे श्रेष्ठ इसलिए ही समझा जाता है क्योंकि मनुष्य के अंदर स्वयं के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी दया भाव होता है। यही मानवीय संवेदना एवं मूल्य उन्हें अलग पहचान देते हैं। इसलिए हम सभी का यह कर्त्तव्य है कि हम बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी की व्यवस्था करें ताकि गर्मी के इस मौसम में वे सुरक्षित रह सकें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा आयोजित 'पक्षी बचाओं-प्रकृति बचाओं' अभियान के तहत बर्ड्स फीडर तथा वाटर पोट लगाते हुए व्यक्त किए।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा बर्ड्स फीडर क्लब बनाया हुआ है, जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी, शिक्षक अपनी स्वेच्छा से सहयोग करके पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने बताया कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे जी-20 अभियान को गति प्रदान करने तथा क्षेत्र के लोगों में पक्षियों तथा पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया उत्पन्न करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रमन दीप, डॉ. दिलीप पटेल, सुनील अग्रवाल, संदीप सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

पक्षियों संग पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारीः प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): पक्षियों और पर्यावरण की सुरक्षा मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। मनुष्य को प्रकृति में सबसे श्रेष्ठ इसलिए ही समझा जाता है क्योंकि मनुष्य के अंदर स्वयं के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी दया भाव होता है।

यही मानवीय संवेदना एवं मूल्य उन्हें अलग पहचान देते हैं। इसलिए हम सभी का यह कर्त्तव्य है कि हम बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी की व्यवस्था करें ताकि गर्मी के इस मौसम में वे सुरक्षित रह सकें।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा आयोजित 'पक्षी बचाओ-प्रकृति बचाओ' अभियान के तहत बर्ड्स फीडर तथा वाटर पोट लगाते हुए व्यक्त किए।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा बर्ड्स फीडर क्लब बनाया हुआ है, जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी, शिक्षक अपनी स्वेच्छा से सहयोग करके पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करते हैं।

पक्षियों के लिए बर्ड्स फीडर लगाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। (मोहन)

इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रमन दीप, डॉ. दिलीप पटेल, सुनील अग्रवाल, संदीप सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

देश की संकल्पना श्रेष्ठ बने समूचा विश्व : प्रो. शुक्ल

हकेंवि में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन, कुलपति बोले- देश के इतिहास को जानें और उस पर गर्व करें

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुंबकम- विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण उपस्थित रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्य वक्ता पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहआचार्य डॉ. हरित कुमार मीना ने कहा कि हमें वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा को समझने के लिए भारत के वैदिक साहित्य को भी समझना होगा। भारत सदैव से ही अतुलनीय रहा है और

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

नील नदी का नाम भारत से जुड़कर ही बना

सदा विश्व कल्याण हेतु सभी को एक साथ जोड़ने का ही मंत्र दिया है। इसी क्रम में शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण ने कहा कि भारतीय सभ्यता सदैव से ही अध्ययन, चिंतन व नवाचार के मोर्चे पर समृद्ध रही है।

नदी के किनारे विकसित भारतीय सभ्यता में सदैव अपनत्व का भाव देखने को मिलता है। यही परंपरागत सांस्कृतिक मूल्य वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा के पोषक हैं। मुख्य अतिथि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि भारत पुरातन काल से ही विश्व बंधुत्व के भाव के साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित किए हुए है। नील नदी का नाम भारत से जुड़कर ही बना है।

इसी तरह ज्ञात मानव इतिहास को देखें तो भारत ही वह देश है जिसने समूचे विश्व को नई तकनीक उपलब्ध कराई। कोरोना काल का उल्लेख करते हुए प्रो. रजनीश शुक्ल ने कहा कि हमने जिस तरह से इस संकट की घड़ी में न सिर्फ खुद को सुरक्षित व आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया बल्कि समूचे विश्व को भी इस महामारी से बचाने के लिए मदद उपलब्ध कराई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत इतिहास को जानकर उस पर गर्व करना होगा और इसी मंत्र के साथ हम नए भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. विद्युलता रेड्डी, डॉ. अजय कुमार, डॉ. विकास सिवाच आदि उपस्थित रहे।

गणितीय मॉडलिंग पर प्रतिभागियों को दी जानकारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के पांचवें दिन के पहले तकनीकी सत्र में एमएनएनआईटी इलाहाबाद में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. मुकेश कुमार ने (2$1)-आयामी युग्मित एमकेडीवीसीबीएस समीकरण के कुछ अपरिवर्तनीय समाधान विषय पर अपना व्याख्यान दिया। दूसरे सत्र में हकेंवि के इंजीनियरिंग एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. फूल सिंह ने इमेज प्रोसेसिंगः एन ओवरव्यू विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए गणित विभाग व आयोजकों को बधाई दी। डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला के पांचवें दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में निजवा विश्वविद्यालय, ओमान में गणितीय और भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. महमूद खालिद जसीम ने सामाजिक, स्वास्थ्य और व्यावहारिक भौतिक विज्ञान में गणितीय मॉडलिंग पर प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. एके यादव ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समापन सत्र का संचालन शोधार्थी पारूल पूनिया ने किया। कार्यशाला के अंत में प्रो. फूल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संवाद

गणितीय मॉडलिंग पर प्रतिभागियों को दी जानकारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के पांचवें दिन के पहले तकनीकी सत्र में एमएनएनआईटी इलाहाबाद में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. मुकेश कुमार ने (2$1)-आयामी युग्मित एमकेडीवीसीबीएस समीकरण के कुछ अपरिवर्तनीय समाधान विषय पर अपना व्याख्यान दिया। दूसरे सत्र में हकेंवि के इंजीनियरिंग एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. फूल सिंह ने इमेज प्रोसेसिंगः एन ओवरव्यू विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए गणित विभाग व आयोजकों को बधाई दी। डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला के पांचवें दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में निजवा विश्वविद्यालय, ओमान में गणितीय और भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. महमूद खालिद जसीम ने सामाजिक, स्वास्थ्य और व्यावहारिक भौतिक विज्ञान में गणितीय मॉडलिंग पर प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. एके यादव ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समापन सत्र का संचालन शोधार्थी पारूल पूनिया ने किया। कार्यशाला के अंत में प्रो. फूल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी

भारतीय सभ्यता के विकास महत्त्व पर डाला प्रकाश

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में शुक्रवार को एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुम्बकम्- विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण उपस्थित रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहआचार्य डॉ. हरित कुमार मीना

संगोष्ठी को संबोधित किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन व कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया।

मुख्य वक्ता डॉ. हरित कुमार मीना ने कहा कि हमें वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को समझने के लिए भारत के वैदिक साहित्य को भी समझना होगा। आयोजन के मुख्य अतिथि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने भारतीय सभ्यता के विकास और उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला। आयोजन के अंत में प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ. श्रीराम पाण्डे ने सभी सहभागियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीर पाल सिंह यादव, डॉ. विद्युलता रेड्डी, डॉ. अजय कुमार, डॉ. विकास सिवाच आदि मौजूद रहे।

हकेंवि में कार्यशाला का हुआ समापन

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार से शुरू हुई मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के पांचवें दिन के पहले तकनीकी सत्र में एमएनएनआईटी इलाहाबाद में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. मुकेश कुमार ने (2+1)-आयामी युग्मित एमकेडीवीसीबीएस समीकरण के कुछ अपरिवर्तनीय समाधान विषय पर अपना व्याख्यान दिया। दूसरे सत्र में हकेंवि के इंजीनियरिंग एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. फूल सिंह ने 'इमेज प्रोसेसिंगः एन ओवरव्यू' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए गणित विभाग व आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कौशल बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाने चाहिए।

दैनिक ट्रिब्यून Sat, 27 May 2023
https://epaper.dainiktribu

हकेंवि में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ ने करवाई संगोष्ठी

भारत सदैव से ही अतुल्नीय रहा: डॉ. मीना

- संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुम्बक- विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजन में मुख्यातिथि महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण उपस्थित रहे जबकि मुख्य वक्ता के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय सहआचार्य डॉ. हरित कुमार मीना संगोष्ठी को संबोधित किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन व कुलगीत के साथ हुई।

महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। फोटो: हरिभूमि

इसके पश्चात एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्य वक्ता डॉ. हरित कुमार मीना कहा कि हमें वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को समझने के लिए भारत के वैदिक साहित्य को भी समझना होगा। भारत सदैव से ही अतुल्नीय रहा है प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने संबोधन में भारतीय सभ्यता के विकास और उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत पुरातन काल से ही विश्व बंधुत्व के भाव के साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित किए हुए है। इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीर पाल सिंह यादव, डॉ. विद्युलता रेड्डी, डॉ. अजय कुमार, डॉ. विकास सिवाच आदि उपस्थित रहे।

हकेवि में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

संगोष्ठी में प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 26 मई (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुम्बकम्- विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्यातिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा विशिष्टातिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्त्ता शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डा. हरित कुमार मीना संगोष्ठी को संबोधित किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत इतिहास को जानकर उस पर गर्व करना होगा और इसी मंत्र के साथ हम नए भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। कुलपति ने युवाओं से इस प्रयास में सक्रिय योगदान का अनुरोध किया। आयोजन के अंत में प्रकोष्ठ के सह- संयोजक डा. श्री राम पांडे ने सभी सहभागियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीर पाल सिंह यादव, डा. विद्युलता रैड्डी, डा. अजय कुमार व डा. विकास सिवाच आदि उपस्थित रहे।

दुधारू पशुओं से मीथेन उत्सर्जन कैसे कम करें

हकेंवि में संगोष्ठी आयोजित, इंडोनेशिया के डॉ. रोनी रिडवान ने व्याख्यान दिया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा दुधारू पशुओं से मीथेन उत्सर्जन कम करने के लिए लैक्टिक एसिड बैक्टिरिया टीका पर केंद्रित संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में नेशनल एजेंसी फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च के रिसर्च सेंटर ऑफ एप्लाइड जूलॉजी, इंडोनेशिया के डॉ. रोनी रिडवान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के प्रयासों की सराहना की।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का सम्मान किया। प्रो. गुंजन गोयल ने बताया कि व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. रोनी भारत, इंडोनेशिया और मलेशिया के साथ संयुक्त परियोजना का संचालन करने के लिए आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास कोष द्वारा वित्त पोषित संयुक्त अनुसंधान परियोजना के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दौरे पर हैं। व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. रोनी रिडवान ने जुगाली करने वाले पशुओं की माइक्रोबियल पारिस्थितिकी से संबंधित अध्ययनों में उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों पर चर्चा की। उन्होंने जुगाली करने वाले पशुओं से मीथेन के उत्सर्जन में विभिन्न लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया की प्रभावकारिता पर उनके द्वारा किए गए कार्य को प्रस्तुत किया क्योंकि मवेशियों से मीथेन का उत्सर्जन भी ग्रीन हाउस गैसों में एक कारण कारक है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की।

डॉ. रोनी रिडवान को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. नीलम सांगवान। संवाद

माइक्रोबियल पारिस्थितिकी से संबंधित अध्ययनों में उपयोगी तकनीकों पर चर्चा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा 'दुधारू पशुओं से मीथेन उत्सर्जन कम करने के लिए लैक्टिक एसिड बैक्टिरिया टीका' पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान में नेशनल एजेंसी फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च के रिसर्च सेंटर ऑफ एप्लाइड जूलॉजी, इंडोनेशिया के डॉ. रोनी रिडवान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की।

व्याख्यान की शुरुआत में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. गुंजन गोयल ने वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. रोनी भारत, इंडोनेशिया और मलेशिया के साथ संयुक्त परियोजना का संचालन करने के लिए आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास कोष द्वारा वित्त पोषित संयुक्त अनुसंधान परियोजना के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दौरे पर हैं। व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. रोनी रिडवान ने अपने संबोधन में जुगाली करने वाले पशुओं की माइक्रोबियल पारिस्थितिकी से संबंधित अध्ययनों में उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। उन्होंने संकाय और विशेषज्ञों को सहयोग के ऐसे अवसरों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान में विभिन्न विभागों के शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। व्याख्यान के अंत में प्रो गुंजन गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. विकास बेनीवाल, डॉ. अविजीत प्रमाणिक, डॉ. विनोद यादव, डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी, डॉ. मुलाका मारुथी भी उपस्थित थे।

'दुधारू पशुओं से मीथेन उत्सर्जन कम करने के लिए लैक्टिक एसिड बैक्टिरिया टीका' पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 27 मई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा 'दुधारू पशुओं से मीथेन उत्सर्जन कम करने के लिए लैक्टिक एसिड बैक्टिरिया टीका' पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन किया।

व्याख्यान में नैशनल एजैंसी फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च के रिसर्च सैंटर ऑफ एप्लाइड जूलॉजी, इंडोनेशिया के डॉ. रोनी रिडवान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की।

व्याख्यान की शुरूआत में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया।

प्रो. गुंजन गोयल ने वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया।उन्होंने बताया कि व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. रोनी भारत, इंडोनेशिया और मलेशिया के साथ संयुक्त परियोजना का संचालन करने के लिए आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास कोष द्वारा वित्त पोषित संयुक्त अनुसंधान परियोजना के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दौरे पर हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. रोनी रिडवान को स्मृति चिन्ह भेंट करती प्रो. नीलम सांगवान। (मोहन)

व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. रोनी रिडवान ने अपने संबोधन में जुगाली करने वाले पशुओं की माइक्रोबियल पारिस्थितिकी से संबंधित अध्ययनों में उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने जुगाली करने वाले पशुओं से मीथेन के उत्सर्जन में विभिन्न लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया की प्रभावकारिता पर उनके द्वारा किए गए कार्य को प्रस्तुत किया क्योंकि मवेशियों से मीथेन का उत्सर्जन भी ग्रीन हाऊस गैसों में एक कारण कारक है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। उन्होंने संकाय और विशेषज्ञों को सहयोग के ऐसे अवसरों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया।

व्याख्यान में विभिन्न विभागों के शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। व्याख्यान के अंत में प्रो. गुंजन गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. विकास बेनीवाल, डॉ. अविजीत प्रमाणिक, डॉ. विनोद यादव, डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी, डॉ. मुलाका मारुथी भी उपस्थित थे।

अर्थ शब्दों में नहीं, लोगों के अनुभव से आता है: प्रो. जोहल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा जनसंचार के क्षेत्र में अनुसंधान पर केंद्रित व्याख्यान आयोजन किया गया। व्याख्यान में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के प्रो. नवजीत सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को विषय के व्यावहारिक पक्षों को जानने में मददगार होते हैं और विभाग का यह प्रयास सराहनीय है।

प्रो. नवजीत सिंह ने दैनिक जीवन में संचार के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब हम लगातार संवाद करते हैं, तो दूसरों के साथ 100 प्रतिशत प्रभावी संचार प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने संदेशों के अर्थ की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि अर्थ स्वयं शब्दों में निहित नहीं है बल्कि लोग उन शब्दों से अर्थ कैसे प्राप्त करते हैं।

प्रो. नवजीत सिंह ने कहा कि स्वयं को जानना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने एक माध्यम के रूप में मोबाइल फोन की भूमिका पर जोर दिया जो फायदेमंद और हानिकारक दोनों हो सकता है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने प्रो. नवजीत सिंह का उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यान के लिए सराहना की। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

प्रो. नवजीत सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शिक्षक। संवाद

ईडब्ल्यू रैंकिंग में हकेंवि ने हासिल की 33वीं रैंक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। देश की प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रैंकिंग 2023-24 जारी हो गई है। इस रैंकिंग में गवर्मेंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित देश की उत्कृष्ट गवर्मेंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

विश्वविद्यालय इस बार वर्ष 2022 वर्ष की 39वीं रैंक से आगे बढ़कर 2023 वर्ष में 33वीं रैंक पर आ गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्राप्त 33वीं रैंकिंग का प्रमाणपत्र राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में आईबी के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी मेट कोस्टेलो व ईडब्ल्यू के एडिटर दिलीप ठाकुर द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर हकेंवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार भी उपस्थित रहे। यहां बता दें कि ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रैंकिंग 2023-24 में जगह बनाने वाली 2009 में स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर है। इसी तरह हरियाणा राज्य में विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व विश्वविद्यालय से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष जुड़े सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से साल दरसाल विश्वविद्यालय के प्रदर्शन में गुणात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है, वह उल्लेखनीय है।

नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में ईडब्ल्यू रैंकिंग का प्रमाणपत्र प्राप्त करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की मेहनत का नतीजा है कि 2022 में प्राप्त 39वीं रैंक से आगे बढ़ते हुए 2023 में विश्वविद्यालय 33वीं रैंक पर आ पहुंचा है। कुलपति ने इस उपलब्धि के बाद कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन की दिशा में ऐसे ही प्रयासरत रहेगा और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

अर्थ शब्दों में नहीं, लोगों के अनुभव से आता है : प्रो. नवजीत सिंह

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा जनसंचार के क्षेत्र में अनुसंधान पर केंद्रित व्याख्यान आयोजन किया गया। व्याख्यान में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के प्रो. नवजीत सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को विषय के व्यावहारिक पक्षों को जानने में मददगार होते हैं और विभाग का यह प्रयास सराहनीय है।

प्रो. नवजीत सिंह ने दैनिक जीवन में संचार के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब हम लगातार संवाद करते हैं, तो दूसरों के साथ 100 प्रतिशत प्रभावी संचार प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने संदेशों के अर्थ की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि अर्थ स्वयं शब्दों में निहित नहीं है बल्कि लोग उन शब्दों से अर्थ कैसे प्राप्त करते हैं। प्रभावी संचार की सबसे सही पहचान यही है कि संदेश को प्राप्त करने वाला संदेश को कैसे समझता है। प्रो. नवजीत सिंह जोहल ने प्रभावी पठन तकनीकों का उल्लेख किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने प्रो. नवजीत सिंह का उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग में हकेंवि 33वें पायदान पर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

भारत की प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग 2023-24 जारी हो गई है। इस रेंकिंग में गवर्मेंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित भारत की उत्कृष्ट गवर्मेंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय इस बार वर्ष 2022 वर्ष की 39वीं रेंक से आगे बढ़कर 2023 वर्ष में 33वीं रेंक पर आ गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्राप्त 33वीं रेंकिंग का प्रमाणपत्र राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में आईबी के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्री मेट कोस्टेलो व ईडब्ल्यू के एडिटर दिलीप ठाकुर द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर हकेंवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार भी उपस्थित रहे।

बता दें कि ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग 2023-24 में जगह बनाने वाली 2009 में स्थापित केंद्रीय

विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर है। इसी तरह हरियाणा राज्य में विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व विश्वविद्यालय से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष जुड़े सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से साल दर साल विश्वविद्यालय के प्रदर्शन में गुणात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है, वह उल्लेखनीय है।

पिछले वर्ष 39वीं रेंक पर था

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की मेहनत का नतीजा है कि 2022 में प्राप्त 39वीं रेंक से आगे बढ़ते हुए 2023 में विश्वविद्यालय 33वीं रेंक पर आ पहुंचा है। कुलपति ने इस उपलब्धि के बाद कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन की दिशा में ऐसे ही प्रयासरत रहेगा और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

Rajasthan Law College
Chirawa (Rajasthan)
Recognized By B.C.I., New Delhi
Admission Open For
LL.B.
Fee LLB : 23,000 Annual
M.A., M.Com., M.Sc. (All Subjects)
ONLINE ADMISSION STARTED
Scholarship for SC/SBC
M. 9610265555, 9461514580

विद्यार्थियों को विषय के व्यावहारिक पक्षों को जानना बेहद जरूरी : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा जनसंचार के क्षेत्र में अनुसंधान पर केंद्रित व्याख्यान आयोजन किया गया। व्याख्यान में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के प्रो. नवजीत सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को विषय के व्यावहारिक पक्षों को जानने में मददगार होते हैं और विभाग का यह प्रयास सराहनीय है।

प्रो. नवजीत सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शिक्षक

प्रो. नवजीत सिंह ने दैनिक जीवन में संचार के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब हम लगातार संवाद करते हैं, तो दूसरों के साथ सौ प्रतिशत प्रभावी संचार प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने संदेशों के अर्थ की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि अर्थ स्वयं शब्दों में निहित नहीं है, बल्कि लोग उन शब्दों से अर्थ कैसे प्राप्त करते हैं। प्रभावी संचार की सबसे सही पहचान यही है कि संदेश को प्राप्त करने वाला संदेश को कैसे समझता है। प्रो. नवजीत सिंह ने विद्यार्थियों को स्वयं पर चिंतन करने की सलाह देते हुए कहा कि स्वयं को जानना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने महान संचार वैज्ञानिक मार्शल मैक्लुहान के उद्धरण, माध्यम ही संदेश का उल्लेख करते हुए, एक माध्यम के रूप में मोबाइल फोन की भूमिका पर जोर दिया जो फायदेमंद और हानिकारक दोनों हो सकता है।

ईडब्ल्यू इंडिया हायर रैंकिंग में हकेंवि का शानदार प्रदर्शन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारत की प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2023-24 जारी हो गई है। इस रैंकिंग में गवर्मेंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित भारत की उत्कृष्ट गवर्मेंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय इस बार वर्ष 2022 वर्ष की 39वीं रैंक से आगे बढ़कर 2023 वर्ष में 33वीं रैंक पर आ गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्राप्त 33वीं रैंकिंग का प्रमाणपत्र राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में आइबी के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी मेट कोस्टेलो व ईडब्ल्यू के एडिटर दिलीप ठाकुर द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर हकेवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार भी उपस्थित रहे।

ईडब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2023-24 में जगह बनाने वाली 2009 में स्थापित केंद्रीय

नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में ईडब्ल्यू रैंकिंग का प्रमाण पत्र प्राप्त करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● जागरण

विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर है। इसी तरह हरियाणा राज्य में विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षण कर्मचारियों व विश्वविद्यालय से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष जुड़े सहभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से साल दरसाल विश्वविद्यालय के प्रदर्शन में गुणात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है।

ईडब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग में हकेंवि का उल्लेखनीय प्रदर्शन

नारनौल, 28 मई (निस)

देश की प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2023-24 जारी हो गई है। इस रैंकिंग में गवर्नमेंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित उत्कृष्ट गवर्नमेंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय वर्ष 2022 में 39वीं रैंक को सुधारते हुए वर्ष 2023 में 33वीं रैंक पर आ गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को दिल्ली में आईबी के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी मेट कोस्टेलो व ईडब्ल्यू के एडिटर दिलीप ठाकुर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया।

दैनिक ट्रिब्यून Mon htt

ईडब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग में हकेंवि का उल्लेखनीय प्रदर्शन

नारनौल, 28 मई (निस)

देश की प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2023-24 जारी हो गई है। इस रैंकिंग में गवर्नमेंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित उत्कृष्ट गवर्नमेंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय वर्ष 2022 में 39वीं रैंक को सुधारते हुए वर्ष 2023 में 33वीं रैंक पर आ गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को दिल्ली में आईबी के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी मेट कोस्टेलो व ईडब्ल्यू के एडिटर दिलीप ठाकुर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया।

दैनिक ट्रिब्यून Mon htt

'स्वयं को जानना चुनौतीपूर्ण'

- अर्थ शब्दों में नहीं, लोगों के अनुभव से आता है: प्रो. जोहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रो. नवजीत सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विवि में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा जनसंचार के क्षेत्र में अनुसंधान पर केंद्रित व्याख्यान आयोजन किया गया। व्याख्यान में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के प्रो. नवजीत सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित हुए।

विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को विषय के व्यावहारिक पक्षों को जानने में मददगार होते हैं और विभाग का यह प्रयास सराहनीय है। प्रो. नवजीत सिंह ने दैनिक जीवन में संचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब हम लगातार संवाद करते हैं, तो दूसरों के साथ 100 प्रतिशत प्रभावी संचार प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने संदेशों के अर्थ की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि अर्थ स्वयं शब्दों में निहित नहीं है, बल्कि लोग उन शब्दों से अर्थ कैसे प्राप्त करते हैं। प्रभावी संचार की सबसे सही पहचान यही है कि संदेश को प्राप्त करने वाला संदेश को कैसे समझता है। प्रो. नवजीत सिंह ने विद्यार्थियों को स्वयं पर चिंतन करने की सलाह देते हुए कहा कि स्वयं को जानना चुनौतीपूर्ण है। डॉ. अशोक कुमार ने प्रो. नवजीत सिंह का उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यान के लिए आभार व्यक्त किया।

ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग में हकेंवि का उल्लेखनीय प्रदर्शन

- रैंकिंग 2023-24 जारी, विवि की श्रेणी में हकेंवि 33वें पायदान पर

महेंद्रगढ़। ईडब्ल्यू रैंकिंग का प्रमाण पत्र प्राप्त करते कुलपति।

महेंद्रगढ़। भारत की प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग 2023-24 जारी हो गई है। इस रेंकिंग में गवर्मेंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित भारत की उत्कृष्ट गवर्मेंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विवि ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विवि इस बार वर्ष 2022 वर्ष की 39वीं रैंक से आगे बढ़कर 2023 वर्ष में 33वीं रैंक पर आ गया है। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्राप्त 33वीं रेंकिंग का प्रमाणपत्र राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में आईबी के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी मेट कोस्टेलो व ईडब्ल्यू के एडिटर दिलीप ठाकुर द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर हकेंवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार भी उपस्थित रहे। ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशनरेंकिंग 2023-24 में जगह बनाने वाली 2009 में स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर है। इसी तरह हरियाणा राज्य में विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व विश्वविद्यालय से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष जुड़े सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से साल दरसाल विवि के प्रदर्शन में गुणात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है, वह उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि विवि के सभी सहभागियों की मेहनत का नतीजा है कि 2022 में प्राप्त 39वीं रेंक से आगे बढ़ते हुए 2023 में विवि 33वीं रेंक पर आ पहुंचा है। कुलपति ने इस उपलब्धि के बाद कहा कि अवश्य ही विवि शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन की दिशा में ऐसे ही प्रयासरत रहेगा और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

ई.डब्ल्यू. इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग में हकेंवि का उल्लेखनीय प्रदर्शन, 33वें पायदान पर पहुंचा

नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में ई.डब्ल्यू. रैंकिंग का प्रमाण पत्र प्राप्त करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 28 मई (परमजीत, मोहन): भारत की प्रतिष्ठित ई.डब्ल्यू. इंडिया हॉयर एजुकेशन रैंकिंग 2023-24 जारी हो गई है। इस रैंकिंग में गवर्नमैंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित भारत की उत्कृष्ट गवर्नमैंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

विश्वविद्यालय इस बार वर्ष 2022 वर्ष की 39वें रैंक से आगे बढ़कर 2023 वर्ष में 33वीं रैंक पर आ गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्राप्त 33वीं रैंकिंग का प्रमाणपत्र राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में आई.बी. के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी मेट कोस्टेलो व ई.डब्ल्यू. के एडिटर दिलीप ठाकुर द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर हकेंवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार भी उपस्थित रहे।

हरियाणा राज्य में विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ तीसरा स्थान

यहां बता दें कि ई.डब्ल्यू. इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2023-24 में जगह बनाने वाली 2009 में स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर है। इसी तरह हरियाणा राज्य में विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व विश्वविद्यालय से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष जुड़े सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से साल दर साल विश्वविद्यालय के प्रदर्शन में गुणात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है, वह उल्लेखनीय है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की मेहनत का नतीजा है कि 2022 में प्राप्त 39वें रैंक से आगे बढ़ते हुए 2023 में विश्वविद्यालय 33वें रैंक पर आ पहुंचा है।

कुलपति ने इस उपलब्धि के बाद कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन की दिशा में ऐसे ही प्रयासरत रहेगा और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

अर्थ शब्दों में नहीं, लोगों के अनुभव से आता है: प्रो. नवजीत

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा जनसंचार के क्षेत्र में अनुसंधान पर केंद्रित व्याख्यान आयोजन किया गया।

व्याख्यान में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के प्रो. नवजीत सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को विषय के व्यावहारिक पक्षों को जानने में मददगार होते हैं और विभाग का यह प्रयास सराहनीय है।

प्रो. नवजीत सिंह ने दैनिक जीवन में संचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब हम लगातार संवाद करते हैं, तो दूसरों के साथ 100 प्रतिशत प्रभावी संचार प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

उन्होंने संदेशों के अर्थ की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि अर्थ स्वयं शब्दों में निहित नहीं है बल्कि लोग उन शब्दों से अर्थ कैसे प्राप्त करते हैं।

प्रभावी संचार की सबसे सही पहचान यही है कि संदेश को प्राप्त करने वाला संदेश को कैसे समझता है।

विद्यार्थियों को स्वयं पर चिंतन करने की दी सलाह

प्रो. नवजीत सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शिक्षक। (मोहन)

प्रो. नवजीत सिंह ने विद्यार्थियों को स्वयं पर चिंतन करने की सलाह देते हुए कहा कि स्वयं को जानना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने महान संचार वैज्ञानिक मार्शल मैक्लुहान के उद्धरण, माध्यम ही संदेश है का उल्लेख करते हुए, एक माध्यम के रूप में मोबाइल फोन की भूमिका पर जोर दिया जो फायदेमंद और हानिकारक दोनों हो सकता है।

उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे शोध के लिए विषयों का चयन करने की सिफारिश की जो उनके दिल करीब हों व जिनमें उनके व्यक्तिगत अनुभव हों।

प्रो. नवजीत सिंह ने प्रभावी पठन तकनीकों का उल्लेख किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने प्रो. नवजीत सिंह का उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि

हिंदी विभाग में साहित्य के मूलाधार सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन विषय पर हुआ व्याख्यान

साहित्य का लक्ष्य आनंद का सृजन करना : प्रो. रजनीश

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग में साहित्य के मूलाधार सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

कार्यक्रम में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के हिंदी विभागों में समझौता ज्ञापन भी हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को पुष्प गुच्छ शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत शाल उड़ाकर किया। प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने व्याख्यान में कहा कि जिन साहित्यिक अनुशासनों की बात भारतीय परंपरा में हजारों वर्षों से होती रही है, पिछले सौ वर्षों में हमने उन अनुशासनों को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। साहित्य और कला के माध्यम से ही मनुष्यों और पशुओं में भेद किया जाता है। हिंदी साहित्य को किसी विचारधारा में नहीं बांधा जा सकता। सौंदर्य को देखने का सबका अपना-अपना नजरिया होता है। जो वस्तु हमारे लिए सुंदर है, अन्य जगह उसकी सुंदरता का रूप बदल जाता है। उन्होंने साहित्य को मनुष्यता के लिए अति आवश्यक बताया।

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदी विभाग के लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है कि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए उपस्थित हैं।

दुनिया का कोई भी साहित्य अपनी दार्शनिक उपस्थिति के कारण ही कालजयी बनता है। सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन के अभाव में श्रेष्ठ साहित्य का सृजन नहीं हो सकता। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने मुख्य वक्ता प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल का सारगर्भित परिचय दिया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत की नई शिक्षा नीति का समर्थन करते हुए उसे भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमलेश कुमारी के द्वारा किया गया।

किसी भी साहित्य का अंतिम लक्ष्य उपदेश देना नहीं

सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि किसी भी साहित्य का अंतिम लक्ष्य उपदेश देना नहीं, अपितु आनंद का सृजन करना ही है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में जीव विज्ञान से लेकर भौतिक विज्ञान तक ऐसी हजारों चीजें हैं, जिनके माध्यम से हम सम्पूर्ण ब्रह्मांड को समझ सकते हैं। इसलिए इस ज्ञान परंपरा को और अधिक जानने-समझने की आवश्यकता है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत की नई शिक्षा नीति का समर्थन करते हुए उसे भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित बताया। इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा से हिंदी साहित्य विभाग की अध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर, प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित रहीं। प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. नंद किशोर, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. रेनू यादव, डॉ. सुमन रानी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. अमित कुमार, डॉ. रीना स्वामी सहित हिंदी विभाग एवं अन्य विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

हिंदी साहित्य को किसी विचारधारा में नहीं बांधा जा सकता : प्रो. रजनीश

▪ हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान हुआ आयोजित

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के हिंदी विभाग में 'साहित्य के मूलाधार: सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस दौरान महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के हिंदी विभागों में समझौता ज्ञापन भी हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को पुष्प गुच्छ शॉल, श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। तत्पश्चात हिंदी विभाग के अध्यक्ष ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने व्याख्यान में कहा कि जिन साहित्यिक अनुशासनों की बात भारतीय परम्परा में हजारों वर्षों से होती रही है, पिछले सौ वर्षों में हमने उन अनुशासनों को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। साहित्य और कला के माध्यम से ही मनुष्यों और पशुओं में भेद किया जाता है। हिंदी साहित्य को किसी विचारधारा में नहीं बांधा जा सकता। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने मुख्य वक्ता प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल का सारगर्भित परिचय दिया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत की नई शिक्षा नीति का समर्थन करते हुए उसे भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित बताया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभाग के डॉ. कामराज सिन्धु ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमलेश कुमारी के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा से हिंदी साहित्य विभाग की अध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर, प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित रहीं। प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. नंद किशोर, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. रेनू यादव, डॉ. सुमन रानी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. अमित कुमार, डॉ. रीना स्वामी सहित हिंदी विभाग एवं अन्य विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

साहित्य का लक्ष्य आनंद का सृजन करना है : रजनीश

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 'साहित्य के मूलाधार: सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के हिंदी विभागों में समझौता ज्ञापन भी हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को पुष्प गुच्छ शाल, श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। तत्पश्चात हिंदी विभाग के अध्यक्ष ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत शाल उड़ाकर किया। प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने

पुष्प भेंट कर प्रो. रजनीश कुमार शुक्त को स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

अपने व्याख्यान में कहा कि जिन साहित्यिक अनुशासन की बात भारतीय परंपरा में हजारों वर्षों से होती रही है। पिछले सौ वर्षों में हमने उन अनुशासन को पूरी तरह समाप्त कर दिया है।

साहित्य और कला के माध्यम से ही मनुष्यों और पशुओं में भेद किया जाता है। हिंदी साहित्य को किसी विचारधारा में नहीं बांधा जा सकता। सौन्दर्य को देखने का सबका अपना-अपना नजरिया होता है। जो वस्तु हमारे लिए सुंदर है, अन्य जगह उसकी सुंदरता का रूप बदल जाता है। उन्होंने साहित्य को मनुष्यता के लिए अति आवश्यक बताया। सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन के परिप्रेक्ष्य में प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि किसी भी साहित्य का अंतिम लक्ष्य उपदेश देना नहीं, अपितु आनंद का सृजन करना ही है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में जीव विज्ञान से लेकर भौतिक विज्ञान तक ऐसी हजारों चीजें हैं, जिनके माध्यम से हम संपूर्ण ब्रह्मांड को समझ सकते हैं।

इसलिए इस ज्ञान परंपरा को और अधिक जानने-समझने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत की नई शिक्षा नीति का समर्थन करते हुए उसे भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित बताया। कुलपति ने कहा कि हमें भारतीय ज्ञान परंपरा को पहचानने की आवश्यकता है। जैसे पूरी दुनिया ने योग की ताकत को पहचाना है, यह योग भारतीय ज्ञान से ही तो उपजा है। इसलिए हमें भारतीय ज्ञान को बढ़ावा देना चाहिए।

इससे पूर्व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदी विभाग के लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है कि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए उपस्थित हैं। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डा. सिद्धार्थ शंकर राय ने मुख्य वक्ता प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल का सारगर्भित परिचय दिया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत की नई शिक्षा नीति को भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित बताया।

उन्होंने कहा कि हमें भारतीय ज्ञान परंपरा को पहचानने की आवश्यकता है। जैसे पूरी दुनिया ने योग की ताकत को पहचाना है, यह योग भारतीय ज्ञान से ही तो उपजा है। इसलिए हमें भारतीय ज्ञान को बढ़ावा देना चाहिए।

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में पुष्प गुच्छ भेंट कर प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

नरनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग में 'साहित्य के मूलाधार: सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के हिंदी विभागों में समझौता ज्ञापन भी हुआ।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 30 May 2023
https://epaper.dainiktribu

'साहित्य के मूलाधार: सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन' पर विशेषज्ञ व्याख्यान

साहित्य का अंतिम लक्ष्य उपदेश देना नहीं, आनंद का सृजन करना है: प्रो. शुक्ल

महेंद्रगढ़, 29 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग में 'साहित्य के मूलाधार: सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के हिंदी विभागों में समझौता ज्ञापन भी हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को पुष्प गुच्छ, शाल, श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। तत्पश्चात हिंदी विभाग के अध्यक्ष ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत शाल ओढ़ाकर किया।

पुष्प गुच्छ भेंट कर प्रो. रजनीश कुमार शुक्त को स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

नई शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित

सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन के परिप्रेक्ष्य में प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि किसी भी साहित्य का अंतिम लक्ष्य उपदेश देना नहीं, अपितु आनंद का सृजन करना ही है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत की नई शिक्षा नीति का समर्थन करते हुए उसे भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित बताया।

कुलपति ने कहा जैसे पूरी दुनिया ने योग की ताकत को पहचाना है, यह योग भारतीय ज्ञान से ही तो उपजा है। इसलिए हमें भारतीय ज्ञान को बढ़ावा देना चाहिए।

सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन के अभाव में श्रेष्ठ साहित्य का सृजन नहीं हो सकता

इससे पूर्व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदी विभाग के लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है कि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए उपस्थित हैं। उन्हें विश्वास है कि उनके व्याख्यान से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे।

दुनिया का कोई भी साहित्य अपनी दार्शनिक उपस्थित के कारण ही कालेजयी बनता है।

सौंदर्य, संस्कृति और दर्शन के अभाव में श्रेष्ठ साहित्य का सृजन नहीं हो सकता। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने मुख्य वक्ता प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल का सारगर्भित परिचय दिया।

इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा से हिंदी साहित्य विभाग की अध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर, प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित रहीं।

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने व्याख्यान में कहा कि जिन साहित्यिक अनुशासनों की बात भारतीय परम्परा में हजारों वर्षों से होती रही है, पिछले सौ वर्षों में हमने उन अनुशासनों को पूरी तरह समाप्त कर दिया ।

साहित्य और कला के माध्यम से ही मनुष्यों और पशुओं में भेद किया जाता है। हिंदी साहित्य को किसी विचारधारा में नहीं बांधा जा सकता।

सौन्दर्य को देखने का सबका अपना-अपना नजरिया होता है। जो वस्तु हमारे लिए सुंदर है, अन्य जगह उसकी सुन्दरता का रूप बदल जाता है। उन्होंने साहित्य को मनुष्यता के लिए अति आवश्यक बताया।

वाइजर 2023 ग्रांट के लिए हुआ हकेवि की डॉ. पूजा यादव का चयन

■ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दी बधाई

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) से प्रतिष्ठित वाइजर ग्रांट प्राप्त हुई है। आईजीएसटीसी जर्मन फेडरल मिनिस्टरी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (बीएमबीएफ) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार का एक संयुक्त प्रयास है। जिसके अंतर्गत मिलने वाली ग्रांट हेतु वर्ष 2023 में दस भारतीय महिला शोधार्थियों और दो जर्मन शोधार्थियों को चुना गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा यादव को मिली इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि अवश्य ही डॉ. पूजा इस ग्रांट के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करने में सफल रहेंगी।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) द्वारा वाइजर कार्यक्रम का उद्देश्य महिला शोधकताओं में वैज्ञानिक क्षमता का निर्माण करना और उन्हें नए शोध हेतु प्रोत्साहित करना है। डॉ. पूजा यादव को मिले अनुदान का मुख्य लक्ष्य अंतर्जात मानव पेप्टाइड्स की खोज करना है जो बायोफिल्म निर्माण और बैक्टीरिया के विकास को रोक सकता है। इस अध्ययन का दीर्घकालिक लक्ष्य एंटीबायोटिक दवाओं के विकल्प के रूप में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स का उपयोग करना है। यह निश्चित रूप से दुनिया भर में एंटीबायोटिक बोझ को कम करने में मददगार साबित होंगे।

यहां बता दें कि डॉ. यादव ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संक्रामक रोगों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने चिल्ड्रन हॉस्पिटल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, एमए, यूएसए से अपनी पहली पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप पूरी की। इसके पश्चात उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय, ह्यूस्टन में स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र में प्रवेश लिया और अपनी दूसरी पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप पूरी की। वर्ष 2022 में एसआईआरई (एसईआरबी-इंटरनेशनल रिसर्च फेलोशिप) सहित उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए उन्हें कई फेलोशिप और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। उनके शोध का प्राथमिक क्षेत्र एंटीबायोटिक प्रतिरोध, बायोफिल्म और डीएनए माध्यमिक संरचना बैक्टीरियल रोगजनन के मध्यस्थता विनियमन पर केंद्रित है। डॉ. पूजा यादव माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रोफेसर बारबरा स्पेलरबर्ग के साथ मिलकर काम करेंगी। वर्तमान अनुदान सीआरसी 1279 (उलम विश्वविद्यालय) के संदर्भ में 2017 से 2025 तक वित्तपोषित है, जिसका उद्देश्य एंडोजेनर्स मानव पेप्टाइड्स की खोज करना है जो मानव रोगजनकों के नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और संभावित चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए उन्हें अनुकूलित करते हैं। यह ग्रांट तीन साल की अवधि के लिए है जिसके अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और उलम विश्वविद्यालय, जर्मनी के बीच शोध का आदान-प्रदान किया जाएगा।

डॉ. पूजा यादव के साथ जर्मन वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलरबर्ग। आज समाज

वाइजर 2023 ग्रांट के लिए डॉ. पूजा यादव का चयन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) से प्रतिष्ठित वाइजर ग्रांट प्राप्त हुई है।

आईजीएसटीसी जर्मन फेडरल मिनिस्टरी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (बीएमबीएफ) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), केंद्र सरकार का संयुक्त प्रयास है। इसके अंतर्गत मिलने वाली ग्रांट हेतु वर्ष 2023 में दस भारतीय महिला शोधार्थियों और दो जर्मन शोधार्थियों को चुना गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा यादव को मिली इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि अवश्य ही डॉ. पूजा इस ग्रांट के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करने में सफल रहेंगी।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) द्वारा वाइजर कार्यक्रम का उद्देश्य महिला शोधकर्ताओं में वैज्ञानिक क्षमता का निर्माण करना और उन्हें नए शोध हेतु प्रोत्साहित करना है। डॉ. पूजा यादव को मिले अनुदान का मुख्य लक्ष्य अंतर्जात मानव पेप्टाइड्स की खोज करना है जो बायोफिल्म निर्माण और

डॉ. पूजा यादव के साथ जर्मन वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलरबर्ग। संवाद

बैक्टीरिया के विकास को रोक सकता है।

यहां बता दें कि डॉ. यादव ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संक्रामक रोगों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने चिल्ड्रन हॉस्पिटल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, एमए, यूएसए से अपनी पहली पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप पूरी की। इसके पश्चात उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय, ह्यूस्टन में स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र में प्रवेश लिया और अपनी दूसरी पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप पूरी की। वर्ष 2022 में एसआईआरई (एसईआरबी-इंटरनेशनल रिसर्च फेलोशिप) सहित उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए उन्हें कई फेलोशिप और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। डॉ. पूजा यादव माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलरबर्ग के साथ मिलकर काम करेंगी।

हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े

हकेंवि में हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, भविष्य एवं रोजगार की संभावनाएं विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग तथा हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, भविष्य एवं रोजगार की संभावनाएं विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कुलपति ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने देश के सामाजिक व सांस्कृतिक जन-जागरण में हर कदम पर साथ दिया। आजादी से पूर्व व आजादी के बाद हिंदी पत्रकारिता ने देश के नव निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुलपति ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया माध्यमों के विकास के कारण हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। भावी पत्रकारों को चाहिए वे नई तकनीक व हिंदी भाषा को अपना साथी बनाएं।

हकेंवि में मंगलवार को हुई संगोष्ठी में शामिल शिक्षक और विद्यार्थी। संवाद

संगोष्ठी की मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्ष एवं साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता का हमारे स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि किसी भी इतिहास को हम तीन चरणों में विभाजित कर सकते हैं। पहला कृषि विकास, दूसरा उद्यौगीकीकरण व तीसरा तकनीक का अधिक प्रयोग। वर्तमान समय में हम सूचना संचार के प्रौद्योगिकी के अधिक प्रयोग के दौर से गुजर रहे हैं। नई सूचना संचार तकनीक के विकास से हिंदी पत्रकारिता ग्लोबल हुई है।

वहीं संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि अमर उजाला रोहतक के संपादकीय प्रभारी योगेश नारायण दीक्षित ने कहा कि डिजिटल मीडिया के कारण हिंदी की लोकप्रियता काफी तेजी से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि नई सूचना तकनीक का फायदा पत्रकारिता व पत्रकारों को मिल रहा है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे खुद को आज की पत्रकारिता के लिए तैयार करने के लिए नई तकनीक से दोस्ती कर लें। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने पिछले 197 वर्षों में देश के लोगों को अपने हितों व लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया। शिक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन हिंदी विभाग की सह आचार्य डॉ. कमलेश ने किया। हिंदी विभाग के सह आचार्य डॉ. कामराज ने अतिथियों का सम्मान किया। इस मौके पर शिक्षक डॉ. अमित कुमार, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. पंकज, आलेख नायक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मनुमुक्त ट्रस्ट द्वारा हिंदी पत्रकारिता-दिवस पर विचार गोष्ठी

नारनौल। समकालीन परिदृश्य में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण ही नहीं बहुआयामी भी है। यह कहना कांता भारती का। मनुमुक्त ''मानव'' मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा हिंदी पत्रकारिता-दिवस के उपलक्ष्य में ''समकालीन परिदृश्य में मीडिया की भूमिका'' विषय पर आयोजित विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांता भारती ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि भले ही आज इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का दौर है, लेकिन प्रिंट मीडिया का महत्त्व भी कम नहीं हुआ है। किशनलाल पब्लिक कॉलेज, रेवाड़ी के प्रोफेसर मुकुट अग्रवाल ने कहा कि सुविधा-भोगी और अवसरवादी पत्रकारिता से न तो स्वस्थ लोकमत का निर्माण होता है और न ही लोकतंत्र का हित। सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी (राजस्थान) के कुलपति डॉ. उमाशंकर यादव ने स्पष्ट किया कि आज अधिकतर समाचार पत्र और न्यूज चैनल राजनीतिक दलों के पक्षधर और प्रवक्ता बनकर रह गए हैं, जिसके कारण जनता तक सही सूचनाएं नहीं पहुंच पा रही हैं। संवाद

वाइजर 2023 ग्रांट के लिए हुआ हकेंवि की डॉ. पूजा यादव का चयन

महेंद्रगढ़ | हकेंवि की सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) से प्रतिष्ठित वाइजर ग्रांट प्राप्त हुई है। आईजीएसटीसी जर्मन फेडरल मिनिस्टरी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (बीएमबीएफ) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार का एक संयुक्त प्रयास है। जिसके अंतर्गत मिलने वाली ग्रांट हेतु वर्ष 2023 में 10 भारतीय महिला शोधार्थियों और दो जर्मन शोधार्थियों को चुना गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा यादव को मिली इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि अवश्य ही डॉ. पूजा इस ग्रांट के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करने में सफल रहेंगी। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) द्वारा वाइजर कार्यक्रम का उद्देश्य महिला शोधकर्ताओं में वैज्ञानिक क्षमता का निर्माण करना और उन्हें नए शोध हेतु प्रोत्साहित करना है। डॉ. पूजा यादव को मिले अनुदान का मुख्य लक्ष्य अंतर्जात मानव पेप्टाइड्स की खोज करना है, जो बायोफिल्म निर्माण और बैक्टीरिया के विकास को रोक सकता है। इस अध्ययन का दीर्घकालिक लक्ष्य एंटीबायोटिक दवाओं के विकल्प के रूप में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स का उपयोग करना है। यह निश्चित रूप से दुनिया भर में एंटीबायोटिक बोझ को कम करने में मददगार साबित होंगे।

वाइजर 2023 ग्रांट के लिए डा. पूजा का चयन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डा. पूजा यादव को इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलाजी सेंटर (आइजीएसटीसी) से प्रतिष्ठित वाइजर ग्रांट प्राप्त हुई है। आइजीएसटीसी जर्मन फेडरल मिनिस्टरी आफ एजुकेशन एंड रिसर्च (बीएमबीएफ) और विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार का एक संयुक्त प्रयास है। जिसके अंतर्गत मिलने वाली ग्रांट के लिए वर्ष 2023 में 10 भारतीय महिला शोधार्थियों और दो जर्मन शोधार्थियों को चुना गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डा. पूजा यादव को मिली इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि अवश्य ही डा. पूजा इस ग्रांट के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करने में सफल रहेंगी। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलाजी सेंटर द्वारा वाइजर कार्यक्रम का उद्देश्य महिला शोधकर्ताओं में वैज्ञानिक क्षमता का निर्माण करना और उन्हें नए शोध के लिए प्रोत्साहित करना है। डा. पूजा यादव को मिले अनुदान का मुख्य लक्ष्य अंतर्जात मानव पेप्टाइड्स की खोज करना है जो बायो फिल्म निर्माण और बैक्टीरिया के विकास को रोक सकता है। इस अध्ययन का दीर्घकालिक लक्ष्य एंटीबायोटिक दवाओं के विकल्प के रूप में रोगाणु रोधी पेप्टाइड्स का उपयोग करना है। यह निश्चित रूप से दुनिया भर में एंटीबायोटिक बोझ को कम करने में मददगार साबित होंगे। बता दें कि डा. यादव ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संक्रामक रोगों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने चिल्ड्रन हास्पिटल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, एमए, यूएसए से अपनी पहली पोस्ट-डाक्टरेट फेलोशिप पूरी की। उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय, ह्यूस्टन में स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र में प्रवेश लिया और अपनी दूसरी पोस्ट-डाक्टोरल फेलोशिप पूरी की। वर्ष 2022 में एसआइआरइ (एसइआरबी-इंटरनेशनल रिसर्च फेलोशिप) सहित उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए उन्हें कई फेलोशिप और पुरस्कार प्रदान किए गए है। उनके शोध का प्राथमिक क्षेत्र एंटीबायोटिक प्रतिरोध, बायोफिल्म और डीएनए माध्यमिक संरचना बैक्टीरियल रोग जनन के मध्यस्थता विनियमन पर केंद्रित है। डा. पूजा यादव माइक्रोबायोलाजी के क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रोफेसर बारबरा स्पेलरबर्ग के साथ मिलकर काम करेंगी।

डा. पूजा यादव के साथ जर्मन वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलरबर्ग • सौ. संस्था

हिंदी पत्रकारिता का जनजागरण में महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. टंकेश्वर

दीप प्रज्ज्वलन कर संगोष्ठी का उद्घाटन करते प्रो. कुमुद शर्मा व योगेश नारायण ● सौ. संस्था

संवाद सहयोग, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग तथा हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, भविष्य एवं रोजगार की संभावनाएं विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने देश के सामाजिक व सांस्कृतिक जन-जागरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी से पूर्व व आजादी के बाद हिंदी पत्रकारिता ने देश के नव निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कुलपति ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया माध्यमों के विकास के कारण हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इसलिए भावी पत्रकारों को चाहिए कि वे नई तकनीक व हिंदी भाषा को अपना साथी बनाएं। संगोष्ठी की मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्ष एवं साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता का हमारे स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्रीय तथा हिंदी पत्रकारिता ही थी, जिसने पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोया। संगोष्ठी के दूसरे मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक योगेश नारायण ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता का भविष्य काफी उज्ज्वल है।

दस भारतीय महिला और दो जर्मन शोधार्थी चयनित

वाइजर-2023 ग्रांट के लिए हकेंवि की डॉ. पूजा यादव का हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि की सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) से प्रतिष्ठित वाइजर ग्रांट प्राप्त हुई है। आईजीएसटीसी जर्मन फेडरल मिनिस्टरी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (बीएमबीएफ) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार का एक संयुक्त प्रयास है। जिसके अंतर्गत मिलने वाली ग्रांट हेतु वर्ष 2023 में दस भारतीय महिला शोधार्थियों और दो जर्मन शोधार्थियों को चुना गया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा यादव को मिली इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि अवश्य ही डॉ. पूजा इस ग्रांट के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करने में सफल रहेंगी।

सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर द्वारा वाइजर कार्यक्रम का उद्देश्य महिला शोधकर्ताओं में वैज्ञानिक क्षमता का निर्माण करना और उन्हें नए शोध हेतु प्रोत्साहित करना है। डॉ. पूजा यादव को मिले अनुदान का मुख्य लक्ष्य अंतर्जात मानव पेप्टाइड्स की खोज करना है जो बायोफिल्म निर्माण और बैक्टीरिया के विकास को रोक सकता है। इस अध्ययन का दीर्घकालिक लक्ष्य एंटीबायोटिक दवाओं के विकल्प के रूप में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स का उपयोग करना है। यह निश्चित रूप से दुनिया भर में एंटीबायोटिक बोझ को कम करने में मददगार साबित होंगे।

महेंद्रगढ़। डॉ. पूजा यादव के साथ जर्मन वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलरबर्ग।

यहां बता दें कि डॉ. यादव ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संक्रामक रोगों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने चिल्ड्रन हॉस्पिटल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, एमए, यूएसए से अपनी पहली पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप पूरी की। इसके पश्चात उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय, ह्यूस्टन में स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र में प्रवेश लिया और अपनी दूसरी पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप पूरी की। वर्ष-2022 में एसआईआरई (एसईआरबी-इंटरनेशनल रिसर्च फेलोशिप) सहित उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए उन्हें कई फेलोशिप और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। उनके शोध का प्राथमिक क्षेत्र एंटीबायोटिक प्रतिरोध, बायोफिल्म और डीएनए माध्यमिक संरचना बैक्टीरियल रोगजनन के मध्यस्थता विनियमन पर केंद्रित है।

वाइजर-2023 ग्रांट के लिए ह.कें.वि. की डॉ. पूजा यादव का चयन

महेंद्रगढ़, 30 मई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को इंडो-जर्मन साइंस एंड टैक्नोलॉजी सैंटर से प्रतिष्ठित वाइजर ग्रांट प्राप्त हुई है।

आई.जी.एस.टी.सी. जर्मन फैडरल मिनिस्टरी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च और विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.), भारत सरकार का एक संयुक्त प्रयास है।

इसके अंतर्गत मिलने वाली ग्रांट हेतु वर्ष 2023 में 10 भारतीय महिला शोधार्थियों और 2 जर्मन शोधार्थियों को चुना गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा यादव को मिली इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि अवश्य ही डॉ. पूजा इस ग्रांट के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

डॉ. पूजा यादव के साथ जर्मन वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलरबर्ग। (मोहन)

बता दें कि डॉ. यादव को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक व वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए कई फैलोशिप और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।